हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

4 फरवरी, 1999

खण्ड 1, अंक 6

अधिकृत विवरण

विशय सूची

वीरवार, 4 फरवरी, 1999

पृश्ठ संख्या

तरांकित प्र न एवं उत्तर	(6)1
सदस्यो को निलम्बित करने के सदन के निर्णय पर पुनर्विचार के लिए अनुरोध	(6)1
वैयक्तिक स्पश्टीकरण	
लोक निर्माण मंत्री द्वारा	(6)5
सदस्यो को निलम्बित करने के सदन के निर्णय पर पुनर्विचार के लिए अनुरोध (पुररारम्भ)	(6)6
सदस्यो का नाम लेना	(6)7
वाक आऊट	(6)8
तरांकित प्र न एवं उत्तर (पुनरारम्भ)	(6)9
वर्श 1999–2000 के बजट पर सामान्य चर्चा	(6)19

हरियाणा विधान सभा

वीरवार, 4 फरवरी, 1999

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्डीगढ़ में 14.00 बजे हुई। अध्यक्ष (प्रो0 छत्तर सिंह) ने अध्यक्षता की।

तरांकित प्र न एवं उत्तर

Mr. Speaker: Hon'ble members now Question Hour, Mr. Dev Raj Diwan.

श्री देव राज दीवानः स्पीकर साहब, ...

सदस्यो को निलम्बित करने के सदन के निर्णय पर पुनर्विचार के लिए अनुरोध

श्री खु र्शीद अहमदः स्पीकर साहब, मै आपसे अर्ज करना चाहूंगा कि हमारे जो साथी सदन से बाहर है उनको आप सदन मे बुलाए। उनको आपने पिछली दो तीन दिन से सदन से बाहर निकाल हुआ है। आज आप उनको सदन मे वापिस आने की इजाजत दे। आपसे यह दरखास्त हम सभी अपोजि ान वालो की तरफ से है।

श्री अध्यक्षः खु र्शीद अहमद जी यह क्वै चन आवर है। आप इस बारे मे प्रोपर टाईम पर मेरे से बात करे। (ोर)

श्री खु र्शीद अहमदः स्पीकर साहब, आज की क्वै चन लिस्ट मे उन्ही मैम्बर्ज के ज्यादातर क्वै ंचन है जो सदन से बाहर है। (ाोर)

श्री अध्यक्षः आप कृपया बैठ जाए। (ाोर)

श्री खु र्शीद अहमदः स्पीकर साहब, मै आपको हाथ जोड कर दरखास्त कर रहा हू कि आप उनको सदन मे आने की इजाजत दे।(ाोर)

श्री धीरपाल सिंहः स्पीकर साहब, मै भी आपके आगे हाथ जोडकर प्रार्थना करता हू कि आप उन माननीय सदस्यों को हाउस मे आने की इजाजत दे। (ाोर)

श्री अध्यक्षः मै भी आपके आगे हाथ जोडता हू कि आप हाउस को आराम से चलने दे।

श्री धीरपाल सिंहः स्पीकर साहब, यह बजट सै ान है, यदि इस तरह से विपक्ष के 9 सदस्य सदन से बाहर होगे तो फिर इस बजट सै ान का महत्व ही खत्म हो जाएगा। (ाोर) स्पीकर साहब, चौधरी खु र्शीद अहमदजी ने भी आपसे विनती की है और मै भी अपनी पार्टी की और से आपसे विनती कर रहा हू कि आप अपने फैसले पर पुनर्विचार करे और उन माननीय सदस्यो को हाउस मे आने की इजाजत दे। इस तरह से आप हाउस मे एक अच्छी रिवायत डाले। (ाोर)

श्री अध्यक्षः आप कृपया बैठ जाएं। (ाोर)

श्रीमती करतार देवीः अध्यक्ष महोदय, जो माननीय सदस्य सदन से बाहर है उन्ही के ही इस क्वै चन लिस्ट मे सबसे ज्यादा क्वै ाचंज है, इसलिए आप उनको हाउस मे आने की इजाजत दे ताकि वे क्वै चन आवर पार्टीसिपेट कर सके। (ाोर)

श्री अध्यक्षः बहज जी, आप कृपया बैठ जांए। (ाोर)

श्रीमती करतार देवीः अध्यक्ष महोदय, विपक्ष और सत्ता पक्ष दोनो को मिला कर यह सदन कहताला है इसलिए आपसे मेरा नम्र निवेदन है कि आप उन माननीय सदस्यो को सदन मे बुला ले। (ाोर)

श्री अध्यक्षः बहन जी, आप कृपया बैठ जाए। (ाोर) आप सभी पहले क्वै चन आवर को खत्म होने दे, उसके बाद जीरो आवर मे इस बारे मे आप जो बाते कहना चाहते है वह उस समय आराम से कहिए। (ाोर)

श्री जसविन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, जो माननीय सदस्य सदन से बाहर है आप उनको हाउस मे आने की इजाजत दे। (ाोर)

श्री धीरपाल सिंहः स्पीकर साहब, इस क्वै चन लिस्ट मे सबसे ज्यादा क्वै ांचंज उन्ही माननीय सदस्यो के है जो सदन से बाहर है। अगर वे क्वै ांचज आवर मे पार्टीसिपेट नही करेगे तो इस क्वै चन आवर का महत्व ही क्या रहेगा ? (ाोर)

श्री बलवंत सिंहः स्पीकर साहब, उन माननीय सदस्यो के भी आज क्वै ाचंज लगे हुए है, आप उनको हाउस मे आने की इजाजत दे ताकि क्वै ांचंज के जरिए सदन मे अपने हल्के की बाते कह सके। (ाोर)

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, मेरा आपसे निवेदन है कि आप हाउस के अन्दर एक अच्छी परम्परा चलांए। सदन मे विपक्ष की बहुत अहम भूमिका होती है इसलिए आप उनको हाउस मे आने की इजाजत दे ताकि वे हाउस के अन्दर अपने अपने हल्को की बात कह सके। वे काफी सीनियर मैम्बर है। चौधरी सम्पतं सिंह जी और चौधरी बीरेन्द्र सिंह तो काफी सीनियर मैम्बर है। स्पीकर साहब, विपक्ष की सदन के अन्दर बहुत अहम भूमिका होती है, इसलिये आप उन सभी माननीय सदस्यो को सदन मे वापिस बुलाए ताकि एक अच्छी परम्परा बने। (ाोर)

श्री सतपांल सांगवानः अध्यक्ष महोदय, इन्होने पिछले 4 दिन से रोले के अलावा सदन मे कोई काम नही किया और इनकी रोले के अलावा कोई इन्टैन् ान है ही नही। (ाोर एवम विघ्न)

लोक निर्माण मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल): अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय विपक्ष के जो साथी है उनसे अनुरोध करना चाहता हू कि वे हाउस की कार्यवाही को ठीक ढंग से चलने दे। पिछले तीन दिन से ये ठीक ढंग से सदन की कार्यवाही नही चलने दे रहे है। अब यह समय तो क्वै चन आवर का है। लेकिन ये बीच मे गलत तरीके से इधर उधर की बाते लेकर खडे हो जाते है। जितनी भी प्रदे ा के हित की बाते है, उनके लिये हमारे मंत्री महोदय पूरी तैयारी करके आते है जो सवाल किसी सदस्य साथी ने करवा होता है उसका संतोशजनक ढंग से जवाब एक मंत्री को देना होता है। अध्यक्ष महोदय, इस हाउस के माध्यम से पूरे प्रदे ा की जनता को सरकार की कारगुजारिया का पता चलता है। मै इनसे फिर अनुरोध करता हू कि वे क्वै चन आवर को ठीक ढंग से चलने दे और जब जीरो आवर आरम्भ होगा, उस वक्त ये अपनी बात कह सकते है। (ाोर एवम विघ्न)

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, हमारे जो माननीय सदस्य हाउस से बाहर है, उन्ही के ही अधिकतर प्र ान, प्र ान सूची मे लगे हुए है। इसलिए आप उनको सदन मे बुला ले। (ाोर एवम विघ्न)

श्री अध्यक्षः कृपया आप सभी बैठिये। (ाोर)

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, कल भी आपने इनका रवैया देखा। इनकी आपके प्रति कैसी टिप्पणी रही तथा जो कल इन्होने कहा उस पर हम सभी को आपति है। जैसा कल इन्होने आपके प्रति व्यवहार किया, वह नही करना चाहिए था। अध्यक्ष महोदय, आपने सारे माननीय विपक्ष के साथियो को बोलने का पूरा समय दिया लेकिन बेहद अफसोस की बात है जो अब भी आप देख रहे है कि क्वै चन आवर मे दूसरे म ुद्दे ही उठा रहे है। वे जब जो जी मे आता है बोलना भाुरू कर देते है और अनाप भानाप बाते करते है। हम इनकी इस तरह की बर्दा त नही करेगे। यह क्वै चन आवर है, पहले इसको खत्म होने दे और इन्होने जो बात कहनी है वह जीरो आवर मे कह ले (ाोर एवम विघ्न) अध्यक्ष महोदय, ये आपका इजाजत के बिना बोल रहे है। (ाोर)

श्री धीरपाल सिहंः अध्यक्ष महोदय..... (ाोर एवम विघ्न)

श्री दिूल रामः अध्यक्ष महोदय, ...

श्री बलवंत सिंहः अध्यक्ष महोदय,.....

श्री अध्यक्षः मेरी परमि ान के बगैर जो बोला जा रहा है, वह रिकार्ड न किया जाये। (ाोर एवम विघ्न)

श्री धर्मबीर गाबाः अध्यक्ष महोदय, यह हाउस पुरानी मर्यादाओ और परम्पराओ के अनुसार चलता रहा है। उन्ही मर्यादाओ और परम्पराओ को हम लोग कायम रखना चाहते है। कुछ गलतियां हम से हुई है और कुछ गलतिया ट्रेजरी बैचिज से भी हुई है। अध्यक्ष महोदय, हम चाहते है कि उनको भुला कर सही ढंग से काम करे। (विघ्न) मेरा दिल इस बात की गवाही देता है कि हाउस की कार्यवाही बिल्कुल ठीक ढंग से चलेगी। आपको याद होगा कि पिछली बार सारा विपक्ष सदन से वाक आउट कर गया था, मै अकेला हाउस मे रहा था और मैने रिप्लाई सुना था। आज भी हम चौधरी बंसी लाल, आनरेबल मुख्यमंत्री जी का जवाब, पूरी तहर से, सिंसियरली सुनना चाहते है। इसलिए मै आपसे हाथ जोड कर निवेदन करता हू कि आप उनको माफ करे और हाउस मे बुलांए ताकि यह हाउस समूथली चल सके। जो बजट पे ा हुआ है हमे भी उस पर अपनी बात रखनी है और आनरेबल मुख्यमंत्री जी का जवाब भी सुनना है। मै आनरेबल मुख्यमंत्री जी को कह कर आया था कि मै रिप्लाई सुनूगा। अध्यक्ष महोदय, लीडर आफ दि हाउस और आपसे मेरी हाथ जोड कर प्रार्थना है कि आप ठण्डे दिमाग से सोचे, जो होना था सो हो गया। हम हमे ाा सारे के सारे बजट सै ान को समूथली चलने देगे, आप उन सभी मैम्बर्ज को हाउस मे बुलाने की कृपा करे। (विघ्न)

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, अभी गाबा साहब मर्यादाओ की बात कर रहे थे। गाबा साहब पुराने सदस्य है मै

इनसे जानना चाहता हू कि यह कौन सी मर्यादा है कि प्र ानकाल के दौरान इस प्रकार की बात कहना भाुरू कर देते है। (विघ्न एवम भाोर) जब हम कुछ कहना चाहते है कि ये उठ कर चले जाते है। स्पीकर साहब, जब हमारे लोग बोलना भाुरू करते है तो ये बीच मे खडे हो जाते है। आज ये गुजारि ा कर रहे है कल ये आखें दिखा रहे थे। अब ये नरमी दिखा रहे है, मौका आने पर ये फिर आंखे दिखाने लगेगे। इनका कसूर नही है। अध्यक्ष महोदय, आप अच्छी तरह से जानते है कि इन्होने अपनी सरकार के दौरान हरमिंदर सिंह चट्ठा जी जब विधान सभा के अध्यक्ष हुआ करते थे उनके खिलाफ क्या क्या करवाया था। अध्यक्ष महोदय, ये लोग क्या जाने कि चेयर की मर्यादा क्या होती है और इस सदन की मर्यादा क्या है? (विघ्न एवम भाोर)

Mr. Speaker: This is not proper time to express such things. मेरा आपसे निवेदन है कि पहले क्वै चन आवर समाप्त होने दे उसके बाद जीरो आवर मे आप अपनी बात कहे। (विघ्न)

श्री रमे ा कुमारः अध्यक्ष महोदय, मेरी आपसे गुजारि ा है कि आप उनको हाउस मे बुला ले।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, इनकी यह जिम्मेदारी है कि ये ठीक काम करे और ऐसा वि वास दिलाए कि दोबारा से ऐसा नही करेगे। पिछली अधिवे ान मे बार बार इनको सदन से निकाल गया था लेकिन इन्होने न तो इस हाउस पर और

न ही इस चेयर पर वि वास रखा तथा ये लोग इस सदन की कार्यवाही को हाई कोर्ट मे ले गये थे। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः कोर्ट मे जाने का सब को अधिकार है, इसमे कोई ऐसी बात नही है।

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै पूछता हू कि कोर्ट मे कौन जाता है? (विघ्न) क्या मंत्री बनने के बाद सारे अधिकार इन्ही के पास आ गए है? कोर्ट मे कोई तभी जाता है जब किसी कार्य से वह असतुश्ट रहता है। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः धीरपाल जी, मै इनसे यही बात कह रहा हू। मैने इनको कहा है कि everyone has a right to knock the doors of the court. Please take your seat.

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, हाउस और चेयर का एक सम्मान होता है लेकिन ये लोग हाउस और चेयर के सम्मान को क्या जाने? (विघ्न एवम भाोर)

श्री धीरपाल सिहः अध्यक्ष महोदय, आज मंत्री बनने के बाद ये सम्मान की बात कर रहे है, चेयर का जितना सम्मान ये करते है हमे उसका पता है। जब ये इधर उधर हुआ करते थे तो ये जैसा सम्मान करते थे हमे पता है। आज इनको बोलने का मौका मिला हुआ है। लेकिन सारे सम्मान के ये ठेकेदार नही है। (विघ्न एवम भाोर)

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से विपक्ष के भाइयो से अनुरोध करता हू कि ये प्र ान काल को पूरा होने दे और जो भी बाते इन्होने कहनी है वह जीरो आवर मे कह ले। इनकी बाते सुनने के बाद, अध्यक्ष महोदय, आपने जो रियायत देनी हो वह द दे। अध्यक्ष महोदय, पिछले सै ान के दौरान भी जब ये अपनी बातो से बाज नही आते थे तब आपने इनको सदन से बाहर निकाल था। उसके बाद इन्होने यहां पर कहा था कि आगे से ऐसा नही करेगे। लेकिन ये फिर वही बाते करते है। इसलिये अब इनकी बातो को बिल्कुल भी मानने के लिये तैयार नही है।

श्री जसविन्द्र सिंह सिंधूः अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय कर्ण सिंह दलाल जी ने टिप्पणी की है कि हम आपकी चेयर का सम्मान नही करते है। मै कहना चाहता हू कि हम आपकी चेयर का पूरा मान सम्मान करते है और आपके हर हुक्म को मानते है। अगर आपकी चेयर की तरफ से हमे इन्साफ नही मिलता है तो हम उसके लिए आपसे प्रार्थना करते है और अपनी बात कहते है। प्रोफैसर सम्पत सिंह जी बहुत ही सीनियर मैम्बर है। आप रिकार्ड देख ले वे सबसे ज्यादा सप्लीमैटरी भी पूछते है, आपको उन्हे वापिस बुला लेना चाहिए। इसी तरह से रण्दीप सिंह सुरजेवाला जी कांग्रेस के मैम्बर है और दूसरे भी कई साथी है उनको भी वापस बुला लेना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, श्री कर्ण सिंह दलाल जी भी जब पिछली सरकार के वक्त हमारे साथ अपोजी ान मे बैठते थे

तो उस वक्त ये भी ऐसा ही किया करते थे। उस समय जब इनको भी सदन से बाहर निकाल दिया गया तब हमने इनके साथ मिलकर सदन के बाहर धरना दिया था और इनको सदन मे वापिस बुलाने के लिए उस वक्त के स्पीकर साहब, ने दरख्खास्त की थी। आज ये वहां बैठे गए है तो हमे मर्यादा सिखाते है। अध्यक्ष महोदय, मेरी आपसे दरख्खास्त है कि जो मैम्बर्ज सदन से बाहर निकाले गए है, उनको सदन से वापिस बुला लिया जाए। वे बहुत ही सीनियर मैम्बर्ज है।

श्री अध्यक्षः जसविन्द्र सिहं जी, जो सीनियर मैम्बर्ज होते है उनकी जिम्मेवारी ज्यादा होती है।

गृह मंत्री (श्री मनी राम गोदारा): अध्यक्ष महोदय, मैम्बर्ज साहेबान से मै एक बात पूछना चाहता हू कि wherfrom the Speaker's role has come. मै आपको बताना चाहूंगा कि उन मैम्बर्ज को सदन से बाहर निकालने की मो ान हाउस की तरफ से देखी गई थी और हाउस ने ही वह मो ान पास की थी। इसलिये अब यह आपके अधिकार क्षेत्र मे नही है। जो मैम्बर सदन की कार्यवाही नही चलने देगा, उसके खिलाफ कार्यवाही तो होनी ही चाहिए। (ाोर)

श्री खुर ाीद अहमदः स्पीकर साहब, आप उस फैसले के बारे पुनर्विचार करे और उन मैम्बर्ज को हाउस मे बुलाने की कृपा करे। (ाोर)

श्री अध्यक्षः यह मेरे अधिकार की बात नही है। यह हाउस के अधिकार की बात है। (ाोर)

श्री अध्यक्षः भागीराम जी, कृपया आप बैठ जाए। जब कोई माननीय सदस्य बोल रहा हो तो पहले उसको सुन लेना चाहिए। मै आपको बताना चाहूंगा कि that motion was adopted by the House. The Speaker cnanot do anything in this matter. Let the question be asked first.

वैयक्तिक स्पश्टीकरण

लोक निर्माण मंत्री द्वारा

लोक निर्माण मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल): अध्यक्ष महोदय, मेरा पर्सनल एक्सप्लेने ान है। अभी थोडी देर पहले श्री जसविन्द्र सिंह जीने मेरे बारे मे टिप्पणी की थी। उन्होने कहा था कि जब मै विपक्ष मे बैठा रहता था तो उस समय मै आपतिजनक बात करता था। अध्यक्ष महोदय, उस समय आप भी हमारे साथ विपक्ष मे बैठा करते थे। इसलिए आपको विदित है कि उस सयम मैने कभी भी कोई आपतिजनक बात नही की। (ाोर एवम व्यवधान)

कैप्टन अजय सिंहः अध्यक्ष महोदय,.....

श्री अध्यक्षः कैप्टन साहब, जो कुछ बोल रहे है। that should not be recorded. (interruptions) Whosoever is speaking

without the permission of the Chair, his version shouls not be recorded.

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, आप अच्छी तरह से जानते है कि उस समय की सरकार हमारे साथ किस तरह की ज्यादती किया करती थी। हमे यहां पर बोलने ही नही दिया जाता था। दूसरी तरफ आप निश्पक्षता से सभी मैम्बज्र को बोलने की इजाजत देते थे, सभी को बोलने का पूरा मौका देते है। हमे तो उस वक्त बोलने की इजाजत ही नही दी जाती थी। (ाोर एवम व्यवधान)

स्पीकर साहब, हमे इस बात का फरख है कि उस समय श्री चौधरी बंसी लाल जी हमारे नेताप हुआ करते थे, वे हमे उस समय बैठाया करते थे और कहते थे कि आप लोगो ने ऐसी कोई भी कार्यवाही नही करनी है जिसने सदन की अवमानना होती है। दूसरी तरफ से लोग कहते है कि किसी की बात मानने के लिये तैयार नही है। इनकी तो वह हालत है कि ''सिंह का भाई बघेरा, एक कूद 9 और दूसरा 13''। इनके नेता तो ज्यादा बोलते ही है इनकी पार्टी के सदस्य उनसे भी ज्यादा भाोर मचाने की कोि ा ा करते है। स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से इन विपक्ष के साथियो से अनुरोध कंरूगा कि वे प्र ानकाल की कार्यवाही को ठीक तरह से चलने दे और जीरो आवर मे अपनी बात कहे।

सदस्यो को निलम्बित करने के सदन के निर्णय पर पुनर्विचार के लिए अनुरोध (पुररारम्भ)

ि ाक्षा मंत्री (श्री रामबिलास भार्मा): स्पीकर साहब, विपक्ष के 14 ऐसे माननीय विधायक है जिनके सवाल आज लगे हुए है और वे इस समय सदन मे मौजूद है। सर, कल भी क्वै चन आंवर नही हुआ था इसलिए कम से कम आज तो क्वै चन आंवर होना चाहिए। इन मौजूदा 14 सदस्यो मे विपक्ष की सभी पार्टीज के सदस्य है। इसके अलावा आपने बोलने के लिए समय देने का भी एक नया रिकार्ड कायम किया है। स्पीकर साहब, आप की जिम्मेदारी ज्यादा होती है क्योकि आप पूरे सदन के कस्टोडियन है। मै माननीय सदस्यो से कहना चाहता हू कि आज के क्वै चन आवर मे उन 14 विधायको के सवाल आने दे, जो यहां पर मौजूदा है इसके बाद आप सभी पार्टीज के लोगो को अपने चैम्बर मे बुला ले और वहां पर आप इन सभी लोगो के साथ इस बारे मे बात करे ले लेकिन आज क्वै चन आंवर को आप चलाये।

जन स्वास्थय मंत्री (श्री जगननाथ): स्पीकर साहब, मेरी आपसे अर्ज है कि हमारे हाउस के नेता चौधरी बंसी लाल जी है। वे हमारी पार्टी के नेता भी है। इसी तरह से रामबिलास जी एवम कमला वर्मा जी, बी0जे0पी0 के नेता है। अगर ये भी हमारे को कहते है कि आप सभी चुप रहे तो हम चुप रहते है तथा यदि ये कहते है कि इस आदमी को बोलना है तो वह आदमी ही बोलता है। लेकिन श्री ओमप्रका ा चौटाला कभी भी पीछे मुडकर यह नही कहते है कि हाउस को चलने दे। इनको क्वै चन आव मे तो ऐसा

नही करना चाहिए। कम से कम क्या इनको अपने सदस्यो से इस बारे मे नही कहना चाहिये कि वे हाउस की चलने दे ?

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर साहब, मेरा एक और लास्ट सुजै न है। सर, आप अच्छी तरह से जानते है और विपक्ष के साथी भी जानते है कि इनके जो साथी यहां पर मौजूद नही है लेनिक उनके सवाल लगे हुये है तो क्या यह रिवायत नही है कि अगर वह सदस्य खुद यहा पर मौजूद न हो जिसका सवाल लगा हुआ है, वह अपने किसी दूसरे साथी को अपना क्वै चन पूछने के लिए अथोराइज कर सकता है? लेकिन स्पीकर साहब, इनको तो सवालो मे कोई रूचि नही है।

श्री अध्यक्षः ऐसा है कि जो सदस्य पहले से सस्पैडिड है, वे ऐसा नही कर सकते है।

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर साहब, अगर ऐसी बात है तो इनको अपने अपने सवालो के बारे मे तो यहा पर बहस करनी चाहिए और उनके बारे मे सरकार के रवैये का पता करना चाहिए। (विघ्न)

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, आप मेरी बात सुनिए।

Mr. Speaker: Now. it is enough, Take your seat please. (Interruptions)

मैने आपको सुन लिया है, अब आप बैठे। अब देवराज दीवान जी, आप अपना सवाल पूछे और जीरो आवर मे यह मामला मैम्बर्ज उठा सकते है।

श्री देवराज दीवानः अध्यक्ष महोदय, सर्वप्रथम सदन मे आपसे निवदेन करूगां कि आप कृपा करके विपक्ष के बारहर गए हुए सदस्यो को सदन मे बुला ले।

श्री अध्यक्षः अगर आपने अपना सवाल पूछना है तो पूछे।

श्री देवराज दीवानः सर, मेरे प्र ान के बाद सम्पत सिंह जी का प्र ान है। कृपया आप उनको हाउस मे बुला ले।

श्री अध्यक्षः ठीक है आप अपना सवाल पूछते तो कोई बात नही। अब अगला सवाल होगा। (ाोर एवम व्यवधान)

(माननीय सदस्य श्री देवराज दीवान द्वारा प्र ान सख्ंया 851 पूछा नही गया।)

सदस्य का नाम लेना

श्री अध्यक्षः भागीराम जी जो भी बोल रहे है वह रिकार्ड न किया जाए। (ाोर एवम व्यवधान)

(इस समय बहुत से सदस्य खडे होकर बोलने लगे।)

श्री अध्यक्षः कृपया आप सभी अपनी सीटो पर बैठे।

श्री भागीरामः अध्यक्ष महोदय, आप मेरी बात तो सुने।

श्री ओमप्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, ...

श्री अध्यक्षः चौटाला साहब जो कुछ कह रहे है, इसे रिकार्ड न किया जाए। चौटाला साहब, आप बैठ जाईए। (ाोर एवम व्यवधान) मै आपका अधिकार सुन चुका हू, आज बजट पर बहस होनी है जिसमे सबसे पहले आपने बोलना है।

श्री ओमप्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय,.....

.....

श्री धीरपाल सिहंः स्पीकर साहब, मंत्री थ्रैट कर रहे है। क्या मन्त्रियो को अधिकार है, हमारे कोई अधिकार नही है। (ाोर एवम व्यवधान)

Mr. Speaker: Chautala Sahib, I won't allow you to speak. I warn you to take your seat. आप यह सोचते है कि हाउस आपके यहा कहने से चलेगा। (ाोर एवम व्यवधान) आप कहते है कि हाउस आपके कहने से चलेगा। आप कृपया बैठ जाईये। (ाोर एवम व्यवधान) आप सम्मान को जानते ही नही, सम्मान नाम की चीज आपने सीखाी ही नही। (ाोर एवम व्यवधान) क्या यहा आपका हुक्म चलेगा? यहां आपका हुक्म नही चलेगा। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री सतपाल सांगवानः चौटाला साहब, आपको सब जानते है। क्या यही आपका बिहेवियर है? क्या चेयर से ऐसा बिहेव करते है?

Mr. Speaker: I request all the Hon'ble Members to please take their seats (Noise & Interruptions) चौटाला साहब, जो कुछ कह रहे है, उसे रिकार्ड नही करना है। आपके सामने मेरा कोई उतरदायित्व नही कि मै आपको एक्सप्लेन करू। (ाोर एवम व्यवधान) ये सब आपकी आदत है। दूसरो को न सिखाये। तान ााही तो आपने की है और कोई तान ााही नही करता। (ाोर एवम व्यवधान)

(Despit repeated requestes made by the Hon'ble Speaker, Sh Om Parkash Chautala continued to speak wihtout permission of the chair)

Mr. Speaker: I name Mr. Chautala. He may please leave the House. (Noise & Interruptions) आपको यह अधिकार नही कि दूसरे के अधिकारो को छीने।

As I have named Shri Om Parkash Chautala, I request him to please leave the House. (Interruptions)

Mr. Speaker: As I have named Shri Om Parkash Chautala, I request him to please leave the House

(At this stage Shri Om Parkash Chautala withdrew from the House)

वाक आउट

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, अगर आप ने इसी तरह से हमे नेम करना है तो हम एज ए प्रोटैस्ट इस सदन से वाक आउट करते है।

श्री खुरीद ा अहमदः अध्यक्ष महोदय, आप किसी सदस्य को बोलने का मौका तो देगे नही इसलिये हम भी सदन से वाक आउट करते है।

(इस समय हरियाणा लोकदल (राश्ट्रीय) इडियन, नै ानल कांग्रेस के सभी उपस्थित सदस्य और श्री देवराज दीवान, आजाद सदस्य एज ए प्रोटैस्ट सदन से वाक आउट कर गये।)

ताराकित प्र ान एवम उतर (पुनरारम्भ)

Mr. Speaker: Hon'ble members, now next question. Sh. Kailash Chander Sharama.

Repair of Raods

864. Shri Kailash Chander Sharma: Will the Chief Minister P.W.D (B&R) be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to repair the following roads of District Mohindergarh:-

(i) from Nayan to Sainion Ki Dhani;

(ii) from Thanwas to Amarpura;

(iii) from Moshnuta to Bayal via Panchnuta;

(iv) from Lujota to Dokhera;

(v) from Nagal Dargu to Golwa;

(vi) From Khatoti to Dohar Mohanpur;

(viii) from Bhankhri to Badopur; and

(viii) from Mohindergarh road Nasibpur to Bans via Dharsu?

लोक निर्माण मंत्री श्री कर्ण सिंह दलालः हां, श्रीमान जी।

श्री कैला ा चन्द भार्माः स्पीकर सर, मैने ताराकिंत प्र ान संख्या 864 मे जो सडके द ार्ायी है,उन सडको की हालत बहुत ज्यादा खराब है। मेरा आपके माध्यम से मंत्री से निवेदन है कि इन सडको को जल्दी से जल्दी ठीक करवाने का कश्ट करे।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य श्री कैला ा चन्द्र भार्मा जी ने जो प्र ान पूछा है उस बारे मे इनकी बात ठीक है कि इन सडको की हालत काफी खराब है। इन सडको मे जो खटोटी से होहर मोहनपुर तक की सडक है उस सडक को ठीक करने का काम हमने अलाट कर दिया है, जिस पर लगभग 12 लाख 42 हजार रूपये का खर्चा होगा। जो सात सडके है, उनमे ओ0डी0आर0 का काफी काम होना है और इन हैवी पैचवर्क किया जाना है। जितना भी जल्दी हो सकेगा हम इन सडको को ठीक करने की कोि ा ा करेगे।

श्री कैला ा भार्माः धन्यवाद, सर।

UPGRADATION OF SUB STATION SANJARWAS

956. Shri Sat Pal Sangwan: Will the Chief Minister be please to state-

(a) whether there is any proposal under conisderation of the Government to increase the capacity of Sanjarwas, Ateli Khurd,Old Dadr Power sub station; and

(b) the time by which the work for setting up of new sub station at Morewala is likely to be completed?

मुख्यमंत्री (श्री बंसी लाल):

(क) 33 के0वी0 उपकेन्द्र, सांजरवास तथा 132 के0वी उपकेन्द्र अटेली की क्षमताओ मे वृद्धि करने के लिए प्रस्ताव है। 132 के0वी0 उपकेन्द्र, पुरानी दादरी (दादरी–1) की क्षमता मे वृद्धि करने का कोई प्रस्ताव नही है।

(ख) नए 33 के0वी0 उपकेन्द्र मोरवाल का निर्माण कार्य सितम्बर, 1999 तक पूर्ण हो जाएगा।

बिजली मंत्री(श्री अतर सिंह): अध्यक्ष महोदय, सांगवान जी ने चार सब स्टे ाानो के बारे मे पूछा है, जिनमे अटेली खुर्द अथवा अटेली का कंला का कोई सब स्टे ान नही है। अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले मै सांजरवास सब स्टे ान के बारे मे बताया चाहूंगा। सांजरवास सब स्टे ान मे 44.5 एम0वी0ए0 की इंस्टाल्ड कैपेसिटी है और डिमांड मैक्सिम 33.5 एम0वी0एम0 की है इसलिए इस सब स्टे ान को अंागमैट करने की हमारी कोई प्रोपोजल नही

है। जब भी इस सब स्टे ान की कैपसिटी बढाने की डिमाण्ड होगी तो हम उसको बढा देगे। वैसे कुछ दिन पहले इस सब स्टे ान की 2 एम0वी0ए0 की कैपेसिटी बढाई गई थी। अब इस सब स्टे ान की 10 एम0वी0बी0 की कैपेसिटी है तथा 8.5 एम0वी0ए0 का इसके ऊपर लोड है। इस प्रकार से 12.6 एम0वी0ए0, की कैपेसिटी इस मे और जुड जाएगी। अध्यक्ष महोदय, पुरानी दादरी के सब स्टे ान की इंस्टाल्ड कैपेसिटी 24 एम0वी0ए0 की है तथा वहां पर ज्यादा से ज्याद डिमाड 16 एम0वी0ए0 की है। अभी इस मे गुजांइ ा है व इस मे भी ज्यो ज्यो डिमाड बढेगी, हम इसकी कैपसिटी भी बढा देगे।

श्री सतपाल सांगवानः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने जो सांगवान के बारे मे जिकर किया है, मै उनको बताना चाहता हू कि वहा पर कुल 6 एस0वी0ए0 के ट्रास्फार्मर्ज है। आपके हल्के और मेरे हल्के के गांव इकट्ठे सांजरवास मे आते है। अब मुझे पता नही कि मंत्री जी ने लोड कैसे कांउट किया है? मै तो उस सब स्टे ान पर खुद भी एक दिन भााम को गया था। मालूम नही कि जो मंत्री जी कैपेसिटी कैसे गिनते है? लेकिन मै आपके माध्यम से इन को बताना चाहूंगा कि वहा पर इतना लोड है, आपने भी देखा होगा कि कभी कभी और खासकर भााम को 6.00 बजे से 9.00 बजे तक और सुबह के समय मे बिजली का इतना ज्यादा लोड होता है कि बार बाद ट्रिपिंग होती है। इसलिए मेरा आपके माध्यम से मंत्री से अनुरोध है कि वहा पर लोड का दुबारा सर्वेक्षण

करवाए। मेरे ख्याल मे यह जो सुचना मंत्री जी ने सदन मे दी है, ठीक नही लगती है।

श्री अत्तर सिंहः अध्यक्ष महोदय, अगर इनको सूचना ठीक नही लगती है तो हम दुबारा से लोड का सर्वेक्षण करा लेगे तथा यदि वहां पर डिमांड ज्यादा पाई है तो इस सब स्टे ान को और आगमैट कर देगे।

श्री अध्यक्षः मंत्री जी, जैसे सांगवान साहिब ने कहा है कि इस सब स्टे ान मे आधे से ज्यादा गांव तो उनके हल्के कहे है और इमलोटा से बौंद तक 16–17 गांव मेरे हल्के के भी है। इस सब स्टे ान पर कोई भी इडस्ट्री नह है। आप यह देख ले कि 1988 मे वहां के लोगो ने ट्यूबवैल कनैक ांज के लिए 37 प्रार्थना पत्र दिए थे लेकिन आज तक वहां पर ट्यूबवैल का एक भी कनैक ांच नही दिया गया है। हमारे एरिया मे 1995 मे उस समय जो बाढ आई थी या किसी तरह से लाई गई थी, उस समय उस एरिया मे वांटर लैवल इतना अधिक बढ गया था कि नहरो के साथ वाटर लांगिंग की समस्या खडी हो गई थी। इसका एक ही तरीका हो सकता है कि वहां पर ट्यूबवैल लगाए जाएं ताकि पानी दूर जाए और जल स्तर नीचे चला जाए। इसलिए मेरा आपसे अनुरोध है तथा मेरा हल्का होने के नाते भी आप यह देख ले कि जब वहां पर लोड कम था, तो ट्यूबवैल कनैक ांज अब तक क्यो नही दिए गए है? (विघ्न) मै रिक्वैस्ट ही कर देता हू। अगर उनके पास लोड पूरा था तो 37 के 37 कनैक ांज वहा पर दे दिए जाने

चाहिए थे। आज तो स्थिति यह है कि वहां पर 1–2 नही बल्कि हजारो लोग ट्यूबवैल लगाने के लिए तैयार बैठे है ताकि वे अपने खेतो से पानी बाहर निकाल सके और नहरो के साथ जो वांटर लांगिग हो गई है, वह दूर हो सके। इसलिए इस बात को मद्देनजर रखते हुए क्या आप यह सर्वेक्षण दुबारा करवाएगे? अगर उनके पास लोड पूरा है तो अब तक उनको ट्यूबवैल कनैक ांज क्यो नही दिए गए है और कितने कनैक ांज आप अब दे सकते है?

श्री अत्तर सिंहः अध्यक्ष महोदय, चाहे ट्यूबवैल कनैक ान हो, डोमैस्टिक कनैक ान हो या इंडस्ट्रीज का कनैक ान हो, इन के लिए बाकायदा एक सीनियरटी लिस्ट बनाई हुई है, जिसके अनुसार कनैक ान दिए जाते है। जहा तक अध्यक्ष महोदय, आपके सवाल का संबध है, हमारे पास 100 प्रार्थना पत्र आए थे, जिन मे से 37 की सिक्योरिटी जमा हुई थी तथा डिमाड नोटिस भी इ ू हुए थे। सीनियटरी लिस्ट के अनुसार जैसे ही उनका नम्बर आएगा, उनको कनैक ान दे दिए जाएगे। जंहा तक सर्वेक्षण दुबारा करवाने की बात है, आप कहते है तो वे हम फिर से करवा दैगे तथा अगर लोड बढाने की गुंजाई ान होगी तो उसको भी बढा देगे।

श्री अध्यक्षः मंत्री जी, 10 साल मे कम से कम एक व्यक्ति को तो ट्यूबवैल का कनैक ान मिल जाना चाहिए था।

श्री अतर सिहः अध्यक्ष महोदय, हमने कनैक ान दिए भी है।

श्री सतपाल सांगवानः अध्यक्ष महोदय, दूसरे इन्होने पुरानी दादरी के सब स्टे ान के बारे मे बतायां। मै बताना चाहता हू कि वहां पर जो बिजली की डिमांड है, उससे ज्यादा इस सब स्टे ान की इंस्टाल्ड कैपेसिटी है। अध्यंक्ष महोदय, पुरानी दादरी मे समसतपुर और ढाणी फोखाट दो फीडर है तथा एक बधवाना डिस्ट्रीब्यूटरी का पम्प हाउस है। जब यह पम्प हाउस चलाया जाता है तो उस समय बिजली की ओवर लोडिंग हो जाती है और यह ओवर लोडिग कम बिजली की वजह से होती है क्योकि पुरानी दादरी के सब स्टे ान की कैपसिटी कम है। अध्यक्ष महोदय, मै जब भी भााम को गांव मे जाता हू तो पाता हू कि वहा पर बिजली ही नही होती है। हमारे यहा पूरे 24 घंटो मे से 6 घंटे बिजली ठीक तरह से नही आती, जिससे लोगो को बडी परे ाानी होती है।

श्री अतर सिंहः अध्यक्ष महोदय, पुरानी दादरी के सब स्टे ान की इस्टाल्ड कैपेसिटी 24 एम0वी0ए0 की है और वहा पर बिजली का लोड 16 एम0वी0ए0 है। इस तरह से इसकी कैपेसिटी 8 एम0वी0ए0 ज्यादा है। फिर भी अगर इस सब स्टे ान की कैपेसिटी और बढाने की आव यकता होगी तो हम बढा देगे।

श्री सतपाल सांगवानः अध्यक्ष महोदय, मै मंत्री महोदय को अपने इनवाईट करता हू, ये खुद भााम को 6.00 बजे आकर देखे तब इन्हे मालूम होगा कि असलियत क्या है? हो सकता है कि इनका महकमा हमे गलत इनफार्मे ान देता हो क्या इस महकमे के बारे मे थोडा बहुत मै भी जानता हू। मैने खुद सांजरवास पावर हाउस पर जाकर देखा है कि वहां पर ओवर लोडिंग हो जाती है, लेकिन यह मालूम नही कि कैसे होती है?

श्री अत्तर सिंह सैनीः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मेरे साथी सांगवान साहब को आ वासन देता हू कि मै इनके पुरानी दादरी जाकर निरीक्षण कर लूंगा। जहां तक मोरवाला मे 33 के0वी0 के नये सब स्टे ान का काम पूरा होने का इनका सवाल है उस बारे मे मै माननीय साथी को बताना चाहूता हू कि इस सब स्टे ान फाउंडे ान स्ओन रखा जा चुका है। जिस समय यह फाउडे ान स्टोन रखा गया था उस समय सांगवान साहब भी मौके पर उपस्थित थे। जब मैने मौके पर जाकर इस सब स्टे ान को देखा, उस समय भी सांगवान साहब मेरे साथ थे। मै सांगवान साहब को आ वासन देता हू कि यह सब स्टे ान सितम्बर, 1999 तक बनकर तैयार हो जायेगा।

श्री अध्यक्षः मंत्री महोदय, क्या आप सांजरवास सब स्टे ान की कैपेसिटी दोबारा चैक करवायेगे और अगर उसकी कैपेसिटी बढाने की आव यकता हुई तो क्या आप उसको बढाने का आ वासन देगे ?

श्री अतर सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै आपको आ वासन देता हू कि सांजरवास सब स्टे ान की कैपेसिटी दोबारा चैक करवायेगे तथा डिमांड व जस्टिफिके ान के आधार पर उसकी कैपेसिटी बढा देगे। (विघ्न)

श्री सतपाल सांगवानः अध्यक्ष महोदय, बिजली मंत्री महोदय ने मेरे एक सवाल का तो जवाब दिया ही नही। मैने मंत्री महोदय से अटेला खुार्द सब स्टे ान के बारे मे पूछा था। अध्यक्ष महोदय, इस सब स्टे ान से मेरी कस्टीच्यूएंसी व बाढडा कांस्टीच्यूएंसी के गावों को बिजली मिलती है। इसके अतिरिक्त चार पम्प हाऊसिज को भी बिजली यही से जाती है। मेरे कहने का मतलब है कि जब ये पम्म हाउस चलते है तो वहा बहुत ज्यादा बिजली का लोड हो जाता है तथा दूसरी जगह बिजली नही रहती है। जब इस बारे मे महकमे के अधिकारियों से पूछते है तो वे कहते है कि अटेला खुई सब स्टे ान की कुल इतने यूनिट्स बिजली है जिसमे से ज्यादातर यूनिटस पम्प हाउसजि को चली जाती है। परिणामस्वरूप मेरे एरिया मे ट्रिपिंग की भारी समस्या है। क्या मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेगे कि अटेली खुर्द सब स्टे ान की कैपेसिटी बढाने हेतू इससे ज्यादा जस्टिफिके ान वे किस मानते है? अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी अभी बता रहे थे कि मारेवाला मे सब स्टे ान बनाने हेतू काम भाुरू कर दिया है, इसके लिये मै मुख्यमंत्री जी का बहुत ही धन्यवादी हू क्योकि लोगो की यह एक लम्बे अर्से से मांग थी। इसके अलावा मैने जो प्र ान

मोरवाला सब स्टे ान के बारे मे हाउस मे रखा है, मंत्री जी ने इसका जो जवाब दिया है, उसमे भी कुछ गडबड है, क्योकि प्रदे ा की जनता से इस सरकार का वायदा है कि जून, 1999 तक प्रदे ा के अन्दर बिजली की समस्या दूर हो जायेगी अर्थात 24 घण्टे बिजली मिलेगी। दूसरी और मत्री जी कह रहे है कि मैने जो समस्या रखी है, उसका समाधान सितम्बर, 1999 तक हो जायेगा। इसलिये इससे अच्छा तो यही होगा कि मै अपना सवाल ही वापिस ले लू क्योकि मत्री जी सरकार के जून के वायदे के और दो महीने बाद का समय बता रहे है। इसलिए मै मंत्री जी से चाहूगा कि वे जनता के सामने किये गये वायदे के मुताबिक ही अपना जवाब दे।

श्री अतर सिंहः अध्यक्ष महोदय, यदि ई वर ने चाहा तो श्री सांगवान जी के हल्के की बिजली की समस्या सितम्बर, 1999 से पहले की कर देगे। लेकिन अध्यक्ष महोदय, श्री सागवांन जी ने जो अटल कंला या खुर्द का जिकर किया है, मै स्पश्ट कर देना चाहता हू कि अटेला कंला या खुर्द नाम हमारे पास कोई सब स्टे ान नही है। हां, श्रीमानी जी सब स्टे ान जरूर है।

श्री अध्यक्षः श्री अतर सिंह सैनी जी, आप अटेला सब स्टे ान के बारे मे ही बता दे।

श्री अतर सिह सैनीः अध्यक्ष महोदय, अटेला सब स्टे ान की टोटल इस्टाइलड कैपेसिटी तीन ट्रासफार्मर्ज की है,

इसमे पहले दो ट्रांसफार्मर्ज 12.5 एम0वी0ए0 और 16 एम0वी0ए0 के थे। अब एक और 16 एम0वी0बी0 का ट्रासफार्मर वहा पर लगाया गया है। इस तरह से अब इस सब स्टे ान की कैपेसिटी 44.5 एम0वी0आई0 की हो गई है जबकि वहां पर मैक्सिमम लोड 33.6 एम0वी0ए0 का है।

Since the capacity is available, there is no proposal for augmentation of 132 K.V.A sub-station in Atela Kalan.

श्री सतपाल सांगवानः अध्यक्ष महोदय, हमारी समझ मे मंत्री जी की यह बात नही आती है कि जब 44.5 एम0वी0ए0 की कैपेसिटी का यह सब स्टे ान है तथा इस पर लोड केवल 33.6 एम0वी0ए0 का है,फिर वहा पर ट्रिपिंग क्यो होती है? यह ट्रिपिंग की प्रोब्लम तो हर सब स्टे ान पर आ जाती है।

श्री अध्यक्षः श्री अतर सिंह जी, आप श्री सांगवान जी की अपने जवाब से पूरी संतुश्टि कीजिए।

श्री अतर सिंहः सर, मै यही कोि ा ा कर रहा हू कि इनकी संतुश्टि हो जाये।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से ट्रिपिंग के बारे मे एक बात बताना चाहूंगा ऐसा होता है कि चाहे हमारे पास कितनी ही फालतू बिजली क्यों न हो लेकिन जब हमारे पूरे नांर्दन ग्रिड मे उतर प्रदे ा, दिल्ली, राजस्थान, पजांब या हिमाचल स्टेट मे कोई भी पावर पालतू ड्रा कर लेगा तो फ्रीक्युएंसी

48.2 से नीचे चली जायेगी और फ्रीक्यूंएसी 48.2 से नीचे जाते ही फोरन बिजली की ट्रिपिंग होगी। यह ट्रिपिंग तो तब समाप्त हो सकती है जब ये सारी स्टेट्स यह तय कर ले कि कोई भी स्टेट फालतू बिजली ड्रा नही करेगा। इसके सिवाय इस ट्रिपिंग कंट्रोल का अन्य कोई चारा नही है।

श्री जगदी ा नायरः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री जी को बताना चाहूगा कि माननीय मुख्यमंत्री जी जब मेरे हसनपुर मे 17 जनवरी, 1998 को गये थे तो हमने उनसे हसनपुर मे 66 के0वी0ए0 का सब स्टे ान लगाने की प्रार्थना की थी। उन्होने वहां घोशणा भी की थी कि हसनपुर मे 66 के0वी0ए0 का सब स्टे ान लगाया जायेगा। लेकिन आज तक उस सब स्टे ान का काम चालू नही किया गया। इसलिये मै मंत्री जी से यह जानना चाहता हू कि मेरे हल्के का यह प्रोजैक्ट पीछे डाल दिया गया है? इसके साथ साथ मै माननीय मुख्यमंत्री जी का भी धन्यवाद करता हू कि उन्होने मेरी इस मांग को स्वीकार किया है।

श्री अतर सिंहः अध्यक्ष महोदय, हसनपुर का केस हम चैक कर लेगे। अगर माननीय मुख्यमंत्री जी ने ऐसी घोशणा की है तो उसे जरूर टेक अप किया जायेगा।

श्री बिजेन्द्र सिह कादयानः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी को बताना चाहूगा कि 6 अप्रैल, 1997 को हमने इसरान हल्के मे चौधरी बंसी लाल जी की एक जनसभा

कराई थी। उस जनसभा मे लोगो की तरफ से इसराना के 33 के0वी0ए0 सब स्टे ान को अपग्रेड करने की डिमांड की गई थी जिसे मुख्यमंत्री जी ने मान लिया था। क्या मंत्री महोदय कृपया बतायेगे कि उस सब स्टे ान को अपग्रेड करने का काम भुरू हो जायेगा?

श्री अध्यक्षः कादयान साहब, क्या आपने मंत्री जी से खुद भी इस सबंध मे बात की थी?

श्री बिजेन्द्र सिह कादयानः अध्यक्ष महोदय, इस सबंध मे, मै खुद मंत्री जी से मिला था और मैने बिजली बोर्ड के चेयरमैन से भी बात की थी लेकिन इस समय क्या पोजि ान है, इसका मुझे ज्ञान नही है।

श्री अध्यक्षः मंत्री जी, आप अपने जवाब से इनकी तसल्ली कीजिए।

श्री अतर सिहः अध्यक्ष महोदय, मै माननीय साथी से पूछना चाहता हू कि इस सब स्टे ान को अपग्रेड करके कितने के0वी0ए0 का बनाना था।

श्री बिजेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, इसे 33 के0वी0ए0 से अपग्रेड करके 132 के0वी0ए0 का करना था।

श्री अतर सिंह सैनीः अध्यक्ष महोदय, मै इसे चैक करवा लूंगा।

श्री बिजेन्द्र सिंह कादयानः स्पीकर साहब, मंत्री जी इसरान सब स्टे ान के बारे मे बाद मे मुझे बता देगे। स्पीकर साहब, मै बातना चाहता हू कि हमारी सरकार के 1996 मे बनने से पहले वाली सरकार के टाईम मे ट्यूबवैल के बिजली के कनैक ांज के लिए किसी किसान से 8 हजार रूपए और किसी किसान से 10 हजार रूपए जमा करवाए गए थे ताकि उन किसानो को बिजली के कनैक ान के लिए प्रायर्टी दी जाए। मै मंत्री जी से जानना चाहूगा कि जिन किसानो ने पैसा जमा करवाया था, उनमे से कितने किसानो को ट्यूबवैल के बिजली के कनैक ान दिए गए और कितने किसानो को नही दिए गए जिनको नही दिए गए उनको कब तक दे दिए जाएंगे?

श्री अतर सिंह सैनीः स्पीकर साहब, इसके लिए सैपरेट नोटिस चाहिए।

श्री कैला ा चन्द्र भार्माः स्पीकर साहब, नांगल चौधरी सब स्टे ान 16 एम0वी0ए0 का है जबकि उसकी कैपेसिटी 32 एम0वी0ए0 की है। उस सब स्टे ान से बिजली की तीन लाइने फटती है। आने वाले समय मे 24 घंटे बिजली दी जाएगी। यदि उन लाईनो को 8–8 घंटे चलाया गया तो 24 घंटे मे एक लाईन का 8 घंटे के बाद ही नम्बर आएगा। उस 16 एम0वी0ए0 के सब स्टे ान को 32 एम0वी0ए0 का बनाने के लिए एस्टिमैट भी भेजा हुआ है। मै आपके माध्यम से मंत्री जी जानना चाहूंगा कि उस 16

एम0वी0ए0 के सब स्टे ान को 32 एम0वी0ए0 का कब तक कर दिया जाएगा ?

श्री अतर सिंह सैनीः स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि हम 220 के0वी0ए0 के 4 नए सब स्टे ान बनाएगे जिनके नाम है यमुनानगर, तेपला, चीका और महेन्द्रगढ और 220 के0वी0ए0 के जो सब स्टे ान आगमैंट करेगे वे है पेहवा, सोनीपत, रोहतक, निसिंग और पंचकूला। जो 132 के0वी0 सब स्टे ान हम बनाएगे उनके नाम है– कुण्डली, चाकुलदाना, पाडला, कंगथली, मुरथल, हरसाना कंला, जलमाना, तो ाम, इंडस्ट्रीयल एरिया भिवानी, लोहारू। माननीय सदस्य बिजेन्द्र सिंह कादियान ने इसराना के बारे मे पूछा था, इस इसराना भी इनमे भी भामिल है नेवला, साम्पला, एम0डी0यू0 रोहतक, सतनाली और मंडिया खेडा। इस तरह सेजो 132 के0वी0 के 3 सब स्टे ान आगमैंट करेगे वे है सांगा, इस्माइलाबाद और उकलाना। इसी तरह से 66 के0वी0 के 8 नए सब स्टे ान स्थापित करेगे वे है कालका, मन्सा देवी, सैक्टन 9 गुडगांव, सैक्टर 56 गुडगांव, सैक्टर 45 गुडगांव, मोहरा, चेंसा और डंगाली। इसी तरह से 33 के0वी0 के 35 नए सब स्टे ान स्थापित करेगे और 33 के0वी0 के 37 सब स्टे ान आगमैंट करेगे, उनके नाम इस प्रकार है।

33 K.V Sub Stations-35

1.	G.T Road, Panipat
2.	Assandh Road, Panipat
3.	Diwan (Panipat)
4.	Kutani Road, Panipat
5.	Nigdhu (Karnal)
6.	Bapoli (Panipat)
7.	Butana (Sonipat)
8.	Khewra (Sonipat)
9.	Khanpur Kalan (Sonipat)
10.	Barda (Sonipat)
11.	Surya Roshni (Rohtak)
12.	Bhana (Jind)
13.	Kheri Sherkhan (Jind)
14.	Dalamwala (Jind)
15.	Barwala Road, Hansi
16.	HUDA Complex Hisar
17.	Umra (Hisar)
18.	Gagan Kheri/Sisai
19.	Daryapur (Fatehbad)

20.	Odhan (Sirsa)
21.	Rasulpur Ther (Sirsa)
22.	Railway Station (Bhiwani)
23.	Patuaudi (Bhiwani)
24.	Zerpur (Mohindergarh)
25.	Bawania (Mohindergarh)
26.	Dublana (Mohindergarh)
27.	Khushpura (Mohindergarh)
28.	Jakholi (Kaithal)
29.	Sainsa (Kurukshetra)
30.	Nassi (K'shetra)
31.	Jhasna (K'shetra)
32.	Teak (Kurukshetra)
33.	Keorak (Kurukshetra)
34.	Gumthala (K'shetra)
35.	Mini Sectt. Kaithal

33 K.V Sub Augmentation-37

1.	Ballah (Karnal)
2.	Gheer (Karnal)

3.	Kutail (Karnal)
4.	Meerut Road (Karnal)
5.	Dacher (Karnal)
6.	Sanauli RD. Panipat
7.	Tajpur (Sonipat)
8.	Begga (Sonipat)
9.	MIE, Bahadurgarh
10.	Jhajjar
11.	Agroha (Fatehabad)
12.	Vidyut Nagar (Hisar
13.	Siswal (Hisar)
14.	Uchana (Jind)
15.	Safidon Old (Jind)
16.	Ding (Fatehabad)
17.	Isherwal (Bhiwani)
18.	Sanjarwas (Bhiwani)
19.	RD-0 (Bhiwani)
20.	Nakipur (Bhiwani)
21.	Chhainsa (Faridabad)

22.	Bhojawas (M'garh)
23.	Bodhni (K'shetra)
24.	Habri (Kaithal)
25.	Kirmich (K'shetra)
26.	K.u Kurukshetra
27.	Barna (K'shetra)
28.	Lukhi (K'shetra)
29.	Sewan Gate (Kaithal)
30.	Kheri Gulam Ali
31.	Pharal (Kaithal)
32.	Ishak (K'shetra)
33.	Nautch
34	Daba (Kaithal)
35.	Mastagarh (Kaithal)
36.	Taraori (Karnal)
37.	Ramba (Karnal)

Admission to MBBS/BDS Courses

856. Shri Anil Vij: Will the Chief Minister of State Medical Education be pleased to state whether Dayanand University has given admission to the students belonging to

other State who passed their 10+2, 10+1 and 10th classs examitnation from Chandigarh, in MBBS/BDS courses during the year 1998-99; if so, the number thereof.

चिकित्सा ि ाक्षा राज्य मंत्री (श्री विनोद कुमार मडिया): जी हां, महर्शि दयानन्द वि ववविधालय द्वारा वर्श 1998–99 के दौरान एम0बी0बी0एस0/बी0डी0एस0 पाठ्यक्रमो मे 26 विधार्थियो को, जो संघीय क्षेत्र/अन्य राज्यो से सम्बन्ध रखते है, दाखिला दिया गया, क्योकि वे दाखिले के लिए निर्धारित योग्यता की भार्ते पूर्ण करते थे।

श्री अनिल विज: अध्यक्ष महोदय, पजांब और चण्डीगढ, के मैडीकल कांलेजिज मे कैडीडेट्स के एडमि ान के नियम इस प्रकार के है कि पजांब या चंडीगढ के मैडीकल कालेजिज मे हरियाणा के किसी भी विधार्थी को एडमि ान नही मिलता है। उन्होने अपने नियमो मे यह मैसन्न किया है–

"For admission to MBBS/BDS courses in Punjab Colleges conducted by the Punjabi University, Patiala, it is clearly indicated that the test shall be open to the candidates who are residents of Punjab State Only."

इसी प्रकार से चण्डीगढ के कालेज के लिये भी उन्होने कहा है कि इसमे केवल उन्ही बच्चो को एडमि ान दिया जायेगा जो चण्डीगढ के कालेजिज के रैगुलर स्टूडैटस है। लेकिन जो हरियाणा का एम0डी0यू0 का मैडीकल कालेज है, उसमे चण्डीगढ के पढने वाले बच्चे चाहे वे किसी भी स्टेट के हो उनको

एडमि ान दिया जाता है, जिससे हरियाणा के स्टुडैटस के साथ बहुत नाईन्साफी होती है। मै आपके माध्यम से मंत्री महोदय से केवल एक सप्लीमैटरी पूछना चाहता हू कि क्या वे इस प्रकार की नियमो मे कोई तरमीम करने पर विचार कर रहे है जिससे यहा तो चण्डीगढ और पजांब के कालेजिज मे भी हरियाणा के विधार्थियो को उनके भोयर की सीट्स मिले अथवा फिर हरियाणा के एम0डी0यू0 मैडीकल कालेज मे केवल हरियाणा के डोमिसाइल को ही एडमि ान दिया जाये।

श्री विनोद कुमार मडिया: अध्यक्ष महोदय, इस सम्बन्ध मे मुख्यमंत्री जी द्वारा गृह मंत्री श्री मनीराम गोदारा जी की अध्यक्षता मे एक कमेटी बनायी हुई है जो कंसीडर कर रही है कि चण्डीगढ के कालेजिज मे हरियाणा के जो बच्चे होगे उन्ही को एम0डी0यू0 मैडीकल कालेज, रोहतक मे लिया जाए तथा जिन बच्चो का हरियायाा से कोई सबधं नही है, उनको अगले साल इस कालेज मे एडमि ान नही दिया जाए। लेकिन अभी तक हमने यह फेसला नही किया है। अभी हम कंसीडर कर रहे है और हमे उम्मीद है कि ऐसा ही फेसला होगा।

श्री नरेन्द्र भार्मा: अध्यक्ष महोदय, जिस प्रकार से अनिल विज जी ने एम0डी0यू0 मे एम0बी0बी0एस0/बी0डी0एस0 कोर्सिज के एडमि ान के बारे मे पूछा है उसी प्रकार से मै भी आपके माध्यम से पूछना चाहता हू कि जिस प्रकार से हिमाचल प्रदे ा, दिल्ली, चण्डीगढ व कई अन्य स्टेटस के अन्दर एम0बी0बी0एस0

कोर्स मे दूसरी स्टेटस के बच्चे एडमि ान नही ले सकते है क्या उसी प्रकार से हम भी अपने राज्य मे करने जा रहे है। आखिर हमारे हरियाणा के अन्दर ही इण्डिया के सारे बच्चे क्यो एडमि ान ले? इसी प्रकार से एम0बी0बी0एस0 के बाद एम0डी0 की डिग्री होती है जिसमे हिमाचल प्रदे ा मे पी0जी0आई0 के अन्दर या दिल्ली आदि प्रदे ाो के अन्दर केवल उन्ही स्टेटस के बच्चो को ही एडमि ान मिलता है जबकि हरियाणा मे सारे भारतवर्श के बच्चो के लिए एडमि ान खोल रखा है। मै जानना चाहता हू कि क्या ऐसी कोई पालिसी है या बनाने जा रहे है जिसके तहत एम0डी0 डिग्री कोर्स मे हरियाणा के अन्दर केवल हरियाणा के अच्चो का एडमि ान दिया जाये?

श्री विनोद कुमार मडिया: इस बारे मे गोदारा साहब की अध्यक्षता मे जो कमेटी बनायी हुई है, उसमे एम0डी0 डिग्री कोर्स बाला प्वायंट भी रखा हुआ है कि इसमे हरियायाा के बच्चो को ज्यादा सीटे दी जाये। (विघ्न) सारी सीट तो नही हो सकती हैं कुछ नियम व कायदे कानून होते है जिनके हिसाब से काम करना पडता है।

श्री नरेन्द्र भार्मा: अध्यक्ष महोदय, पजांब, दिल्ली और हिमाचल प्रदे ा के अन्दर जो कानून लागू है वही कानून मे भी लागू होगा। हरियाणा के लिये कोई अलग से तो कानून है नही। जब हरियाणा का बच्चा दिल्ली, हिमाचल प्रदे ा, पजांब व

चण्डीगढ के अन्दर एडमि ान नही ले सकता तो फिर बाहर का बच्चा हरियाणा मे एडमि ान क्यो ले?

ताराकित प्र ान संख्या 906

(माननीय सदस्य, श्री नफे सिंह राठी इस समय सदन मे उपस्थित नही थे, इसलिये यह प्र ान पूछा नही गया।)

ताराकित प्र ान संख्या 933

(माननीय सदस्य, श्री रमे ा कुमार इस समय सदन मे उपस्थित नही थे, इसलिये यह प्र ान पूछा नही गया।)

ताराकित प्र ान संख्या 913

(माननीय सदस्य, श्री बलवंत सिह इस समय सदन मे उपस्थित नही थे, इसलिये यह प्र ान पूछा नही गया।)

ताराकित प्र ान संख्या 919

(माननीय सदस्य, श्रीमती करतार देवी इस समय सदन मे उपस्थित नही थे, इसलिये यह प्र ान पूछा नही गया।)

ताराकित प्र ान संख्या 899

(माननीय सदस्य, श्री बलबीर सिंह इस समय सदन मे उपस्थित नही थे, इसलिये यह प्र ान पूछा नही गया।)

ताराकित प्र ान संख्या 892

(माननीय सदस्य, श्री धीरपाल सिंह इस समय सदन मे उपस्थित नही थे, इसलिये यह प्र ान पूछा नही गया।)

ताराकित प्र ान संख्या 948

(माननीय सदस्य, श्री नरेन्द्र सिंह इस समय सदन मे उपस्थित नही थे, इसलिये यह प्र ान पूछा नही गया।)

ताराकित प्र ान संख्या 938

(माननीय सदस्य, श्री रामफल कुंडु इस समय सदन मे उपस्थित नही थे, इसलिये यह प्र ान पूछा नही गया।)

ताराकित प्र ान संख्या 889

(माननीय सदस्य, श्री नरेन्द्र सिंह इस समय सदन मे उपस्थित नही थे, इसलिये यह प्र ान पूछा नही गया।)

Connection of Sewerage system

865. Shri kailash Chander Sharma: Will the Chief Minister for Public Health be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to connect the sewerage of Shiv Colony, Mshrawara, Moti Nagar, Jamaplur and Nahar Colony with the dirty Nallah, Mahavir Chowk, of Narnual City?

जन स्वास्थ्यय मंत्री श्री जनगनाथः मोहल्ला मिश्रवाडा और जमालपुर पहले ही भाहर की मुख्य सीवरेज प्रणाली के साथ जोडे जा चुके है। ि ाव कालोनी मे सीवरेज प्रणाली बिछाने का

कार्य प्रगति पर है। इस समय मोती नगर और नहर कालोनी मे सीवरेज प्रणाली बिछाने के लिए कोई प्रस्ताव नही है।

श्री कैला ा चन्द्रः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री जी को बताना चाहूंगा कि ि ाव कालोनी से महावीर चौक तक सीवर डल चुका है लेकिन उसें महावीर चौक से गन्दे नाला तक बडी लाईन से जोडा नही गया है। ि ाव कालोनी मे डाले गए सीवरेज का तब तक कोई लाभ नही होगा जब तक इसे मेन लाईन मे नही जोडा जायेगा। अत महाबीर चौक के गन्दे से मेन सीवर लाईन को तुरन्त जोडा जाये। साथ ही मंत्री जी के ध्यान मे यह बात लाना चाहूंगा कि इसके लिए पिछले साल टैण्डर आमत्रित किये गए थे लेकिन किसी वजह से वे रद्द कर दिए गए थे। अतः मेरा सरकार से अनुरोध है कि इस काम को तुरन्त करवाया जाये।

श्री जगन नाथः अध्यक्ष महोदय, मै माननीय साथी को बताना चाहूगा कि वह 200 या 500 गज के टुकडे मे सीवरेज का जो काम अधूरा पडा हुआ है, इसको अगले 3 मास मे पूरा करवा दिया जायेगा।

श्री अध्यक्षः अब प्र ानकाल समाप्त होता है।

वर्श 1999–2000 के बजट पर सामान्य चर्चा

15.00 बजे।

Mr. Speaker: Hon'ble Members, now the discussion on Budget for the year 1999-2000 will take place. Shri Sat Narain Lathar.

आवास राज्य मंत्री (श्री सत नारायण लाठर): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया इसके लिए मै आपका धन्यवाद करता हू। हमारे माननीय वित मंत्री जी ने जो कर मुक्त बजट पे ा किया है इससे सरकार की यह भावना झलकती है कि यह सरकार अपने प्रदे ा के प्रति और लोगो के प्रति कितनी जागरूक है तथा हमारी सरकार की नीयत कितनी साफ है। कोई भी कर हमारी सरकार ने नही लगाया। सारे दे ा की निगाहे हरियाणा प्रदे ा के बजट पर लगी हुई थी कि हरियाणा सरकार कैसा बजट पे ा करती है? इसके लिए मै वित मंत्री जही का आभारी हू कि उन्होने इतना अच्छा बजट पे ा किया है। अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार हरियाणा प्रदे ा की जनता की भलाई के लिए जो कार्य कर रही है, पूरे प्रदे ा मे उसकी सराहना हो रही है। अध्यक्ष महोदय, आज आम आदमी मानने लगा है कि चौधरी बंसी लाल जी की सरकार 30 जून तक चौबीसो घण्टे तक प्रदे ा मे बिजली की सप्लाई करने लग जाएगी। अध्यक्ष महोदय, हमारे सामने बैठे हमारे विपक्ष के भाईयो को यह बात हजम नही हो रही है। जैसे कि माननीय मुंख्यमंत्री महोदय ने अपने जवाब मे बताया है कि प्रदे ा मे जब पूरी बिजली मिलने लग जाएगी, सडके सही हो जायेगी, पीने का पानी व सिचाई का पानी पूरा मिलने लगेगा, बाढ की रोकथाम हो जाएगी तो विपक्ष के पास कोई मुद्दा ही

नही रह जाएगा। अध्यक्ष महोदय, 1968 मे जो हरियाणा सरकार बनी थी उस समय हमारे वर्तमान मुख्यमंत्री चौधरी बंसी लाल जी ही पहली बार मुख्यमंत्री बने थे। उससे पहले हरियाणा के प्रदे ाो के लोग यह कहते थे कि राज्य अस्तित्व मे तो आ गया लेकिन यह अपने कर्मचारियो को तन्खवाहे कहां से देगा? अध्यक्ष महोदय, हमारे नेता ने, उस समय के मुख्यमंत्री ने पहली बार हरियाणा के हर गांव मे बिजली दी थी। उस समय 863 मैगावाट बिजली के प्रोजैक्ट लगाए गए थे और उसी सकल्प को दोहराते हुए अब 1279 मैगावाट के नये प्रोजैक्ट लगाने जा रहे है। मुजेहडी (फरीदाबाद) की पहली ईकाई अभी चालू होने जा रही है और दूसरी यूनिट भी जून तक चालू हो जाएगी तो हम पूरे प्रदे ा मे चौबीसो घण्टे बिजली की सप्लाई देने लगेगे। अध्यक्ष महोदय, चौधरी ओमप्रका चौटाला और कांग्रेस के हमारे साथियो को यह बात हज्म नही हो रही है। हमारे नेता जब मुख्यमंत्री बने थे तो गांव गांव मे सडक पहुचाई गई थी लेकिन इन लोगो की सरकार के समय मे सडको की कभी कोई मुरम्मत नही हुई थी और कभी किसी सडक पर कोई टोका टाकी नही लगी थी। आज चौधरी बंसी लाल जी मुख्यमंत्री बने है तो सडको की मरुम्मत और विकास के कार्यो मे गति बढी है। सडको की रिपेयर का काम दिसम्बर तक ठीक ठाक चल रहा था लेकिन पिछले दिनो मौसम खराब होने और धून्ध के कारण कुछ समय से काम बन्द पडा है। 15–20 फरवरी तक यह काम फिर से चालू हो जाएगा। हमारे नेता चौधरी बसी लाल जी ने ही गांव गांव मे पीनी का पानी पहुचाया

था। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रदे ा दे ा मे पहला ऐसा राज्य था जिसमे पीने का पानी हर गांव मे उपलब्ध करवाया गया था। चौधरी बंसी लाल जी के पुन सता मे आने के बाद सें नये नये वाटर वर्क्स बनने भाुरू हुए है और पीने के पानी की मात्रा बढाई जा रही है ताकि हर व्यक्ति को पीने के लिए पानी मे किसी प्रकार की कोई दिक्कत न हो। अध्यक्ष महोदय, जंहा तक विकास कार्यो के करवाये जाने की बात है आज हरियाणा का आम आदमी जानता है कि हरियाणा प्रदे ा मे जब जब चौधरी बंसी लाल जी की सरकार आई है, हरियाणा मे विकास के कार्यो मे तेजी आई है। आम आदमी भी इस बात को मानता है कि जब चौधरी बंसी लाल जी की सरकार आती है तो विकास कार्य तेजी से होन लगते है। आज गांव गांव मे कही पक्की सडके बन रही है, कही पर स्कूल बन रहे है, कंही पर गावो मे गलिया पक्की हो रही है, कंही पर स्कूलो का अपग्रेडे ान हो रहा है, कहीं पर सार्वजनिक भाौचालयो का काम हो रहा है और कही पर सीवेरज बिछाए जा रहे है। अध्यक्ष महोदय, मेरे कहने का अर्थ है कि हमारी सरकार पूरे प्रदे ा मे विकास कार्य करने मे जुटी हुई हैं अध्यक्ष महोदय, कुछ लोग यह कहते है चौधरी देवी लाल जी ने बुढापा पै ान स्कीम बनाई थी। अध्यक्ष महोदय, उन्होने पै ान स्कीम तो बनाई थी लेकिन उसका कोई कानून नही बनाया था। आज हमारी सरकार आई है और हमने इसका कानून बनाया है अध्यक्ष महोदय, जिस तहर से सरकारी कर्मयारी, अधिकारी, कमि नर और मिनिस्टर को तनख्वाह मिलती है उसी तरह से आज वृद्धो को भी

बुढापा पै ांन हर महीने की 7 तारीख से पहले पहले मिलती है। पहले हर बुजुर्ग यह कहता था कि हम चौधरी देवी लाल को वोट देगे क्योकि उसने हर पै ांन दी है लेकिन आज आम बुजुर्ग यह कहता है कि चौधरी देवी लाल ने हमारे साथ धोखा किया है। अध्यक्ष महोदय, कल बंता राज जी यहां पर अनूसूचित जाति और जन जाति की बात कर रहे थे और जब मै बाहर से यंहा पर आकर बैठा तो वे कहने लगे कि यह भी आ गया लाठर। अब आप ही बताएं कि यह क्या बात हुई? अध्यक्ष महोदय, इनका तो बुला हाल हे। अब बी0जे0पी0 ने इनकी पार्टी के साथ समझौता कर लिया और दिल्ली मे व राजस्थान मे इनके सहायोग से चुनाव लडा। अगर बी0जे0पी0 इनके साथ समझौता नही करती तो वह अव य जीतती। अध्यक्ष महोदय, जंहा जहा पर इनकी पार्टी के पैर पडते है वहां वहा पर सब कुछ खराब हो जाता है। अब तो इनकी पार्टी का भाटर बंद होने मे सिर्फ 4 उगंली का फर्क ही रह गया है। वह भी जल्दी ही बंद हो जायेगा। ये यहां पर आकर बकवास करते है, बेमलबल की बात करते है। यह सब जानते है कि किस तरह की इज्जत ये आपकी चेयर को देते है। मै आपके माध्यम से बताना चांहूगा कि जब 1987 मे चुनाव हुये थे तो जनता ने चौधरी देवी लाल जी की पार्टी को 90 मे से 85 सीटो पर जिताया था। उस वक्त इन्होने अपना जो स्पीकर बनाया था, उनका नाम हरिमिन्द्र सिंह चट्ठा था। उस वक्त भी ये ठीक इसी ढंग से काम किया करते थे। ये उनके खिलाफ भी मो ान लाए थे फिर भी वे स्पीकर अपनी कुर्सी पर बने रहे थे, लेकिन चौटाला जी को 3 बार

मुख्यमंत्री की कुर्सी को छोडना पडा। अध्यक्ष महोदय, इनका जो व्यवहार है वह ठीक नही है। इनको सदन मे बोलना ही नही आता है, इनमे से कोई वकील है लेकिन चौटाला साहब उनको बाहर से कुछ पढा लिखा कर ले आते है और वे वही बाते अन्दर आकर बोलने लग जाते है। उन पर किसी का कंट्रोल नही है। श्री जगननाथ जी ने ठीक ही कहा था कि अगर हमारे नेता उंगली भी कर दे कि नही बोलना है तो हम बिल्कुल भी नही बोलते। लेकिन इनकी तो कोई जुबान ही नही है, न ही उपर पर कोई कंट्रोल है। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से सदन के सभी मैम्बर्ज की और प्रदे ा के लोगो को यह बताना चाहूंगा कि ''छाज तो बोल लेकिन छलनी क्या बोले''। अब ओमप्रका ा चौटाला कानून व्यवस्था की बात करते है। मै मानता हू कि भाराबंबदी के वक्त मे कुछ प्रोब्लम हुई थी। अध्यक्ष महोदय, हमारे प्रदे ा के साथ दिल्ली, पजांब और उतरप्रदे ा के बार्डर्ज लगते है जहा से अपराधी आते रहते है लेकिन हमारे सरकार एक एक गिरोह को तसल्ली से पकडने मे लगी हुई है। मैने पिछले सदन मे भी ओमप्रका ा चौटाला जी के बारे मे बताया था कि उन्होने मेहम मे अपनी ग्रीन ब्रिगेड से क्या क्या करवाया था? अध्यक्ष महोदय, 27 फरवरी, 1990 को ये चुनाव हुए थे और 28 फरवरी 1990 को खरक बैसी गांव के एक बूथ मे पुनर्मतदान था। ओमप्रका ा चौटाला जी ने अपने बेटे अभय चौटाला को बुलाया और वहां बूथो पर कब्जा करने के लिए भेजा। चौटाला साहब ने उसे यह भी कहा कि कब्जा करके अपनी पार्टी के वोट डाल देना क्योकि मैने 40 हजार वोटो से यह चुनाव

जीतना है। उस गांव मे बुजुर्ग व भाई बहिन लाईन मे लगे हुए थे और बहुत भाान्तिपूर्वक वोट डाल रहे थे। अभय चौटाला ने उनसे पूछा कि तुम यहां पर क्यो आए हो? उन्होने जवाब दिया कि आज वोट डालने है। हम अपने उम्मीदवार को वोट डालने के लिए आए है। अभय चौटाला ने कहा कि तुम घर जाओ और मै आपके वोट डाल दूंगा क्योकि तुम्हारे वोट ओमप्रका ा चौटाला को पडने है। वे पजांबी भाई भारीफ थे और वापिस अपने घरो को जाने लगे। जब वे वापिस जा रहे थे तो रास्ते मे उनको खरक बैसी गावो का हरि सिंह सरंपच मिल गया। उस ने उनसे पूछा कि कंहा से जा रहे हो? आज वोट डालने है, आप लोग अपने अपने वोट डालने जांए। इस पर गांव वालो ने बताया कि मुख्यमंत्री को बेटा आया है और उसने गोली चलाई है इसलिए हम वापिस जा रहे है। उन्होने यह भी बताया कि अभय चौटाला ने यह कहा है कि तुम्हारे वोट हम डालेगे।

इसके बाद हरि सिंह पोलिंग बूथ पर आ गया और उसके पीछे पीछे सारे गांव के लोग भी आ गए। हरि सिह ने कहा है कि हमारे को यहा पर वोट डालने से कौन रोकता है? हम तो अपना वोट डालेगे। अध्यक्ष महोदय, उन लोगो ने कहा कि वहां पर अभय सिह चौटाला के चमचो ने कहा है कि हरि सिंह को यहां पर मत आने दो। इस पर हरि सिह ने कहा कि वोट हमारे है, स्कूल हमारा है तो हम वोट क्यो नही डालेगे? तक चौटाला के चम्चो ने कहा कि अगर जान प्यारी है तो यहां से चल जाओ।

अगर तुम यहा से नही गए तो फिर यहां से ला ो जायेगी लेकिन उस हरि सिंह ने हठ पकडी ली। उसके बाद उन लोगो ने उसको गोली मार दी और हरि सिंह वही पर ढेर हो गया। उसके बाद जब ''मेहम चौबीसी'' के लोगो को पता लगा कि मुख्यमंत्री के बेटे ने सरंपच का कत्ल कर दिया है तो वहां के लोग हथियारो समेत वहा आ गए और स्कूल को घेर लिया। अध्यक्ष महोदय, फिर क्या था उसके बार सारी सरकार मे इनकी मिट्टी मिट्टी हो गई कि मुख्यमंत्री का बेटा लोगो की हिरासत मे है, पुलिस उसको बचाए हुए है तथा जनता कभी भी उसका कत्ल कर सकती है। उसके बाद जब इस वारदात का दे ा के उस समय के उप प्रधानमंत्री चौधरी देवी लाल को पता लगा जो दे ा के एक अति उच्च पद पर बैठें हुए थे तो उन्होने कहा कि चाहे सारे हरियाणा का कत्ल हो जाए लेकिन उनके पोते का कत्ल नही होना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, उस समय के मुख्यमंत्री श्री ओमप्रका ा चौटाला थे इन्होने भी उस समय यही कहा था कि चाहे सारी पुलिस भाहीद हो जाए लेकिन मेरे बेटे को कोई आंच नही आनी चाहिए। उस समय भिवानी के तत्कालीन एस0पी0 करतार सिह तोमर ने उनको कहा कि मै आपके बेटे को बचाकर लाऊगा। उसके बाद वह एस0पी0 बैसी गांव मे गया और उसने लोगो से पूछा कि यहां पर इतने सारे लोग क्यो एकत्रित हुए है? तब वहा के लोगो ने उससे कहा कि मुख्यमंत्री के बेटे ने हमारे सरंपच का कत्ल कर दिया है और वह स्कूल के अंदर है। वह एस0पी0 कहने लगा कि मै उनके बेटे को अंदर जाकर पकड कर लाता हू। अध्यक्ष महोदय, वह

स्कूल के अन्दर गया। अन्दर जाकर उसके अभय सिंह से कहा कि आपको बचाने की जिम्मेवारी मेरी है। वह पर अभय सिंह का जो गनमैन था उसो वह एस0पी0 कहने लगा कि तुम अपने कपडे यानी वर्दी उतारकर अभय सिह को दे दो। अध्यक्ष महोदय, उस सिपाही को एस0पी0 का आदे ा मानना पडा और अपनी वर्दी उतारकर अभय सिंह को दे दी। उसके बाद अभय सिंह उसकी वर्दी पहनकर एस0पी0 की कार मे आकर बैठ गया और अभय सिह के कपडे पहनकर जब वह सिपाही उस एस0पी0 के साथ बाहर आया तो वह एस0पी0 लोगो से कहने लगा कि इसने तुम्हारे सरंपच का कत्ल किया है। उसके बाद लोगो ने उस सिपाही के टुकडे टुकडे कर दिए। **(इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए),** उपाध्यक्ष महोदय, वह सिवाटी अपने मां बाप का इकलौता बेटा था। उसके बाद जब पुलिस को यह पता लगा कि उनके एक सिपाही भाई को धोखे से मरवा दिया गया हे तो सारी पुलिस बागी हो गयी तथा बागी पुलिस ने ओमप्रका ा चौटाला के कट्टर समर्थको के ऊपर लाठियां बरसानी भुरू कर दी। उपाध्यक्ष महोदय, उस समय वहां पर, तब के गृह मंत्री चौधरी सम्पत सिंह, जो आजकल फतेहाबद से विधायक है, भी मौजूद थे। इनको भी पुलिस ने वहां पर जूतियो से पीटा था। इसके अलावा उस समय के पंचायत मंत्री श्री मास्टर हुक्म सिह, परिवहन मंत्री श्री धर्मबीर सिंह, जो उस समय तख्त के नीचे घुस गए थे, को भी पुलिस ने पीटा था। उस समय जय प्रका ा जी कि हिसार से एस0पी0 हुआ करते थे, वे भी वहां पर थे, उनको भी पुलिस ने पीटा था। लेकिन आज ये आदमी

चौधरी बंसी लाल जी के ऊपर कटाक्ष करते है, प्रदे ा की कानून व्यवस्था पर कटाक्ष करते है ओर कहते है कि पुलिस रक्षा करती है न कि पिटती है। उपाध्यक्ष महोदय, मै इनको बताना चाहता हू कि आज की जो पुलिस है वह हरियाणा की जनता की रखवाली करती है, हरियाणा प्रदे ा की कानून व्यवस्था की रक्षा करती थी। इसके बारे मे जितना कहा जाए वह कम है। उपाध्यक्ष महोदय, इसके अलावा भाई अमीर सिंह जो इनके परिवार का एक सच्चा भक्त था, जो चौधरी बंसी लाल के पैर दबाता था और चौधरी ओमप्रका ा चौटाला पर फूल बरसाता था लेकिन जब 16 मई, 1990 को हौने वाले चुनाव मे इनको अपनी हार स्पश्ट नजर आई क्योकि सी0आई0डी0 ने रिपोर्ट दे दी थी कि इस चुनाव मे मुख्यमंत्री बुरी तरह से हारेगा तो उपाध्यक्ष महोदय, इनको कोई और नही मिला, इन्होने अपने ही आदमी जो इनका बढिया साथी था, उस अमीर सिंह का कत्ल करवा दिया। उपाध्यक्ष महोदय, मै आपको एक बात और बताना चाहता हू। मेहम मे एक उप चुनाव पहले भी हुआ था। उस समय प्रदे ा के मुख्यमंत्री बंसी लाल थे तथा वहां से राज सिंह दलाल को टिकट दिया गया था। ''मेहम चौबीसी'' ने हरस्वरूप को अपना कैडीडेट बना दिया। उपाध्यक्ष महोदय, जब राज सिह दलाल को वहां से अपनी हार नजर आई तो वह आकर चौधरी बंसी लाल जी को कहने लगा कि मुझे अपनी हार नजर आ रही है, इसलिये चौधरी साहब, आप ही कुछ करो तो चौधरी बसी लाल जी ने उस समय यह कह दिया था कि लोगो का दिल जीतो क्योकि जिसके वोट होगे वही जितेगा। इसी तरह

से फतेहबाद मे बाई इलैक ान हुआ। अगर हमारी सरकार चाहती तो वहा से हमारा उम्मीदवार जीत सकता था लेकिन चौधरी साहब ने यही बात फिर कही कि जिसके ज्यादा वोट होगे वही जीतेगा। पिछले दिनो आदमपुर मे उपचुनाव हुआ थां आज भजन लाल का छोटा बेटा कुलदिप बि ानोई बडी बडी बातो करता है कि मै वहा से उप चुनाव जीतकर आया हू। उपाध्यक्ष महोदय, सबको पता है कि वह कैसे चुनाव जीतरक आया है? यह हरियाणा की जनता भी जानती है भिवानी के लोकसभा चुनाव मे ओमप्रक ा चौटाला का बेटा जहां आदमपुर हल्के से 48 हजार या 52 हजार वोट लेता है विधानसभा उपचुनाव मे वही से चौटाला के कैडीडेट को मात्र चार हजार वोट मिलते है। उपाध्यक्ष महोदय, वहां से इन लोगो ने मिलकर चुनाव लडा था। इसी तरह से जब आदमपुर हल्के का बाई इलैक ान हुआ, कुलदीप बि ानौइ वहा से ओमप्रका ा चौटाला जी की मेहरबानी से जीतकर आया है। अब तक चौटाला और भजन लाल ये दोनो मिलकर के हरियाणा प्रदे ा की भोली भाली जनता को बरगलाते रहे, लोगो को ये कहते रहे कि हम तुम्हारे रक्षक है, हम तुम्हारा भला करेगे। लेकिन उपाध्यक्ष महोदय, आज प्रदे ा की जनता अच्छी तरह से जान चुकी है कि उनका सच्चा हितैशी और प्रदे ा मे विकास करने वाल एक मात्र नेता चौधरी बंसी लाल ही है। उपाध्यक्ष महोदय, मै आपको बताना चाहूता हू कि पुलिस की भर्तियां पहले भी होती थी। चौधरी देवी लाल के राज मे, चौधरी ओमप्रका ा चौटाला के राज मे भी भर्तीया हुई थी। चौधरी भजन लाल के राज मे तो सारे प्रदे ा की जनता को

पता है कि चन्द्र मोहन हिसार मे अपनी कोठी पर कैडीडट्स की छाती नापता था। वह जिसको सलैक्ट करता, वह सलैक्ट हो जाता, जिसको रिजैक्ट करता वह रिजैक्ट हो जाता। लेकिन उपाध्यक्ष महोदय, आपको पता होगा कि पिछले दिनो जो हरियाणा पुलिस की भर्तिया हुई वे कितनी पारदर्शिता से हुई? इन भर्तियो मे योग्य व्यक्तियो को भर्ती किया गया। जहां एस0पी0 कैण्डीडेट्स लगने थे वहा एस0पी0 लगाए गए, बैकवर्ड क्लास का जितना कोटा था उस हिसाब से बैकवर्ड क्लास के कैण्डीडेट्स लिए गए। उपाध्यक्ष महोदय, आज चौधरी बंसी लाल के राज मे बैकवर्ड चौपाले बन रही है, हरिजन चौपाले बन रही है। पिछले नेताओ ने हरिजनो के साथ ऐसे ऐसे गलत वायदे कर लिए थे जैसे कि जब भी किसी हरिजन के यहां कोई बच्चा पैदा होगा तो संबधित डी0सी0 उसके लिए गूंद का पीपा लेकर आएगा, उसका पीलिया लेकर आएगा, उसकी चूंदडी लेकर आएगा। हरिजन कहते थे कि ये बहुत बढिया रिश्तेदार है, इनको न चिट्ठी डालनी पडेगी, न ही जाना पडेगा। लेकिन इनकी ये सारी बाते उन्होने थोथी पाई। पिछली कांग्रेस सरकार ने हरिजनो को पता नही क्या क्या झूठे लहारसे दिये थे। लेकिन आज जो सरकार चौधरी बसी लाल जी के नेतृत्व मे चल रही है, उस ने लोगो से जो वायदे किये थे उन वायदो को एक एक करके यह सरकार पूरा करने जा रही है। जो महाशय हमारे सामने बैठते है वे आज एस0वाई0एल0 की बात करते है। वे एस0वाई0एल0 का मुद्दा उस समय क्यो नही लाये थे जब 1977 मे चौधरी देवी लाल जी इस प्रदेश के मुख्यमंत्री थे,

पजांब मे श्री प्रका ा सिंह बादल मुख्यमंत्री थे, इस दे ा के प्रधानमंत्री श्री मोरारजी देसाई जी थे और दे ा के गृह मंत्री चौधरी चरण सिंह जी थे उस समय वे इस मुद्दे को क्यों नही लाये? इसके बाद 1987 मे जब चौधरी देवीलाल जी इस प्रदे ा के मुख्यमंत्री थे और पजांब मे उस समय गवर्नर राज था वह इनके लगाये हुए गवर्नर श्री वीरेन्द्र सिंह वर्मा जी थे, उस समय ये एस0वाई0एल0 का मुद्दा क्यो नही लाये? उसके बाद 1989 मे जब दे ा के उप प्रधान मंत्री चौधरी देवी लाल जी थे, पजांब मे इनका गवर्नर था और हरियाणा का मुख्यमंत्री चौधरी औमप्रका ा चौटाला था, उस समय वे एस0वाई0एल09 का मुद्दा क्यो नही लाये? उस समय एस0वाई0एल0 का मुद्दा इनको याद नही आया। ये किसानो के हितैशी है, इस बारे मे मै आपकाो बताना हू। जब चौधरी देवी लाल जी इस दे ा के उपप्रधान मंत्री थे और श्री ओमप्रका ा चौटाला जी बदकिस्मती से इस प्रदे ा के मुख्यमंत्री थे, उस समय फतेहबाद और सिरसा मे एक नारा लगता था, ''नीचे बेटा ऊपर बाप, नरमा बिके 308''। आज हरियाणा की जनता इनको अच्छी तरह से जान चुकी है और अब इनकी दुकान बंद हो चुकी है। आज चौधरी भजन लाल जी का नामेलवा दिनो दिन मरता जा रहा है और चौधरी ओमप्रका ा चौटाला की दुकान बंद होती जा रही है। उपाध्यक्ष महोदय, इसलिये आज इनको परे ाानी हो रही है। ये सिर्फ एक कोि ा ा करते है किसी तरह से अखबार वाले इनका नाम छाप दे। भाून्यकाल और क्वै चन आंवर मे इनका एक सूत्रीय कार्यक्रम होता है कि किसी तरह से इनका

अखबारो मे नाम आ जाये तो ये हरियाणा की जनता को जाकर यह कह देगे कि इन्होने तो सदन मे बहुत बडा मुद्दा उठाया था। जिस दिन यह सदन भारू हुआ उस दिन श्री ओमप्रका ा चौटाला ने केन्द्र सरकार को यह कहा कि यूरिया और खाद के दामो को घटाओ नही तो हम अपना समर्थन वापस ले लेगे। जब केन्द्र सरकार ने यूरिया के दाम नही घटाये तो श्री ओमप्रका ा चौटाला बी0जे0पी0 की केन्द्र सरकार को फिर क्यो समर्थन दे रहे है। उन्होने अपनी भार्त सिद्ध क्यों नही की ? जैसा श्री प्रका ा सिंह बाद जी कहेगे कि वैसा श्री ओमप्रका ा चौटाला जी करेगे क्योकि यह श्री ओमप्रका ा चौटाला की मजबूरी है। वे अपना फेसला खुद नही ले सकते। उपाध्यक्ष महोदय, चाहे कोई भी मामला हो उसमे श्री ओमप्रका ा चौटाला जी वही करेगे श्री प्रका ा सिंह बादल करेगे। उसी का नतीजा हरियाणा प्रदे ा की जनता भुगत रही है। पिछले दिनो हरियाणा प्रदे ा मे केन्द्र सरकार की टीम आई। उस टीम ने जमीन मे जो पानी खडा था उस समय का निरीक्षण किया। लेकिन आज तक हरियाणा के किसानो को मुआवजा नही मिल पाया है। उसके न मिलने का कारण यह है कि श्री प्रका ा सिंह बादल बीच मे एक रोडा है। इसलिए यह मुआवजा नही मिल पाया। उपाध्यक्ष महोदय, मै हरियाणा की जनता को वि वास दिलाता हू कि चौधरी बसी लाल जी को एक विकस पुरूश के नाम से जाने जाते है, उनके नेतृत्व मे जो सरकार चल रही है वह हरियाणा की जनता का भला करेगी। आने वाल समय मे जब जनता को बिजली पूरी मिलेगी, सारी सडके ठीक हो जायेगी और

पीने का पानी ठीक से मिलेगा, नहर माईनर ठीक हो जायेगे, कानून व्यवस्था मे दिन प्रतिदिन सुधार आता जायेगा तो विपक्ष के लोगो के पास कोई मुद्दा बाकी नही होगा और आने वाले चुनाव मे चौधरी बंसी लाल जी के नेतृत्व मे फिर हमारी सरकार बनेगी। जो बजट हमारे वित मंत्री जी ने इस सदन मे पे ा किया है उसके लिये मै उनका दोबारा धन्यवाद करता हू। आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया इसके लिए मै आपका एक बात फिर धन्यवाद करता हू।

श्री निर्मल सिंह (नग्गल): उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बजट पर हो रही चर्चा मे भाग लेने के लिए जो समय दिया , उसके लिए मै आपका धन्यवाद करता हू। मै इस बजट के समर्थन मे बोलने के लिए खडा हुआ हू।

उपाध्यक्ष महोदय, मेरे से पहले बोलने वाले वक्ताओ ने और लाठर साहब ने भी इस बजट की प्र ांसा की। दरअसल कोई भी बजट सरकार के काम करने के तरीके व इसकी नीतियां का एक प्रारूप होता है जब चौधरी बंसी लाल जी ने इस स्टेट की बागडोर अपने हाथ मे ली, उन्होने राज्य की भलाई व तरक्की के कार्यो की तरफ ध्यान दिया है। मुझे इस बात का बहुत अफसोस है कि आज विरोधी पक्ष के सभी सदस्य सदन मे मौजूद नही है। कई दिन से उनकी हमे ाा एक ही कोि ा ा रही है कि कोई न कोई बहाना करके भाोर भाराबा करे और फिजूल की वाहवाही लूटे। वे दो दिन लगातार राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर बोलते रहे

और आपने भी उनको बोलने के लिए खूब समय दिया। अगर आप यह तुलना करे कि सत पक्ष को बोलने के लिए कितना समय दिया गया और विपक्ष को बोलने के लिए कितना समय दिया गया तो मालूम होगा कि विपक्ष को बोलने के लिए भरपूर समय दिया गया, लेकिन जैसे ही सता पक्ष की तरफ से मंत्रीगण और सदन के नेता ने जवाब देने का समय आया तो उन्होने सदन मे हंगामा खडा कर दिया और तोड फोड की। उपाध्यक्ष महोदय, आप तो जानते है कि लोकतंत्र मे विपक्ष की एक अहम् भूमिका होती है, जो उसको बखूबी निभानी होती है विपक्ष मौजूदा सरकार को चौकत्रा रखता है तथा समय समय पर सरकार को जागता रहता है लेकिन हमे अपने विपक्ष के भाईयो से इस तरह की कोई उम्मीद नही थी कि आज जब बजट पर चर्चा प्रारम्भ हुई तो वे ऐसे समय मे सदन से गैर हाजिर थे। इस बात का सभी को दुख है। उपाध्यक्ष महोदय, कहने को तो सभी कहते है तथा अपनी बात को बडे जोर से और अच्छे ढंग से प्रस्तुत करने की कोि ा ा भी करते है लेकिन सत्य तो सत्य है तथा सरकार लोकतंत्र का एक आईना होती है। हरियाणा के इतिहास मे जाते हुए मै कहना चाहूगा कि जब यह राज्य बना था तो उस समय इस राज्य की जनता के दिमाग मे एक प्र ान था, एक भांका थी कि हरियाणा एक राज्य कैने बनेगा, इसा स्वरूप कैसा होगा? यह भी भ्रातियां थी कि हरियाणा सरकार अपने कर्मचारियो को तनख्वाहे भी दे सकेगी या नही? लेकिन ज्यो ही हरियाणा की बागडोर चौधरी बंसी लाल जी के हाथ मे आई तथा उन्होने सरकार की नीतियां बनाई, हरियाणा प्रदे ा ने

जबरदस्त तरक्की की। इसके लिए इस्लीमैटिंग अथोरिटीज, अधिकारियो, कर्मचारियो और किसानो सभी ने मिलकर काम किया तथा हरियाणा के हर क्षेत्र मे तरक्की की और इस राज्य का का नाम विकास के नाम पर हिन्दुस्तान मे पजांब राज्य के बाद दर्ज हुआ। सभी राज्यो ने इस बात की चर्चा की कि यहव वह राज्य है जिसको खनो के लिए अनाज भी बाहर से मांगना पडता था, लेकिर ''हरित क्रांति'' व किसानो की मेहनत के बाद यहां अनाज के भंडार भर गए और हम अनाज दूसरे राज्यो मे भेजने लगे। अब तो सैट्रल पूल मे भी हम से अनाज जमा करवाया है। हरियाणा के हर गांव को सडको से जोड दिया गया है, हर गांव मे बिजली मुहैया करवा दी गई है। पूरे भारत वर्श मे इस राज्य मे अपना नाम दर्ज करवाया कि यह सबसे पहले वह राज्य है जिस ने हर गांव मे सडके बनाने व बिजली पहुंचाने का काम किया है। कानून एवम व्यवस्था के क्षेत्र मे भी इस प्रदे ा ने काफी तरक्की की तथा चौधरी बंसी लाल जी को इस राज्य का निर्माता कहा जाने लगा। हरियाणा प्रदे ा चौधरी बंसी लाल जी के नाम से जाने लगा। इसके बाद ज्यों ही इस की सता दूसरे लोगो के हाथ मे आई, इस स्टेट मे दंगे फसाद, गुण्डागर्दी और करप ान बहुत ज्यादा हो गए। इन घटनाओ के रिकार्ड के साथ साथ हरियाणा प्रदे ा मे दलबदली का भी रिकार्ड बना। उपाध्यक्ष महोदय, हरियाणा ने जो नाम चौधरी बंसी लारल जी के समय मे कमाया था, वह मिट्टी मे मिल गया। हरियाणा प्रदे ा की जो सख भी उसको गिराया गया। उपाध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रदे ा मे इस तरह का इतिहास चौधरी

बंसी लाल जीह के भाासन काल के बाद 18–20 साल तक चलता रहा। किसी भी लीडर ने हरियाणा प्रदे ा की डिवैल्पमैट की तरफ ध्यान नही दिया और इस प्रदे ा की जनता की भलाई के लिए कोई भी काम नही किया, न ही वे लोग इसके लिए चितित थे। इस दौरान जो भी लोग हरियाणा प्रदे ा को चला रहे थे उनमे से किसी ने धन कमाया, किसी ने अपना रौब कायम करना चाहा तथा किसी ने गुण्डागर्दी की। उन लोगो ने इस दौरान हर तरह के रिकार्ड तोडे इसलिए उन लीडरो के हरियाणा राजनीति मे पांव नही जम पाये। उपाध्यक्ष महोदय, उन लीडरो ने कभी भी दूसरी बार चुनाव का सामनाप नही किया और हरियाणा प्रदे ा की जनता उन्हे यहां टिकने नही दिया। उपाध्यक्ष महोदय, जब पहले चौधरी बंसी लाल जी की सरकार थी उस समय हरियाणा प्रदे ा प्रगति की राह पर आगें बढ रहा था। लेकिन जब दूसरे लोगो ने इस प्रदे ा की बागडोर अपने हाथ मे ली तो इस प्रदे ा की प्रगति एकदम रूक गई। उन लोगो ने जिन कामो को प्राथमिकतांए दी थी वे इस प्रदे ा के व लोगो के हित मे नही थी। उनकी वे प्राथमिकतांए गलत थी जिसमे उन्होने रिकार्ड भी कायम किये। उपाध्यक्ष महोदय, 20 साल के बाद फिर हरियाणा प्रदे ा मे चौधरी बंसी लाल जी की सरकार आई, उस समय हरियाणा प्रदे ा की हालत बहुत जर्जर थी। हरियाणा प्रदे ा के लोगो मे तरह तरह की भ्रातिया फेली हुई थी। जनता लीडरो से मिलने मे भी हिचकती थी। लेकिन उसके बावजूद चौधरी बसी लाल जी ने अपने अढाई साल के कार्यकाल मे जो सराहनीय काम हरियाणा प्रदे ा

मे किये है, उनके लिए वे बधाई के पात्र है। उपाध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी ने दोबादा सता मे आने के आद हर क्षेत्र का विकास किया है और लोगो की भ्रातियां दूर की है। उपाध्यक्ष महोदय, किसी भी सरकार की महानता का अनुमान उसकी प्राथमिकतओ से लगाया जा सका है। आज चौधरी बंसी लल जी ने बिजली उत्पादन का सबसे ज्यादा प्राथमिकताए दी है उन्होने हरियाणा की जनता से एक वायदा किया था कि वे 24 धंटे प्रदे ा मे बिजली मुहैया करायेगें, उनका यह वायर अब जल्द ही पूरा होने वाला है उपाध्यक्ष महोदय, मेरे विपक्ष के भाइ कहते है कि 24 घंटे बिजली नही आ सकती, ये यह सब इसलिए कहते है ताकि हरियाणा की जनता गुमारहा हो जाये इस बारे मेपता उनको भी है। कि जल्दी ही हरियाणा प्रदे ा मे 24 घंटे बिजली आने लगेगी। उपाध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जो कुछ कहते है उनका करके दिखाते है, ये सब बात के लिए म ाहूर है। वे लागो ने कभी झूठा वायदा नही करते और न कभी जनता को गुमराह करते है। इस बात का वि वा हरियाणा प्रदे ा की जनता को भी है, हरियाणा के लोग उनकी बात का वि वास अन्धेरे मे भी कर लेते है। उपाध्यक्ष महोदय, मेरे विपक्ष के भाईयों को इस बात कीं चिंता है कि जब हरियाणा प्रदे ा मे 24 घंटे बिजली आने लगेगी तक से कहां जायेगे, लोगो से क्या कहेगे? इन लोगो को अपनी चितां है हरियाणा प्रदे ा की जनता की नही? उपाध्यक्ष महोदय, ये लोग हमारे खिलाफ लोगो को गुमराह करते है, ये लौगो को कहते है कि हमारी सरकार टूटने वाली है, कुछ गडबडी होने वाली

है। ये लोग अपनी ड्यटी भूल रहे है कि इनका क्या कर्तव्य है। उपाध्यक्ष महोदय, विपक्ष के भाईयो ने कभी भी विकास के कामो मे सरकार को सहयोग नही दिया। उपाध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी ने हरियाणा की जनता से वायदा किया था कि वे हरियाणा प्रदे ा मे भाराब बंदी लागू करेगे। उन्होने अपना यह वायदा सबसे पहले पूरा किया और साफ नीयत से किया। उपाध्यक्ष महोदय, मेरे विपक्ष के साथियो ने उस समय हमारा साथ नही दिया बल्कि ये जनता को गुमराह करते रहे। ये लोग उस समय कहते थे कि चौधरी बंसी लाल जी ने यह गलत काम किया है। चौधरी बंसी लाल जी ने जब हरियाणा प्रदे ा के लोगो की मांग को देखते हुए व परिस्थिति को देखते हुए प्रदे ा मे दोबारा भाराब बिकवानी भाुरू कर दी तो मैरे विपक्ष के भाई अपनी बात से फिर बदल गये और कहने लगे कि इन्होने यह बहुत गलत काम किया है। हरियाणा प्रदे ा मे भाराब नही खोलनी चाहिए थी। उपाध्यक्ष महोदय, जैसा कि मैने आपको बताया इन लोगो के पास जनता को गुमराह करने के इलावा और कोई काम नही है।

उपाध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी ने भाराब बन्दी को कायम करे की जिद्द न करके वापिस इसको लेकर बहुत अच्छा किया। उपाध्यक्ष महोदय, 24 घण्टे बिजली देने का जो नारा था, वह पूरा होने जा रहा है। जिस प्रकार से चौधरी बंसी लाल जी ने बयान दिये है या गवर्नर एड्रैस मे चर्चा की गई है या फिर बजट के अभिभाशण मे वित मंत्री महोदय ने चर्चा की है कि जिन

प्लाट्स पर काम चल रहा है, उनको देखा जा सकता है। उपाध्यक्ष महोदय, फरीदाबाद मे जो एन0टी0पी0सी0 का प्लांट लगने जा रहा है, इसकी एक यूनिट तो पूरी भी होने वाली है, जिसे हम भी देख रहे है। 146 मैगावाट बिजली हमे फालतू मिलेगी। इसके अलावा 25–25 मैगावाट के कई प्लांट्स निजी क्षेत्र मे दिये गये, जिनमे से एक प्लांट का काम तो पूरा भी कर लिया गया है। पानीपत के प्लांट को ठीक करने के लिये भी काम चल रहा है। इसके अलावा दूसरे प्लांट्स लगाने के लिये भी ग्लोबल टैण्डर आमत्रित किये जा रहे है। ये आकडे तो हमारे सामने है जिनको झुठलाया नही जा सकता है जो बिल्कुल सही है। जब इसके रिजल्ट्स आयेगे तो आप सब लोग इन रिजल्ट्स को देखकर हैरान हो जायेगे। अगर हमार विरोधी पक्ष के भाईयो को पिछले 20 सालो मे बिजली के बारे मे कोई चिन्ता हुई होती तो कोई तो प्लांट लगाया होता या कोई काम किया होता जो हमे नजर आता। लेकिन इन्होने तो इस और कभी कोई ध्यान दिया ही नही और काम किया होता जो हमे नजर आता। लेकिन इन्होने तो इस और कभी कोई ध्यान दिया ही नही और न ही कभी कोई काम करने की कोि ा ा ही की। ये कोई ऐसा कारखाना लगा कर दिखाते तथा कोई उसके लिए बजट भी क्रिएट करते। आज हमारा बिजली का ट्रासमि ान सिस्टम बहुत कमजोर हो चुका है। इस सब कामो को सुचारू रूप से चलाने के लिये चौधरी बंसी लाल जी ने वर्ल्ड बैक से 2400 करोड रूपया मन्जूर करवाया है जिसकी पहली किस्त 240 करोड रूपये हमे मिल चुकी है। हमारे उधर के भाई यह कहते है कि यह

पैसा तो उधार लिया है। उपाध्यक्ष महोदय, मै यहां पर बताना चाहूंगा कि उधार भी उनको मिलता है जो गारन्टी दे कि काम करने की क्षमता रखते है, पैसे का कोई दुरूपयोग नही करेगे एवम सही काम पर उस पैसे को यूटिलाइज करेगे। वर्ल्ड बैक बाकायदा इस का निरीक्षण करता है कि पैसे का कोई दुरूपयोग तो नही हो रहा है। उपाध्यक्ष महोदय, जब इन भाईयो के हाथ मे सता थी तो इन्होने हरियाणा की साख चार आने की भी नही छोडी थी। आज चौधरी बंसी लाल जी ने फिर वे वि व मे हरियाणा की साख बनाई है और अब हरियाणा दोबारा से लेन देन कर सकता है। वर्ल्ड बैक ने बाकायदा एक प्र ांसा पत्र भेजा है कि हमारा काम बढिया चल रहा हैं ऐसा काम पहले तो कभी हुआ नही फिर ये लोग इस सरकार को किस बात के लिये दोशी ठहरा सकते है? इस काम को और मजबूत करने तथा सुचारू रूप से चलाने के लिये जैनको को अलग से बिजली जनरेट करने हेतु टारगेट दिया गया है वे खुद ही बतायेगे कि हमे इतना टारगेट मिला था, जिसके विरूद्ध इनती बिजली हमारे कारखाने मे जनरेट हो चुकी है तथा इतनी बिजली पैदा करने की और क्षमता है। इसके अलावा डिस्ट्रब्यू ान के लिये अगल से दो कंपनियां बनाई गई है ताकि डिस्ट्रब्यू ान का काम भी सुचारू रूप से चले सके। दूसरी और उन भाईयो ने झूठ बोलकर जनता को बहाकाने की कोि ा ा की है कि बिजली बोर्ड का निजीकरण हो रहा है, लेकिन वास्तव मे ऐसा कुछ भी नही है। निजीकरण की बात तो पिछली सरकार के समय मे एक बार आई थी, जिसको अब बदल दिया गया है तथा

बिजली बोर्ड पर सरकार का कंट्रोल रहेगा। बिजली के सम्बन्ध मे मौजूदा सरकार ने जो कुछ कहा था, पहले तो यह एक कल्पना ही लगती थी लेकिन आज बिजली के क्षेत्र मे चौधरी बंसी लाल की सरकार ने बहुत बडी उपलब्धि हासिल की है।

डिप्टी स्पीकर साहब, ऐसा मुख्यमंत्री जी सुबह से उठ कर भाम तक काम करता हो वे चौधरी बंसी लाल जी है। जब हमारे विपक्ष भाईयो की सरकार थी तो उस समय फरीदाबाद से यमुनानगर थर्मल पावर प्लांट का बटन दबा कर उद्घाटन किया गया था। वह उद्घाटन कई वर्श पहले किया था आज तक वह कागज मे ही है उसके लिए न बजट का प्रवाधान किया गया, न उसकी कोई प्लान बनाई गई न ही उसका काम भुरू करने के लिए कोई समय निर्धारित किया गया कि फलां वक्त तक इसको कम्पलीट कर दिया जाएगा। उस बारे मे कुछ नही किया गया। डिप्टी स्पीकर साहब, सरकार वही अच्छी होती है जिसकी प्रायोरिटी अच्छी हो और ऐसे ककर साहब, ऐसा मुख्यमंत्री जी सुबह से उठ कर भाम तक काम करता हो वे चौधरी बंसी लाल जी है। जब हमारे विपक्ष भाईयो की सरकार थी तो उस समय फरीदाबाद से यमुनानगर थर्मल पावर प्लांट का बटन दबा कर उद्घाटन किया गया था। वह उद्घाटन कई वर्श पहले किया था आज तक वह कागज मे ही है उसके लिए न बजट का प्रवाधान किया गया, न उसकी कोई प्लान बनाई गई न ही उसका काम भुरू करने के लिए कोई समय निर्धारित किया गया कि फलां वक्त

तक इसको कम्पलीट कर दिया जाएगा। उस बारे मे कुछ नही किया गया। डिप्टी स्पीकर साहब, सरकार वही अच्छी होती है जिसकी प्रायोरिटी अच्छी हो और ऐसे कामो को कम्पलीट कराए। सरकार वही अच्छी होती है जो बजट मे लोगो के साथ कोई डिसक्रिमिने ान न करे, फण्डज का दुरूपयोग न होने दे जिससे लोग न बंटे। जिस सरकार का लां एंड आर्डर मजबूत हो वह सरकार अच्छी होती है। डिप्टी स्पीकर साहब, आज तो हालत यह है कि हमारी अपोजि ान पार्टियो के लीडर ईक बात करके राजी ही नही है। आज किसी पोलिटिक्ल लीडर ने यह नही कहा कि स्टेट के नए नोट छापने का अख्तियार नही है। डिप्टी स्पीकर साहब, न स्टेट गवर्नमैट को यह अख्तियार है और न केन्द्रीय सरकार को यह अख्तियार नही है। सरकारो को तो नोटो को सम्भाल कर लोगो की भलाई हेतु विकास के कामो पर खर्च करना है। लोगो ने ही सरकार को पैसा देना है और लोगो द्वारा दिए गए पैसे से ही सरकार चलेगी। किसी भी सरकार को नए नोट छपाने का अख्तियार नही है। डिप्टी स्पीकर साहब, जब प्रदे ा मे हमारे अपोजि ान भाईयो की सरकार थी उस समय कर्जा माफी की बात कही गई। ऐसा कह करके उस सरकार के वि व बैक और रिजर्व बैक के प्रति अपना अवि वास पैदा कर दिया। उस समय सरकार द्वारा कर्जा माफी की बात कहने से बैको मे यह अवि वास पैदा हो गया कि सरकार की नीयत ठीक नही है। दुनिया मे कहीं भी यह बात देखने मे नही आई कि बैक से कर्जा लिया हो और वापिस न लौटाया हो। लेकिन उस समय की

सरकार ने यह एक अजीब बात कह दी कि कर्जा माफ किया जाएगा।दुनिया मे लोगो ने क्रैडिट कार्ड लिए हुए है। वे अपना नाम हवाई अड्डे पर, कपडे ही दुकान पर, खाने की दुकान पर, क्रेडिट कार्ड दिखा कर लिखाव सकते है और वहां से जो सामान लेना चाहे वह ले सकते हैं लेकिन हमारे दे ा के लोग ऐसा नही कर सकते क्योकि उस समय ही सरकार ने कर्ज माफी की बात कह कर वि व बैक और रिजर्व बैक मे अपना अवि वास पैदा कर दिया। डिप्टी स्पीकर साहब, बैक का कर्जा 10 से 15 परसैट तक तो वैसे ही बट्टे खाते मे जाते है तो फिर कर्जा माफ किस बात के लिए किया जाए? डिप्टी स्पीकर साहब, जब बैको का राश्ट्रीयकरण नही हुआ था उस समय किसान साहूकारो के चंगुल मे फसे होते थे। साहूकार उनसे पांच रूपया सैकडा के हिसाब से ब्याज लिया करते थे लेकिनजब बैको का राश्ट्रीयकरण हो गया तो लोगो को बैको से कर्जा मिलना भुरू हो गया। लोगो ने बैको से ट्रैक्टरो के लिए और दूसरे अन्य कामो के लिए लोन मिलने लग गया। डीप ट्यूबवैल्ज लगाने के लिए बैको के लोगो को पैसा मिलने लग गया। किसानो ने डे बाई डे तरक्की की। लेकिन मुझे बडे अफसोस के साथ कहना पडता है कि उस समय की सरकार ने तो यहां तक कह दिया था कि हम हम गावो मे नोट छापने की म ीन दो दिन के लिए गांवो मे भेज देगे, आप नोट छापना और मजे करना। उस सरकार ने ऐसा कह करके उस समय लोगो के साथ बडा घोर पाप किया था। आज उस पार्टी के लोगो के साथ एक और घोर पाप कर रहे है। वे लोगो को यह बात कह करके

उकसा रहे है कि आप बिजली के बिल न दो। उनका ऐसा कहना ठीक नही है। डिप्टी स्पीकर साहब, चौधरी बसी लाल जी ने किसानो को बिजली का स्लैब सिस्टम दिया जिसके कारण जिन किसानो की आर्थिक हालत ठीक नही थी, उनको बिजली के बिल्ज मे राहत दी। बिजली का स्लैब सिस्टम जो कुछ क्षेत्रो तक ही सीमित था, उसको पिछली सरकार ने हटाया, लेकिन चौधरी बंसी लाल जी ने बिजली के स्लैब सिस्टम को पूरे हरियाण के अन्दर लागू किया। डिप्टी स्पीकर साहब, अम्बाला जिले मे तीन हल्के है नारायणगढ, मुलाना और नग्गल। इन हल्को मे जिन किसानो ने टयूबवैल्ज लगा रखे है उनको बिजली बोर्ड ने काफी राहत दी है। जैसे जिनके ट्यूबवैल्ज 100 फुट की गरहाई तक लगे हुए है, उनको 15 से 20 परसैट की राहत, जिनके टयूबवैल्ज 100 से 150 फुट की गहराई तक लगे हुए है, उनको 30 से 35 परसेंट, जिनके ट्यूबवैल 200 फुट की गहराई तक लगे हुए है उनको 35 से 40 परसेंट और जिनके ट्यूबवैल 200 फुट से अधिक की गहराई तक लगे हुए है, उनको 60 परसेंट बिलो के अन्दर राहत हमारी सरकारी न दी है। जब ऐसा किया जाने लगा तो कृशि विभाग ने सर्वे की रिपोर्ट मांगी गई। कृशि विभाग ने कोई पुरानी रिपोर्ट सरकार को दे दी, जिसे हमारे मुख्यमंत्री जी ने नही माना और कहा कि नया सर्वे करके रिपोर्ट दो। फिर नये सिरे से सर्वे करवाया गया, इससे अम्बाला, यमुनानगर व कुरूक्षेत्र जिलो को काफी फायदा हो गया है। सरकार ने जो यह राहत देने का फेसला लिया था वह इम्पलीमेंट हो गया जिसके लिये इस क्षेत्र के

लोग हरियाणा के मुख्यमंत्री जी श्री बंसी लाल जी की सराहना कर रहे है। इसका बैनिफिट मई, 98 से दिया गया है। यहां हमारे अपोजी ान के भाई कहते है कि बिजली के बिल न दो। यह गलत बात है। मै बताना चाहूगा कि बिजली के बिल देने मे हमारा क्षेत्र अग्रीण है और यहां के लोग लगातार अपने बिल अदा कर रहे है। जिन लोगो के बिल ज्यादा आ गए थे अब उनका वह पैसा भी वापिस होगा। आज हमारे यहा पर चहुमुखी विकास हो रहा है।

उपाध्यक्ष महोदय, हमारी सरकारने रोडज को भी प्राथमिकता दी है। आज हरियाणा मे चारो तरफ रोडज का जाल फेला ह ुआ है। जो हमारी स्टेट हाईवे थे हमारी सरकार ने उनमे से कुछ को ने ानल हाईवे मे कन्वर्ट करवा दिया है, जिसका फायदा यह होगा कि इन रोडज को चौडा और मजबूत किया जा सकेगा। हमारी सरकार ने पूरे हरियाणा की सडको की रिपेयर के लिए 146 करोड रूपये दिया है, जिससे हमारे राज्य की सभी खराब सडको की हालत ठीक हो जायेगी। इसके लिए मै एक सुझाव दूंगा कि जंहा हम रोडज को चौडा और मजबूत करने की तरफ ध्यान दे रहे है, वहां साथ ही साथी हमे ट्रैफिक सिस्टम का भी ध्यान रखना चाहिए। आज देखतें है कि जी0टी0 रोड पर आये दिन मौत को दावत दी जा रही है वहां पर दिन प्रतिदिन डैथ्स मे इन्क्रीज हो रही है। एक सिपाही जो ड्यूटी पर होता है उसको पता नही होता कि उसकी डियूटी क्या है? उसकी डियूटी कुछ होती है और वह डियूटी कुछ और ही कर रहा होता है। इस

बारे मे मेरा सुझाव है कि दिल्ली बार्डर जहां से हरियाणा भुरू होता है, से अम्बाला तक जंहा हरियाणा खत्म होता है, उसके बीच मे 4 रिलीफ व्हीक्लज ऐसी हो कि जहा पर भी उस एरिया मे ऐसी कोई दुर्घटना हो तो वे फौरी तौर पर इमदाद कर सके और जो रास्ता 6–6 घंटे तक जाम होता है उससे लोग बच सके। सरकार को ऐसी पांलिसी बनानी चाहिए कि जो मेन रोडज है उन पर ट्रैि

फक जाम न हो सके। इसके साथ ही साथ मेरा दूसरा सुझाव यह है कि हरियाणा मे जहां से दूसरी स्टेट की व्हीक्लज एन्टरी करती है, उनको वही पर एक स्थान पर रोक कर उनके कागज पत्र देख लिए जांए ताकि वे सारे हरियाणा को बिना रोक टोक के पार कर सके। कोई व्हीकल भााहबाद, कोई अम्बाला, कोई करनाल और कोई पानीपत मे खडा किया जाता है। उपाध्यक्ष महोदय, उनको जगह जगह पर रोका जाता है और ट्रैफिक की कोई बात उनको पता नही होती उनसे ट्रैफिक की कोई बात पूछी नही जाती, न जाने कौन से कागज है जो उनसे देखते है। मेरे ख्याल ने इससे निकलता कुछ भी नही है सिर्फ रोका टोकी ही होती रहती है। इस प्रोसीजर को आसान करने के लिए ट्रैफिक नियमो पर गौर करने की जरूरत है। उपाध्यक्ष महोदय, हर डिपार्टमैंट मे काफी चुस्ती दुरूस्ती चौधरी बसी लाल जी के रिजाईम मे आई है। मै आपके माध्यम से यह कहना चाहता हू कि आज ि ाक्षा का स्तर काफी गिर गया है। हांलाकि बहुत स्कूलो को अपग्रेड किया गया है और एजुके ान मिनिस्टर साहब ने एजुके ान डिपार्टमैंट के बहुत से प्रोग्राम्ज के बारे मे हमे बताया

है तथा उन्होने ि ाक्षा का स्तर ठीक करने के लिए काफी मेहनत भी की है। उपाध्यक्ष महोदय, इतना सब होने के बावजूद भी हमारे स्कूल के स्तर का गिरना चिन्ता का विशय है। पढाई लिखाई का जो स्तर है वह काफी नीचा है। भगवान की दया से मास्टरो का एक बहुत बडा काफिला हमारे पास है जिन पर बडा भारी बजट हमारी सरकार खर्च भी करती है, उनको पे स्केल्ज भी बहुत अच्छे दिये गये है लेकिन डिप्टी स्पीकर साहब, उनकी पढाई का स्तर और उनको पढाने का तरीका से कुछ ऐसा है कि बच्चे उसे फोलो नही कर पाते। भगवान जाने उनको खुद पढाना नही आता या उनमे कोई ट्रेनिंग की कमी है जिसके कारण हमारे बच्चे ि ाक्षा के क्षेत्र मे पीछे जा रहे है। उपाध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही एक बात मै आपके माध्यम से सरकार को और भी कहना चाहूंगा। वैसे सरकार का जो स्टैड है उसके बारे एजुके ान मिनिस्टर साहब ने साफ साफ भाब्दो मे दो तीन बार कहा कि हम अग्रेजी भाशा का विशय पहली क्लास मे लागू नही करेगे लेकिन मैने उस वक्त भी कहा था, दोबारा भी कहा था और अब तिबारा भी आपके माध्यम से यह कहता हू कि अंग्रेजी का ज्ञान आज बहुत जरूरी है नही तो बच्चे पीछे रह जाएगे। आज सारा ज्ञान सिकुड कर अंग्रेजी भाशा मे आ गया है और यह एक ऐसी लैग्वेज है जिसे अगर ठीक ढंग से सिखाया जाए तो उसमे कोई मु ि कल नही है। डिप्टी स्पीकर साहब, इतना ही नही मै तो यह भी कहूंगा कि एजूके ान सिस्टम को टेलीविजन पर लाया जाए। अगर सरकार इस पर ध्यान दे तो टेलीविजन इसके लिए बहुत ही लाभदायक सिद्ध हो सकता है।

ि ाक्षा के इम्प्रूव करने के लिए क्यों न हमारे पंचायत घरो मे और स्कूलो मे टेलीविजन उपलब्ध करवाए जाए। इस परपज के लिए क्यो न टेलीविजन पर सबसिडी दी जाए या सरकार किसी कम्पनी से इस बारे मे बात कर सकती है कि सस्ते और छोटे टेलीविजन बना कर लोगो को उपलब्ध करवाए जाए। सरकार पंचायत घरो मे टेलीविजन खरीद कर भी प्रोवाईड करवा सकती है। उपाध्यक्ष महोदय, बहुत से घरो मे तो टेलीविजन पहले से ही है। एजुके ान सिस्टम को इम्प्रूव करने के लिए दुनिया के नम्बर वन प्रोफैसरज और लैक्चररज के लैक्चरज को क्यो न टेलीविजन पर बच्चे सुन और देखे। क्यों न एक ही सिलेबस हो। उपाध्यक्ष महोदय, आप देखे कि आज बस्ते का भार बच्चे के भार से ज्यादा है। क्लासिज मे आज नई नई चीजे बताई जाती है लेकिन हर बच्चे ने इन्जीनिया या डाक्टर नही बनना है। बच्चो के टवैल्वथ क्लास तक मैथस और साईस पढाने का क्या फायदा है ? **(इस समय सभापितयो की सूची मे से एक सदस्य श्री नृपेन्द्र सिंह पदासीन हुए।)** सभापति महोदय, ये दोनो विशय बहुत ही मु ि कल है। जहां तक साईस के ज्ञान की बात है, अगर दसंवी पढाने के बाद कोई साईस छोड दे तो स्तर यही रह जाता है कि वट इज साईस इसके अलावा किसी को कोई थियोरम आदि याद नही रहती है और हिसाब का ज्ञान जमा नफी और भाग तक ही रह जाता है। इस ज्ञान का काम भी आज एक 10 रूपये का कैल्कुलेटर कर देता है। ये दोनो बहुत ही मु ि कल सब्जैक्ट्स है इसलिए इनकी ि ाक्षा केवल उन्ही बच्चो को दीजिए जिनके लिये

यह जरूरी है। सभापति महोदय, इसके साथ ही मै यह भी कहना चाहूगा कि बच्चो को पढाई के साथ कोई टैक्नीकल टाईप की एजुके ान उपलब्ध करवाइये उन बच्चो को कोई ट्रैनिंग दीजिए। बच्चो का इस तरह का कोई इम्तिहान लिया जाए कि वह क्या बनना चाहते है, बच्चे की क्या कैपेसिटी है, और बच्चा क्या बननाप चाहता है। प्राईमरी ि ाक्षा मे भाुरू से ही बच्चो को लैग्वेज पढाई जाती है उनको साथ ही अंग्रजी भी पढाई जाए ताकि वह दुनिया के किसी भी कोने मे जंाए तो वह भाशा उसके काम आए। सभापति महोदय, इसी तरह से हमारे प्रदे ा मे खेलो का स्तर भी काफी गिर गया है। हरियाणा मे बहुत अच्छे कद काठी के नौजवान लडके और लडकियां है आज खेलो मे वे उतना नाम नही कर पा रहे है जितना की उनको करना चाहिए। ब्लांक लेवल पर तथा पंचायत लेवल पर भी आज उनका प्रद र्ान काफी फीका है इसका एक कारण यह भी है कि आज खेलो को ठीक ढंग से आरगेनाईज नही किया जाता है। स्कूलो मे स्पोर्ट्स का स्तर डे बाई डे गिरता जा रहा है। इसका यह कारण है कि जितने भी हमारे कोचिज है वे किसी को भी खेलने या स्वास्थय के बारे मे कोई जानकारी नही देते है। वे सिर्फ अपनी हाजररीी लगाते है और घर चले जाते है। सभापति महोदय, कोई ऐसा तरीका निकाला जाए कि इनती बडी संख्याा मे हमारे पास जो कोचिज है वे खेल स्तर ऊपर उठाने के लिए काम करे। उनसे यह पूछा जाना चाहिए कि उन्होने कितने बच्चो को खिलाया या स्वास्थय के बारे मे कितनी जानकारी उपलब्ध करवाई है। वे काफी ज्यादा तनख्वाह लेते है।उनकी कोई

जिम्मेदारी फिक्स की जानी चाहिए कि वे अच्छे रिजल्ट्स दे। किस लेवल तक उन की टीमो मे पार्टिसिपेट किया है। ब्लाक लेवल तक हो चाहे डिस्ट्रिक्ट लेवल तक हो चाहे स्टेट लेवल तक हो, लेकिन इस की तरफ कोई ध्यान नही दिया जा रहा है।

इसी तरह से पु ाधन मे हमारे प्रदे ा ने काफी तरक्की की है। मै आपके माध्यम से कहना चाहता हू कि अगर यह भवेत क्रांति की तरफ ध्यान दे तो वह भी हो सकती है। जो बेरोजगार नौजवान है उनको बहुत अच्छा काम मिल सकता है। वे गांवो मे गांय वगैरह पाल सकते है। सभापति महोदय, गर्वनर एड्रैस मे लिखा है कि हम बहुत अच्छा सीमन लाए है लेकिन यह पुराने जमाने की बात हो गई है। आज कल तो एम्ब्रो का जमाना है और इससे बहुत अच्छी नस्ल पैदा कर सकते है। अम्बाला मे पोलक्लीनिक खोलने की बात थी गांव की पचायंत ने उसके लिए जमीन भी दे दी थी, लेकिन वह पोलीक्लीनिक अब कही और खोल दिया गया है। मेरी आपके माध्यम से मंत्री जी से प्रार्थना है कि हमारे इलाके मै उसको बनवाने की कृपा करे। इसके बाद कानून एवम व्यवस्था की बात आती है। आज कत्ल, डकैती और चारी की घटनाए बढ रही है। ये हमारे हरियाणा प्रदे ा मे ही नही बल्कि सारे दे ा मे बढ रही है। लेकिन फिर भी हमारी सरकार ने बडी मुस्तैदी से इन घटनाओ को खत्म करने के लिए कार्यवाही की है और कर रही है। हमे उम्मीद है कि सब कुछ बहुत जल्दी ठीक ठाक हो जाएगा। सभापति महोदय, मै आपमे माध्यम से एक बात

और कहना चाहूंगा कि जो लोकपाल की नियुक्ति हुई है यह बहुत ही चर्चा का विशय बना हुआ था जो काफी समय से पैडिंग था। लोकपाल की नियुक्ति का श्रेय चौधरी बंसी लाल जी को जाता है। लोगो मे लीडरो की वजह से एक अवि वास फेल गया था। लेाकपाल की नियुक्ति से यह वि वासव फिर से बन गया है। अब यह सरकार उनको कोई केस भी दे ताकि लोगो को यह लगे कि लोकपाल की नियुक्ति से लाभ हुआ है। सभापति महोदय, कल तक जो लोग मामूली काम किया करते थे उनके पास आज बडे बडे मकान है, करोडो की सम्पति है। ऐसे दो चार आदमियों के केस उनको दे ताकि जनता को भी पता चले कि यह सम्पति उनके पास कंहा से आई है। इसके साथ मेरी कास्टीचुएंसी मे बाढ ग्रस्त एरिया मे चौधरी बंसी लाल जी ने बहुत काम करवाया है। लेकिन नग्गल गाव के पास हिसार रोड पर एक नहर निकलती है वहां पर जो नाले बनवाए गए है व काफी नही है इसलिए मेरा आपसे अनुरोध है कि वहां पर साईफन बनवांए। सभापति महोदय, कुरूक्षेत्र अम्बाला को क्षेत्र खास तौर से ओल्ड अम्बाला मे है, वहां से सारी नदियो होकर गुजरती है। लेकिन हमारे पास नग्गल मे एकी लिफट इरीगे ान स्कीम है। सभापति महोदय, दादूपुर नलवी कैनाल मे एक लिफट इरीगे ान स्कीम पैडिंग है

16.00 बजे

उसको जल्दी से जल्दी पूरा करवाने की कृपा करे। कल बीरेन्द्र सिंह जी बोलते हुए कह रहे थे कि हथनीकुड बैराज बनाने

का कोई फायदा नही है लेकिन मै कहता हू कि इस बैराज का हमे बहुत फायदा है क्योकि इससे रैनी सीजन मे हमारा पानी बढ जाएगा। सभापति महोदय, अगर हम दादूपुर नलवी स्कीम को देखे तो पता चलेगा कि वह स्कीम ही बनायी इसलिए गयी है कि उस बैराज के बनने के बाद जो सीजनल पानी हमे फालतू मिलेगा, वह हमारे इलाके या उससे आगे तक भी चला जाएगा। ताजेवाला बांध तो बहुत पुराना हो गया था और वह काफी टूट सकता था। अगर वह अचानक टूट जाता तो उससे बहुत नुकसान हो जाता और फिर उसको बनाने मे काफी समय लगता। उस समय हमे बहुत सफर करना पडता। इस बार भी उसको बनाने मे काफी समय लगता। उस समय हमे बहुत सफर करना पडता। इस बार भी उसका एक फाटक टूट गया था जिसकी वजह से फलड आ गया था। इसलिये इस बैराज को बनाने की इस सरकार की एक बडी अचीवमैट है। सभापति महोदय, इसी तरह से हमारे उधर के साथियो ने कहा कि कृशि के क्षेत्र मे जितना उत्पादन होना चाहिए था, उतना नही हुआ। लेकिन मै आपके माध्यम से उनको बताना चाहता हू कि दरअसल अब किसानो ने इस बात को समझा है कि गेहू और चावल की खेती तक ही सीमित रहने से कोई फायदा नही है बल्कि अब उनको दूसरी खेती करने से भी फायदा है इसलिए उन्होने अब दूसरी खेती जैसे प्लाटे ान कीखेती करनी भ्ाुरू कर दी है। प्लांटे ान से किसान की काफी आमदनी होती है। इसके अलावा अब किसान काफी तादाद मे सब्जी भी उगाने लगे है। हमारे क्षेत्र मे काफी ऐसे किसान है जो इस तरह की

फसल उगाते है। हमारे इलाके मे काफी किसान प्लांटे ान कर रहे है इसमे फारैस्ट महकमा भी उनकी सहायता कर रहा है वह किसानो को अच्छी नस्लो के पौधे दे रहा है और उनका इस मामले मे ज्ञान बढा रहा हैं चेयरमैन सर,वैसे तो सफेदा का समर्थन मूल्य है लेकिन यदि सरकार पोपुलर की सपोर्ट प्राइस की तरफ भी ध्यान दे तो ज्यादा अच्छा होगा क्योकि आज लोगो मे इस बात की चर्चा है कि पोपुलर का रेट कम हे तथा इसका भी समर्थन मूल्य होना चाहिए। सरकार को इस तरफ ध्यान देना चाहिए ताकि लोगो मे इस बारे मे वि वास हो। आज हमे किसान की आमदनी की चिन्ता है। आज जो किसान प्लांटे ान कर रहे है उसी के साथ साथ वे भेड पालन और डेयरी का काम भी कर रहे है और अपने लायक भी पैदा कर रहे है। इसलिए आज किसान की आमदनी ऐग्रीकल्चर से बहुत ज्यादा होने लगी है इन्ही भाब्दो के साथ मै आपका धन्यवाद करता हुआ अपना स्थान लेता हू।

श्री सोमबीर सिंह (लोहारू): चेयरमैन सर, आपका मुझे बोलने के लिए समय देने के लिए धन्यवाद। वित मुत्री जी ने जो यहां पर बजट पे ा किया है मै उसके फेवर मे बोलने के लिए खडा हुआ हू। उनका यह बजट सराहनीय है क्योकि उन्होने इसके कोई भी किसी किस्म का नया टैक्स नही लगाया है। इस बजट मे किसान का, मजदूर का, व्यपारी का और हर वर्ग का ख्याल रखा गया है। करीब पौने तीन साल पहले जब हरियाणा विकास पार्टी और बी0जे0पी0 की सरकार बनी थी तो उससे पहले हमने लोगो

से कुछ वायदे किए थे। चुनावो के दौरान हमने उनसे जो जो वायदे किए थे उनमे से ज्यादातर वायदे हमने पूरे कर दिए है। मुख्यतौर पर मै सारा ां मे यहां पर जिकर करना चाहूंगा लोकपाल की नियुक्ति का। इस मुद्दे पर कुछ कहने से पहले मै थोडा सा इसकी बैकग्राउडं मे जाना चाहूंगा कि किन कारणो से हमे लोकपाल की नियुक्ति करनी पडी। चेयरमैन सर, करीब पिछले बीस बाईस सालो मे हरियाणा के अंदर जो भी सरकारे बनी, उन सभी ने ऐसी हालत पैदा कर दिए कि चाहे किसी को नौकरी देने की बात हो या चाहे तबादलो की बात या कोई अन्य काम हो, बगैर पैसे दिए कोई भी काम नही होता था। आम आदमी का मंत्रियो पर से मुख्यमंत्री पर से और उच्च अधिकारियो पर से वि वास सा उठता चला जा रहा था। वे यह सोचने लगे थे कि इन सभी के बारे मे अगर ि ाकायत करनी हो तो किससे करे और अगर इनके खिलाफ कोई कार्यवाई करे तो वह कौन करे ? चेयरमैन सर, हपले हाई कोर्ट को या सुप्रिम कोर्ट को ऐसे ऐसे बच्चो को नौकरी से हटाना पडा, जिन्होने कभी नौकरी के लिए अपना फार्म नही भरा था। पिछली सरकारो ने ऐसे लोगो को नौकरी दी थी। आज विरोधी पक्ष के हमारे भाई यहा पर हनी है उन्हे अच्छी तरह से इस बारे मे पता है क्योकि उनके इ ाारो पर यह काम हुआ था। इन हालात को देखते हुए आज हमारी बी0जे0पी0 और हरियाणा विकास पार्टी की जो सरकार बनी है हम चुनाव के समय इस बारे वायदा किया था, उसको सबसे पहले पूरा किया है। इसके दायरे मे मुख्यमंत्री, मंत्री, चेयरमैन व दूसरे सदस्य आते है।

किसी आदमी को किसी तरह की ि ाकायत या नाराजगी हो, वह ि ाकायत कर सकता है। हमने तो लोकपाल नियुक्ति की है वह ईमानदारी से की है। पहले वाले लोगो ने जो गलती की है, हेराफेरी की है उनके बारे मे हमारे मन मे कोई खोट नही है। वर्तमान सरकार ने लोकपाल की नियुक्ति कर एक सराहनीय काम किया है। इसके अलावा इस सरकार ने चुनावो के समय दूसरे अन्य वायदे भी किए थे, जैसे बुढापा पै ान, विधवा पै ान, या विकलांग पै ान। पहले की सरकार मे पै ानरो को 7–7, 8–8 महीने बाद पै ांन मिलती थी लेकिन जब यह सरकार बनी है, हर महीने की सात तारीख से पहले ही हर बुजुर्ग, विधवा व विकालांग को पे ान मिल जाती है। इसी तरह से हमने चौकीदारो को भता देन की बात कही थी, उकनो भी हमने हर महीने भता दिया है। पुरानी जमीनो के इंतकाल पिछले 10–10, 12–12 सालो से पैडिंग पडे थे जिससे किसानो व दूसरे लोगो को बडी परे ाानी होती थी। इसलिये जिनते पैडिंग इंतकाल थे वह हमने पूर्ण करवा दिये है। इसके अलावा हमारी सरकार ने ऐक्स सर्विस मैन को सहूलियते दी है, व्यपारियों को सहूलियते दी है। इसी तरह से कर्मचारियो को पांचवे वेतन आयोग की सिफारि ो लागू करने की बात थी वह भी हमने लागू की है। सबसे बडा बात जो वह यह है कि चुनाव के समय हरियाणा की जनता का जिस बात से चौधरी बंसी लाल जी पर भरोसा था वह बिजली पानी की वजह से था। जहां तक पानी की बात है वर्तमान सरकार बनने के बाद हमने नहरों की सफाई की है। सन् 1995 के अंदर हरियाणा की 22 लाख

एकड धरती पर बाढ आई, सन् 1996 मे 5 लाख एकड धरती पर बाढ आई, सन् 1997–98 मे 55 हजार एकड धरती पर बाढ आई। इस सरकार ने पूरी तेजी के साथ पानी को निकाला और ज्यादा से ज्यादा जमीन को का त करवाया है। मुख्यमंत्री जी ने अपनी स्पीच मे बताया कि इस साल हमने करीब 6 लाख एकड धरती बाकी सालो मे ज्यादा का त करवाई है। जो विरोधी पक्ष के साथी है वे बार बार ऐतराज करते है कि बिजाई नही हुई या कम हुई है। ये सब बेबुनियादी बाते है। जंहा तक नहरो की बात है, पिछले करीब अढाई पौने तीन साल के अंदर सरकार ने करीब 526 नहरो और माइनर्ज बनाने की स्कीम पर काम किया है और उस पूरा किया है जबकि इतने ही समय मे काग्रेस के भाासन काल मे 83 माइनर और सब माइनर बनी थी। इस बात से साबित होता है कि वर्तमान सरकार जमीदारों की भलाई के लिए ज्यादा रूचि लेती है, दिलचस्पी रखती है। बाढ से बचाव के लिए हमने हर क्षेत्र में चाहे रोहतक हो यह जींद हो, काम किया है। ड्रैनो का काम हमने किया है, मास्टर प्लान बनाया गया है। इसी तरह से हथनीकुंड बैराज की जंहा तक बात है, पिछली सरकार ने उस पर फाउडे ांन स्टोन पर रखा था लेकिन कोई काम नही हुआ। हमारी सरकार ने ही उस काम मे रूचि ली। यह बहुत बडा काम हुआ है जिससे हरियाणा को वि ोश लाभ होगा। यह काम इस साल जून तक पूरा हो जायेगा। इसी तरह से इरीगे ान मंत्री श्री हर्श कुमार जी ने बताया कि आगरा कैनाल का अधूरा पडा, सफाई व मुरम्मत का काम वर्तमान सरकार ने आने के बाद अपने हाथ मे लिया

जिससे फरीदाबाद और गुडगांव के अन्दर जो आगरा कैनाल के नीचे क्षेत्र आता था पूरे क्षेत्र को पानी दिया गया तो वहा के लोग बडे खु ा हुये कि इस सरकार की वजह से यह काम पूरा हो गया वरना उन लोगो को पिछले 20–25 सालो मे पानी नसीब नही हो रहा था। इसी तरह से मेरे अपने भिवानी, लोहारू तथा महेन्दगढ जिले के एरिया मे सबसे पहले लिफट इरीगे ान स्कीम के तहत चौधरी बंसी लाल जी ने नहर बनवाई। परन्तु पिछले 20–22 सालो के भाासनकाल मे उन नहरो का काम बढाना तो दूर रहा उनकी सफाई और मरम्म्त तक नही करवाई गई। वाटर वर्क्स जो आखिरी टेल पर पडते थे उन मे पीने का पानी भी नसीब नही होता था, खेतो की बात तो दूर रही। लेकिन वर्तमान सरकार ने आने के बाद उन नरहो के पम्पो की सफाई करवाई, मरम्मत करवाई तथा लोगो के पीने का पानी उपलब्ध करवाया, जिससे लोगो को काफी राहत मिली वरना लिफट इरीगे ान स्कीम को तो वहां के लोग भूल ही गये थे। चौधरी बंसी लाल जी की मेहरबानी से रेवाडी के अन्दर पांचवी लिफट इरीगे ान स्कीम भाुरू की गई है जिसका विपक्षी भाईयो ने बार बार विरोध किया। कैप्टन अजय सिंह और कई निर्दलिय सदस्य बार बार यह जिकर करते है कि दक्षिणी हरियाणा के साथ भेदभाव हो रहा है। कांग्रेस के राज मे या चौटाला जी के राज मे या जब हरियाणा प्रदे ा अलग बना तो उस एरिया के मुख्यमंत्री जी भी होते थे परन्तु उन्होने उस एरिया मे नहरो के लिए कुछ नही किया। आज इस सरकार ने रेवाडी लिफट इरीगे ान स्कीम भाुरू की है जो 2001 तक तैयारी हो

जायेगी और इस स्कीम से रिवाडी, महेन्द्रगढ और झज्जर एरिया को वि ोश लाभ होगा इसी तरह से इस सरकार ने नाबार्ड से 122 सब माईनर और माईनर मजूंर करवाये है जो इस साल के आखिर तक पूरे हो जायेगे जिससे जमीदारो को लाभ होगा। जैसा कि मैने बताया है उससे इस बात का अंदाजा लगाया जा सकता है कि आज की सरकार बडी दिलचस्पी और ईमानदारी के साथ जमीदारों के लिए, मजदूरो के लिए काम कर रही है। आज जो लोग चौटाला जी के साथ मिलकर इस बात का एतराज करते है कि जमींदारो का इतना नुकसान हो गया है और उनकी जमीन की का त नही हुई या मजदूरो के साथ अन्याय हो रहा है। इन लोगो ने अपने समय मे जनता के लिए कुछ काम भी नही किये और आज यह सरकार करती है तो उनको तकलीफ हो रही है। यह बडी हैरानी की बात है। दूसरी बात यह है कि आज हरियाणा मे सबसे बडी जरूरत बिजली की है। बिजली की जरूरत आज मजदूर, जमीदार, व्यापारी और उधोगपति सभी को है। लोगो की बढती बिजली की मांग को देखते हुये पिछली सरकारो ने जिसमे कांग्रेस की सरकार और चौटाला जी की सरकार भाामिल है, कुछ काम नही किया गया। कभी भी लोगो की बढती बिजली की मांग को पूरा करने के लिए थर्मल प्लाटो पर कोई वि ोश ध्यान नही दिया गया। 1986 के अंदर चौधरी बंसी लाल जी का एक वर्श के लिए भाासनकाल आया था, उस समय 5वा थर्मल प्लांट बनाने का कार्य भाुरू किया था, जो कि 1989 मे पूर्ण हुआ। उसके बाद चौधरी ओमप्रका ा चौटाला की पार्टी का भाासन आया, कांग्रेस

पार्टी का भाासन आया लेकिन छटा थर्मल प्लांट बनाने के लिए किसी भी सरकार ने कोि ा ा नही की जो कि 1989 मे ही बन जाना चाहिए था। केवल इस की म ीनरी का आर्डर जरूर चौधरी देवी लाल की सरकार ने किया था, वह म ीनरी आई थी लेकिन उसकी पैमेट नही की गई थी फलस्वरूप उसकी दुगुनी तिगुनी पेमैट आज हम देकर इस काम को कर रहे है। आज लोगो की बिजली की मांग को देखते हुए वर्तमान सरकार ने बडी ईमादारी से बिजली उत्पादन बढाने के लिए काम किया है वि ोश रूप से थर्मल प्लांटो को बनाने का कार्य किया जा रहा है। जैसे कि फरीदाबाद के अंदर एल0टी0पी0सी0 के द्वारा थर्मल प्लांट बनाया जा रहा है। जिस पर करीब 1163 करोड रूपये खर्च होगा तथ इससे 432 मैगावाट बिजली पैदा होगी जो कि सारी की सारी हरियाणा प्रांत को मिलेगी। यह कार्य इस साल कं अंत तक पूर्ण हो जाएगा तथा इसकी एक यूनिट तो 31 मार्च तक बिजली पैदा करनी भाुरू कर देगी, दूसरी यूनिट 30 जून और तीसरी यूनिट 30 दिसम्बर तक बिजली उत्पादन करना आरम्भ कर देगी। यह एक बहुत बडी बात है कि चौधरी बसी लाल जी ने इस थर्मल प्लांट से 432 मैगावाट बिजली अपने रसूक से, हरियाणा को देने के लिए एन0टी0पी0सी0 से हां करवाई है। इसी तरह से जैसे कि पानीपत के अंदर छटा थर्मल प्लांट लगाने का जिकर किया था, यदि वह प्लांट 1989 के अंदर लगा दिया जाता तो उस समय इस पर करीब 238 करेाड रूपये खर्च आने थे लेकिन अब यह कार्य हमारी सरकार ने भाुरू किया है जिस पर 634 करोड रूपया खर्च होगा,

इस प्लांट से हरियाणा को वि ोश रूप से लाभ होगा। सभापति महोदय, इसी तरह से पानीपत मे जो पुराने 4 थर्मल प्लांट्स है, उन से हमे बिजली कम मिलती है क्योकि उनकी म ीनरी पुरानी है, जिनकी मुरम्मत का काम हम ने एक कम्पनी को दिया है जिसके बाद इन चारो थर्मल प्लांट्स से 250 से लेकर 270 मैगावाट बिजली अतिरिक्त पैदा होगी। इसी प्रकार से 25–25 मैगावाट के छोटे छोटे थर्मल प्लांट्स बनाने के लिए कुछेक प्राईवेट कम्पनियों के साथ बिजली बोर्ड का समझौता हुआ है जिनमे से एक प्लांट तो गुडगांव के अंदर चालू भी हो गया है तथा दूसरा प्लांट भी जल्दी ही भुरू हो जाएगा। सभापति महोदय, डिस्ट्रीब्यू ान सिस्टम को ठीक करने के लिए इस सरकार ने बडी कोि ा ा की है तथा इस कार्य को करने के लिए तथा बिजली मे सुधार लाने के लिए हमे पैसे की जरूरत थी। पहले तो बिजली बोर्ड की इतनी बुरी हालत होती थी कि इस को कोई लोन देने के लिए तैयार ही नही था। लेकिन अब बिजली बोर्ड व मौजूदा सरकार ने कार्य को देखते हुए वि व बैंक ने बिजली सुधारीकरण, जनरे ान व डिस्ट्रीब्यू ान के लिए 2400 करोड रूपये देने के लिए हां की है जिस मे से 240 करोड रूपया तो हमे मिला चुका है और बाकी पैसा भी जैसे जैसे खर्च किया जाएगा, वैसे वैसे मिलता जाएगा। यह प्रदे ा के लिए एक बहुत बडी उपलब्धित है। पिछली सरकारे हमारे ऊपर बहुत बोझ छोड गई थी, चाहे वह थर्मल प्लांट्स बनाने का कार्य हो, चाहे नई लाईने बनाने का काम हो अथवा सब सैंटर बनाने का काम हो, पिछली सरकारो ने इस

पर कोई पैसा खर्च नही किया, जो कि आज हमारी सरकार को करना पड रहा है तथा हमारी सरकार की ईमानदारी को देखते हुए ही वि व बैक ने यह पैसा हमे दिया है।

सभापति महोदय, हरियाणा प्रदे ा को बने 32–33 साल हो चुके है, पिछले इन 32–33 सालो मे जितनी भी सरकारे हरियाणा प्रदे ा मे आई, उन्होने केवल 863 मैगावाट बिजली ही इस प्रदे ा मे पैदा की, लेकिन आज की सरकार उस बिजली के अतिरिक्त करीब 1200 मैगावाट बिजली अपने अढाई तीन साल के कार्यकाल मे पैदा कर देगी। सभापति महोदय, यह बहुत ही सराहनीय काम है और इस बात से यह भी अंदाजा लगाया जा सकता है कि यह सरकार जमीदारो, उधोगपातियों और मजदूरो की भलाई मे कितनी दिलचस्पी रखती है और कितनी नेक नीयत से काम करना चाहती है। सभापति महोदय, जंहा तक जमीदारो की भलाई की बात है, उनको सुविधा, देने की बात है मेरा और आपका एरिया नजदीक नजदीक है और वहां पर जमीदारा ट्यूबवैलो से सिचाई करते है। वहां के जमीदारों की काफी समय से एक मांग थी कि वहां पर पानी ज्यादा गहराई पर है इसलिए उन्हे बिजली के रेट्स मे कुछ राहत दी जाये। सभापति महोदय, चौधरी भजन लाल जी का जब खुद का भाासन होता था, उस समय तो उन्होने कभी भी जमीदारो और मजदूरो की भलाई के लिए नही सोचा लेकिन उनकी सरकार जाने के बाद उन्होने कभी भी जमीदारो और मजदूरो की भलाई के लिए नही सोचा लेकिन

उनकी सरकार जाने के बाद उन्हे जमीदारो और मजदूरो की भलाई की बात याद आती है।सभापति महोदय, चौधरी भजन लाल ने जींद, भिवानी और महेन्द्रगढ के किसानो को भडकाया कि वे बिजली के बिल न भरे, माफ हो जायेगे। सभापति महोदय, कुछ लोग उनके बहकावे मे भी आए और उन्होने बिजली के बिल नही भरे लेकिन जो समझदार लोग थे, जिनको मालूम था कि फ्री मे बिजली नही मिलेगी वे लोग संभल गये और अपने बिजली के बिल भर दिये। सभापति महोदय, विपक्ष के भाई तो आज भी कह रहे है कि हम किसानो के बिल सरकार मे आने के बाद माफ कर देगे लेकिन यह बात सिर्फ उनकी पार्टी के बंधे हुए लोग ही मानते है आम जनता नही मानती और जो उनकी पार्टी के बंधे हुए सदस्य है वे ही इस तरह का प्रचार कर रहे है। सभापति महोदय, आज लोग पैसा देकर बिजली लेना चाहते है और कुछ एरियाज तो ऐसे है जंहा पर लोग ज्यादा पैसा देकर भी बिजली लेना चाहते है लेकिन वे लोग नियमित बिजली चाहते है। सभापति महोदय, जिन एरियाज मे पानी ज्यादा गहराई पर लगभग 200 फुट तक है उन एरियाज को बिजलील की सुविधा देने के लिए हमारी सरकार ने चार सलैब प्रणाली बनाई है जिसका सबसे ज्यादा फायदा भिवानी, महेन्द्रगढ और अम्बाला जिले के किसानो को होगा। इन एरियाज के किसानो को बिजली का बिल 300 रूपये देना पडेगा। सभापति महोदय, आज कल 300 रूपये के बिल तो घर के ही आ जाते है, ट्यूबवैल का बिल 300 रूपये ज्यादा नही है इससे किसानो का काफी राहत मिलेगी और हमारी सरकार का एक सराहनीय काम

है। जबकि बिजली की एक यूनिट का खर्चा 2.80 पैसे से भी ज्यादा आता है बाकि का पैसा हरियाणा सरकार सबसिडी के तौर पर देती है इसलिए आज लोग मेरे विपक्ष के भाईयो की बातो मे आने वाले नही है। सभापति महोदय, इसी तरह से जमीदार की भलाई के लिए हमारी सरकार ने खाद और बीज पर 256 करोड रूपये की सबसिडी पिछले दो साल मे दी है और को–आप्रेटिव बैक द्वारा जो लोन 16 प्रति ात इंट्रस्ट पर दिया जाता था, उसको घटाकर 14 प्रति ात कर दिया है। यह आम जमीदार को सुविधा देने वाली एक बहुत बडी बात है। सभापति महोदय, मेरे एरिया के अंदर गन्ना नही होता, फिर मै इस बारे मे आपको बताना चाहूंगा कि हरियाणा प्रदे ा की सरकार ने यहां के किसानो को गन्ने का सबसे ज्यादा रेट 95 रूपये प्रति क्विंटल के हिसाब से दिलाया है। सभापति महोदय, मै आपको एक बात और बताना चाहूंगा कि जिस समय हरियाणा प्रदे ा मे भाजपा और हरियाणा विकास पार्टी की सरकार बनी थी, उस समय पिछली सरकार ने 55.50 करोड रूपये के करीब जमीदारो को उनके गन्ने का देना था।

हमारी सरकार ने सता मे आने के बाद ने केवल गन्ने की पुरानी पेमैन्ट की है, बल्कि हर साल गन्ने की पेमैन्ट साथ ही साथ करते जा रहे है। सभापति महोदय, हमारे विपक्ष के साथी ये कहते रहते है कि हमने झूठ झूठ बोलकर वोट लिये और कोई काम नही करते जबकि बिजली व नहरो की सफाई के बारे मे जो काम किये गए है उनको मैने जिकर तो कर दिया है। बाकी जंहा

तक विकास की बात है, मै बताना चाहूगा कि जो पिछले सालो मे नये जिले बने है, उन जिलो मे सब डिविजन लैवल पर कई जगह लघु सचिवालय या जुडि ायल कम्पलैक्स नही थी तथा वहां पर कभी भी इस तरह की कोि ा ा नही की गई कि लघु सविवालय बनाये जाये और सारे कार्यालयो को इकट्ठा किया जाये। आम आदमी को वहां जगह जगह भागना पडता था। आज हमारी सरकार ने सता सभांलने के उपरानत पिछले एक डेढ साल मे बिना किसी भेदभाव के जहां जहा लघु सचिवालय बनाने की जरूरत थी, वहां वहा लघु सचिवालय बनयो और जहा जहां जुडि ायल कम्पलैक्स की जरूरत थी वहां वहा जुडि ायल कम्पलैक्स बनाने भाुरू किये। मै हाउस मे भी यह बताना चाहता हू कि मेरे हल्के के लोगो को तो इससे बहुत फायदा पहुचा है। मेरे लोहारू हल्के के अन्दर जब से हरियाणा बना है, तक से लेकर आज तक एक पी0डब्लयू0डी0 रैस्ट हाउस के अलावा और कोई भी बिल्डिंग नही थी या फिर एक बिजली बोर्ड का दफतर जरूर था लेकिन वर्तमान सरकार के आने के बाद वहां लघु सचिवालय का काम भाुरू हुआ है और वह तकरीबन सवा या डेढ साल के अन्दर पूरा तैयार हो जायेगा जिससे हमे बहुत बडी सुविधा हो जायेगी क्योकि इसमे तहसीलदार, नायब तहसीलदार तथा दूसरे सभी अधिकारियो इकट्ठे मिल जाते है। इस तरह से जुडि ायल कम्पलैक्स की जंहा तक बात है, दूसरे जिलो मे भी जहां जहां से नही है, वहां वहां बन रहे है। कैथल, पंचकूला, अम्बाला, लोहारू, मे तो वर्तमान सरकार ने लघु सचिवालय के निर्माण का काम पूरा

करवा दिया है। रिवाडी, रोहतक, करनाल, यमुनानगर व फतेहबाद मे लघु सचिवालय के निर्माण का काम भुरू हो चुका है। इसी प्रकार से यमुनानगर, रिवाडी, पंचकूला, करनाल, सफीदो और लोहारू क्षेत्र मे जूडि ियल कम्पलैक्सिज के निर्माण का काम भुरू हो गया है और जल्दी ही इनका निर्माण कार्य भी पूरा हो जायेगा क्योकि सरकार पूरी दिलचस्पी के साथ जरूरत के हिसाब से जुडि ियल कम्पलैक्सिज और लघु सचिवालय के निर्माण कार्य को पूर्ण करा रही है सभापति महोदय, इस के अलावा सडको के निर्माण कार्य पर भी वि ोश ध्यान दिया जा रहा है। जिस तरह से मेरे से पूर्व सता पक्ष के माननीय सदस्य ने पहले भी बताया है कि खराब मौसम की वजह से सडको के काम पर कम ध्यान दिया जा सका। सभापति महोदय, सरकार ने सडको के निर्माण कार्य के लिए 250 करोड रूपये रखे है जो कि सडको के ऊपर खर्च किये जा रहे है। सभापति महोदय, हरियाणा के अन्दर पांच रोडस तो ऐसे है जिनको नै ानल हाईवे मे बदल दिया गया है और गवर्नर एड्रैस मे भी इस बात का जिकर आया था। इससे हमे वि ोश फायदा मिलेगा। सभापति महोदय, यदि विपक्ष के साथी यहां बैठे होते तो मै उनको आपके माध्यम से अवगत कराता फिर भी अखबार वाले उन्हे बात देगे कि जो कल समाचारो मे आया था कि एच0वी0पी0 के 11 सदस्य और 1 निर्दलयी सदस्य ने सरकार से अपना समर्थन वापिस से लिया है, ऐसी झूठी और बनावटी बाते श्री चौटाला साहब और उनके जो साथी है, वे ही कह सकते है

लेकिन यह सरकार सच्चाई पर चलती है और इस तरह की कोई भी बात नही हुई है।

सभापति महोदय, जिस तरह से ओमप्रका ा चौटाला और उनके दूसरे साथी कई बार यह ताना देते है कि यह सरकार अगली बार नही आएगी और कहते है कि आप लोग जब पब्लिक के बीच मे जाओगे तो आपको पता लगेगा। सभापति महोदय, हम आज भी अपने हल्के के अन्दर जाते है और दूसरे एरियाज मे भी जाते है। प्रदे ा के लोग अच्छी तरह से इस बात को मानते है और समझते है कि सरकार के पास पैसा कम होते हुए भी उनके विकास के काम ईमानदारी के साथ हो रहे है जो पहले कभी नही होते थे। श्री ओमप्रका ा चौटाला का यह कहना कि यह सरकार आगे नही आनी, यह तो समय ही बताएगा। सभापति महोदय, जंहा तक उनकी खुद की पार्टी की बात है, श्री ओमप्रका ा चौटाला, के लिए उस से अच्छा समय नही हो सकता जब 1977,1987 मे लोगो ने उनको जितना बहुमत दिया था, उतना बहुमत उनका न कभी आया और न कभी आएगा। उस दौरान ओमप्रका ा चौटाला के पिता श्री दिल्ली की सरकार ने डिप्टी प्राइम मिनिस्टर थे। उनके होते हुए ओमप्रका ा चौटाला तीन बार हरियाणा के मुख्यमंत्री बने और तीनो बार ये 6 महीने से ज्यादा सरकार नही चला सके। अगर ओमप्रका ा चौटाला यह सपना लेते हो कि हरियाणा की जनता उनको फिर मौका देगी तो यह बात अपने दिमाग से निकाल दे। सभापति महोदय, अभी पिछले दिनो राजस्थान, दिल्ली

और मध्यप्रदे ा के चुनाव हुए थे। ओमप्रका ा चौटाला ने दिल्ली और राजस्थान के अन्दर अजामइ ा कर ली। राजस्थान और दिल्ली मे इनकी पार्टी का जितना बुरा हाल हुआ था उतना बुरा हाल किसी भी पार्टी का नही हो सकता। सभापति महोदय, ओमप्रका ा चौटाला एस0वाई0एल0 कैनाल और जमीदारो के फायदे की बात करते है हमारे पडोसी प्रान्त के मुख्यमंत्री प्रका ा सिंह बादल एस0वाई0एल0 कैनाल के बारे मे एतराज करते है। पिछले दिनो जींद मे ओम प्रका ा चौटाला ने एक जलसा किया था उस जलसे मे प्रका ा सिंह बादल आए थे। ये उनसे अपनी भाोभा बढाने के लिए और अपने फायदे के लिए बात कर सकते है हरियाणा प्रदे ा के फायदे की बात उनसे नही कर सकते है सभापति महोदय, राजस्थान के एक हल्के से ओम प्रका ा चौटाला के लडके ने चुनाव लडा। उस चुनाव मे प्रका ा सिंह बादल और उनके बेटे जो केन्द्र सरकार में मंत्री है, वहां पर इन्होने लोगो के सामने झोली फेला कर वोट मांगे थे लेकिन ओम प्रका ा चौटाला के लडके की जमानत 200 या 300 वोटो के अन्तर से बची थी। ओम प्रका ा चौटाला वोटो के लिए उनकी खु ाामद करते है, अपने फायदे के लिए उनकी खु ाामद करते है लेकिन हरियाणा के फायदे के लिए उनसे बात नही कर सकते। सभापति महोदय, हमने विधान सभा के अन्दर कई बार इस बात का जिकर किया है ओम प्रका ा चौटाला और भजन लाल की पार्टी पहली भी इकट्ठी थी और आज भी इकट्ठी है, हम इस बात का सबूत दे सकते है। हम पहले भी कहते थे कि भजन लाल और ओम प्रका ा चौटाला

एक है और इस बात का सबूत भी देते थे। हिसार के अन्दर भजन लाल के दामाद की जो भाराब की फैक्टरी है, उसके अन्दर ओम प्रका ा चौटाला का भोयर है और भी कई जगहो पर उनका भोयर है। यह कोई बहुत पुरानी बात नही है। पिछले दिनो लोक सभा का चुनाव हुआ था उस समय आप सभी ने देखा होगा कि उस समय एस0पी0 के चुनाव मे भजन लाल के समर्थको ने श्री ओम प्रका ा चौटाला के लडके को वोट दिये थे। आदमपुर हंल्के मे भजन लाल के जितने वोट थे वे सारे ओमप्रका चौटाला के लडके को वोट दिये थे। आदमपुर हल्के मे भजन लाल के जितने वोट थे वे सारा ओम प्रका ा चौटाला के लडके को वोट दिये थे। आदमपुर हल्के मे भजन लाल के जितने वोट थे वे सारे ओमप्रका ा चौटाला के लडके के दिलाए और उस चुनाव मे ओम प्रका ा चौटाला के लडके को 52000 वोट मिले। जब आदमपुल हल्के का पिछले दिनो बाई इलैक ान हुआ तो उसमे ओम प्रका ा चौटाला के लडके को केवल साढे पांज हजार वोट मिले जबकि एम0पी0 के चुराव 52000 वोट मिले थे। वे बनावटी तौर पर एक दूसरे को गालियां देते है और लोागे को धोखे देते है लोग इनको अच्छी तरह से समझ चुके है कि ये अपने फायदे के लिए हविपा और भाजपा की गठबंधन सरकार को गिराने के लिए इकटठे है । ये आम आदमी की भलाई के लिए कभी नही सोचते। ओम प्रका ा चौटाला हरिजनो व बैकवर्ड क्लासिज भाईयों के हित की बात करते है। मै बताना चाहूंगा कि इनके अपने भाासन काल मे क्या होता था उसको सब अच्छी तरह से जानते है। इन्होने पूंनिया जी

के साथ क्या बदसलूकी की थी, तपासे साहब, जो हमारे गवर्नस होते थे उनके साथ क्या बदसलूकी की थी और इसी प्रकर से चांद राम जी के साथ क्या बदसलूकी की थी, ये बात सभी जानते है। इन्होने अपने राज मे सिरसा जिले के हरिजनो को उनकी जमीन से खदेड कर उन्हे राजस्थान भिजवा दिया था। इनकी जुबान मे कितनी सच्चाई है यह भी बता देता हू। पिछले लोक सभा चुनाव के दौरान इन्होने बी0एस0पी0 के साथ समझौता करके चुनाव लडा और कहा कि कां ी राम को प्रधानमंत्री बनवाऊगां इससे हरिजन लोग गुमराह हुए जिस कारण इनको उनके कुछ वोट भी मिले। लेकिन जब रिजल्ट आने लगे और पूरी रिजल्ट आये ही नही थे तो कहा कि हम तो अटल बिहारी वाजपेयी को प्रधानमंत्री बनायेगे। 4–5 दिन पहले कह रहे थे कि चौधरी बंसी लाल जी ने बी0जे0पी0 के साथ समझौता कर लिया। मै पूछना चाहता हू कि यदि बी0जे0पी0 बुरी थी तो फिर इन्होने बी0जे0पी0 के साथ दिल्ली के अंन्दर और राजस्थान के अन्दर समझौता करके चुनाव क्यो लडा ? बाद मे एक बात इनके पिता श्री का हांसी से ब्यान आया कि हमने बी0जे0पी0 के साथ समझौता किया था इसलिए हम हार गए। ये भूल गए कि इनके पिता श्री बी0जे0पी0 के पैर पकड कर ही राज्यसभा मे मैम्बर बनकर पहुचे है। जब इनको जरूरत होती है तब पैर पकड लेते है और आगे भी जरूरत होगी तो पैर पकड लेगे, इनको कोई फर्क पडने वाला नही है।

सभापति महोदय, अब मै ला एण्ड आर्डर की स्थिति के बारे मे बताना चाहूंगा। इस बारे मे लाठर साहब ने जो काफी कुछ बताया। मै बताना चाहूंगा कि चुनाव या उपचुनाव इनके समय मे भी हुए और चौधरी बंसी लाल जी के समय मे भी हुए। हमारी सरकार बने हुए पौने तीन साल हो गए है। हमारे समय मे भी 3 उप चुनाव हुए है। एक उप चुनाव मे हमे कामयाबी मिली, दो मे नही मिली। ये चुनाव फतेहबाद, झज्जर और आदमुपर मे हुए थे। हमारी सरकार ने पूरी ईमानदारी के साथ चुनाव लडा था। हमने किसी को दबाने व डराने की कोि ा ा नही की। मै कहना चाहूंगा कि चौटाला जी अपने समय की बात भूल गए। जब इनके समय मे मेहम का बाई इलैक ान हुआ था तो इन्होने अपने सबसे नजदीकी आदमी अमीर सिंह की हत्या करवा दी थी और वहां पर 20 अन्य लोग मारे गऐ थे। हम यह मानते है कि कुछ क्राईम बढें है लेकिन ये क्राईम किए है। हमारी सरकार किसी दोशी व्यक्ति को सरंक्षण नही देती। हमारी सरकार की कोि ा ा होती है कि जल्दी से जल्दी दोशी व्यक्ति को पकडा जाय। दूसरी और जब इनका राज था तो इन्होने एक ग्रीन ब्रिगेड बना रखी थी। यह ब्रिगेड लोगो की जमीन हडपती थी, उनके मकान छीन लेती थी। इतना ही नही जाली टिकटे बसो मे काटी जाती थी। मै बताना चाहूंगा कि 1989 के अन्दर भिवानी के लोकसभा चुनाव मे दौरान जब इनकी सरकार थी उस वक्त जूई मे आदमी मरे, भिवानी मे आदमी मरे। हांसी मे गोली चली थी जिसके कारण वहां पर एक गाया मरी थी। ये लोग अपनी बात को भूल जाते है कि इनके

अपने जमाने मे लोगो के साथ बेइन्साफी हुई थी। वे लोग थाने के अन्दर कम्पलेंट लिखवाने के लिए गए थे लेकिन उन की कम्पलेट दर्ज नही हुई थी। जूई गांव के अन्दर जो आदमी मारा गया था उस केस मे हाई कोर्ट से सजा हुई है। आज ये लोग कानून कायदे और ला एंड आर्डर की बात करते है इस प्रकार की बाते इनको भाोभा नही देती है। आज की सरकार इस बात का पूरा ध्यान रखती है कि चाहे कोई अमीर हो या कोई गरीब हो किसी के साथ कोई बेइन्साफी न हो। सभापति महोदय, माननीय वितमंत्री जी ने जो बजट प्रस्तुत किया है मै उसके लिए उनका धन्यवाद करता हू जिसमे इस बात का वि ोश ध्यान रखा गया है कि लोगो पर अतिरिक्त भार न पडे। अध्यक्ष महोदय, हमारे विपक्ष के साथी यहां पर कई बार बाहर अखबारो मे ब्यान देते रहते है कि चौधरी बंसी लाल जी की सरकार ने भारबा बन्दी की। चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी कह रहे थे कि भाराबबन्दी के बाद लोगो पर 600 करोड रूपये के टैक्स लगाए गए लेकिन ओमप्रका ा चौटाला जी की पार्टी के लोगो ने कह दिया कि 3000 करोड रूपये के टैक्स लगाए गए है जबकि हमारी सरकार ने मात्र 171 करोड रूपये के टैक्स लगाए है। सभापति महोदय यह कोई बहुत बडी कीमत नही थी। जो टैक्स लगाए गए है वह समय समय पर जिस प्रकार से दूसरी चीजो के दाम बढते है जैसे डीजल के दाम बढे, उससे बसो का किराया बढा और इसी प्रकार से दूसरी चीजो के दाम भी बढे उसके लिए कोई खास बात नही है। सभापति महोदय, वित्त मंत्री जी ने जो बजट पे ा किया है मै उसका समर्थन करता हू तथा

आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया उसके लिए मै आपका धन्यवाद करता हू।

श्री बिजेन्द्र सिंह कादयान (नौलथा): आदरणीय सभापति महोदय, तीन तारीख को आदरणीय वित मंत्री जी ने जो बजट पे ा किया है उस पर मै अपनी बात कहने के लिए खडा हुआ हू। इस चर्चा मे हिस्सा लेने वाले मेरे से पहले बोलने वाले साथियो ने इस प्रस्ताव पर विस्तार से चर्चा करते हुए हमारी सरकार के सता मे आने बाद जो विकास कार्य हुए है उन के बारे मे हाउस मे बताया है। इस सरकार ने कर मुक्त बजट लोगो को दिया है इससे साफ जाहिर होता है कि हरियाणा प्रदे ा के हित चौधरी बंसी लाल जी और इस प्रदे ा की सरकार के हाथो मे पूरी तरह से सुरक्षित है। आज चारो तरफ विकास की बात हो रही है बिजली की योजनांए बनाई जा रही है, सिचाई की योजनाओ बनाई जा रही है जिनके लिए पैसे की बहुत जरूरत है। हालाकि पैसे की बहुत अधिक जरूरत है लेकिन फिर भी सरकार ने जो बजट प्रस्तुत किया है वह कर रहित और कर मुक्त बजट है जिससे हरियाणा प्रदे ा के हर वर्ग के हर व्यक्ति को सीधा फायदा है। यह बहुत बडी बात है। विरोधी पार्टी के लोग जो आज इस हाउस मे उपस्थित नही है वे बडी बडी बाते करते थे कि हमारे टाईम मे हमने लोगो का इतना भला किया, हम किसानो के हितैशी थे जबकि किसाने के हितो के बारे मे उनको कुछ पता ही नही है। 1996 मे चौधरी बंसी लाल जी की सरकार बनी तो

उन्होने तुरन्त ही बाढ से सुरक्षा के लिए और सिचाई के लिए योजनांए बनाई, मास्टर प्लान तैयार किया परिणामस्वरूप इस हरियाणा प्रदे ा को बाढ मुक्त प्रदे ा बना दिया है। हमे गर्व है कि हमने हरियाणा प्रदे ा मे जन्म लिया है। आज हरियाणा प्रदे ा का नाम चौधरी बंसी लाल के नाम से जाना जाता है। अगर हम कही पर जाते है तो वे पूछते है कि आप हरियाणा प्रदे ा का नाम चौधरी बंसी लाल के नाम से जाना जाता है। अगर हम कही पर जाते है तो वे पूछते है कि आप हरियाणा प्रदे ा से हो जहा पर चौधरी बंसी लाल जी ने चहुमुंखी विकास किया है। यह हमारे लिए और हरियाणा की जनता के लिए बहुत गर्व की बात है। सभापति महोदय, 1989 मे जब चौधरी देवी लाल जी डिप्टी प्राईम मिनिस्टर थे, वे हमारे इसराना गांव मे आए थे और इसराना कालेज का नींव पत्थर रख गए थे। लेकिन उसके बाद जितनी भी सरकार आई, उन्होने उस पर कोई काम नही किया। 1997 मे वहां पर हमारे मुख्यमंत्री जी गए थे और उन्होने उस कालेज की मन्जूरी दे दी और अब इसराना कालेज काम चल रहा है। इसके साथ ही मेरे जिले मे एक इजीनियरिंग कालेज को भी मन्जूरी मिली है जो कि मुख्यमंत्री जी श्री बंसी लाल जी ने ही दी है। इसके लिए मै उनका धन्यवाद करता हू। इसके अलावा, सिंचाई के लिए उलाना माईनर भी मंजूर की गई है जिससे 8–9 गांवो को फायदा होगा। मै मुख्यमंत्री जी से कहना चाहूगा कि उसका काम भी यह सरकार जल्दी से भाुरू करवा दे। सभापति महोदय, बिजली का थर्मल प्लांट भी मेरे हल्के मे बनना भाुरू हुआ है। वहां पर 110–110

मैगावाट के चार यूनिटो का काम भुरू है और 210 मैगावाट के प्लांट पर काम युद्ध स्तर पर चल रहा है। यह प्लांट चौधरी बंसी लाल जी ने हमारे हल्के को 1996 मे दिया है। विरोधी पक्ष के भाईयो को भय है कि अगर हमने लोगो को 24 घंटे बिजली दे दी तो उनकी दुकान बंद हो जाएगी। इसलिए ये लोगो को बिजली के बारे मे गुमराह कर रहे है। मै इनको यह बताना चाहूगा कि काठ की हांडी एक बार चढती है बार बार नही चढती है। सभापति महोदय, चौधरी देवी लाल जी 1987 मे मुख्यमंत्री बने थे और उन्होने चुनाव से पहले लोगो का कहा था कि अगर मै जीतूंगा तो आप सब के कर्जे माफ कर दूंगा और गांव गांव मे नोट छापने की म ाीन लगा दूंगा। उस वक्त लोग इनके बहकावे मे आ गए थे और इनको जिता कर भेज दिया था लेकिन आज हरियाणा के सभी नागरिक समझदार हो गए है और अब इनकी असत्य बातो मे नही आएगें। अगर यह सरकार हरियाणा मे विकास के काम, कृशि से सम्बन्धित काम और सभी सडके बनवा कर दे देगी तो आने वाले राज मे चौधरी बंसी लाल जी के नेतृत्व मे ही सरकार बनेगी। अभी थोडी देर पहले सोमवीर सिंह जी ने बोलते हुए कहा था कि विरोधी पक्ष के भाई आज समाज कल्याण की बात करते है। सभापति महोदय, इन भाईयो ने अपने राज मे समाज कल्याण के लिए कोई स्कीम ही नही बनाई थी। यह जो वर्तमान सरकार है इसने गरीबो के लिए ि ाक्षा, कपडा और पुस्तके देने का प्रबन्ध किया है। इससे गरीब आदमी का डायरैक्ट फायदा है। इसके अलावा विरोधी पक्ष के भाइयो ने कहा था कि प्रदे ा की सडके

उन्होने बनवाई है यह बिल्कुल असत्य बात है। आज हरियाणा का हर नागरिक जानता है कि चौधरी बंसी लाल ने ही इस प्रदे ा की सडको से जोडा है। आज ये कहते है कि सडके टूटी हुई है। यह गलत बात है। सभापति महोदय, फिर कर्जो की बात आई। कांग्रेस सरकार ने तो स्टेट की इतनी बुरी हालत कर दी थी कि स्टेट की क्रेडिबिलिटी की खत्म हो गई थी, कोई कर्जा देने को तैयार नही था। जब चौधरी बंसी लाल जी की सरकारी आई तो स्टेट की दोबारा से क्रेडिबिलिटी बनी, साख बनी और बाहर से हमारी स्टेट को पैसा मिलना भाुरू हो गया। आज ये सरकार से जलते है इन्होने अपने राज मे तो कुछ किया नही और हम कर रहे है तो इनको तकलीफ हो रही है। जैसा कि राजपाल महोदय ने अपने अभिभाशण मे कहा है कि इस वितीय वर्श मे वह सडके ठीक कर दी जायेगी, यह एक बहुत बडी बात है। अगर मै सरकार के समय की बात करू तो इनको पता चलेगा। इन्होने नौजवानो के बाद मे लूट खसूट की, इसलिए इनके बोए हुए बीज आज हमे परे ाान कर रहे है। आज ये यहां पर ला एंड आर्डर की बात करते है जबकि यह सब देन इन्ही हमारे भाईयो की है। जहां तक भ्रश्टाचार की बात है, हमारी सरकार के बनने के बाद भ्रश्टाचार पर अकु ा लगा है हालाकि हम भी यह मानते है कि यह सैट परसैट इन्ही की देन है क्योकि इन लोगो ने एम0एल0एज0, प्र ाासक और ओफिसर्ज को लालच देकर अपने साथ जोडा हुआ था। चेयरमैन साहब, जब हमारी सरकार बनी और हम ओथ लेने के लिए यहां पर आए तो उसके बाद चौधरी बंसी लाल ने अपनी पार्टी के सभी

एम0एल0एज0 की मीटिंग मे कहा था और फेसला कर दिया था किसी भी एम0एल0एज9 को डिसक्रि ानरी कोटे से प्लाट नही दिए जायेगे यह कोई और दूसरा फायदा उनको नही दिया जाएगा। इन लोगो की सरकार के वक्त मे एम0एल0एज0 को प्लाअ देकर अपने साथ जोडा जाता था लेकिन हमारे चौधरी बंसी लाल जी इस मामले मे बिल्कुल निश्पक्ष है। उन्होने वोटरो और एम0एल0एज0 सभी को एक समान रखा है। इसके अलावा, जहां तक ये विकास की बात करते है कि हमने यह कर दिया वह कर दिया यह हमने बिजली के ये ये प्लांट्स लगवाए, मै उनको बताना चाहूगा कि उन्होने प्रदे ा मे एक भी बिजली का प्लांट नही लगवाया। बाद मे बिजली की डिमांड बढती गयी और लोग बिजली के लिए चिल्लाते रहे लेकिन ये लोग इस बात का फायदा उठाते रहे। 1986 मे ही चौधरी बंसी लाल जी ने ये प्लांट्स ठीक किए थे और बिजली की पूरी सप्लाई चालू करवायी थी। 1987 मे चौधरी देवी लाल जी आ गये और उन्होने कहा कि यह बिजली उन्ही की देन है जब कि ऐसी बात नही थी क्यों कि 1986 मे बसी लाल जी ने ये प्लांट्स ठीक करवाया थे। परिणामस्वरूप 1987 मे बिजली प्रदे ा मे मिलनी भाुरू हो गयी थी लेकिन ये उसका क्रेडिट खुद लेते रहे और लोगो को गुमराह करते रहे। इन्होने उस समय कहा था कि अब हमारा राज आ गया है, अब हम आपको 24 घंटे बिजली देगे। चेयरमैन साहब, अब हमारी सरकार पूरे प्रदे ा मे इस साल लोगो को 24 घंटे बिजली देना भाुरू कर देगी फिर इनके पास कहने को कोई बात ही नही रह जाएगी। ये लोग काफी झूठी बाते कहकर

चले गए लेकिन इनको बाते भी सुननी चाहिए थी। स्पीकर साहब, ने उनको हमारे से ज्यादा बोलने का समय दिया। अगर वे यहां पर होते तो हम उनका बताते कि आज हरियाणा प्रदे ा का विकास किस स्तर पर है और आपके राज मे यह किस स्तर पर था? मै एक बार फिर वित मंत्री जी का धन्यवादी हू और प्रदे ा के लोगो की तरफ से भी उनका धन्यवाद करता हू कि उन्होने जो यहां पर इतना अच्छा बजट पे ा किया है उसमे कोई नया कर नही लगाया है। यह सरकार प्रदे ा के चहुमंखी विकास के लिए बराबर लगी हुई है। इन्ही भाब्दो के साथ मै पुनः आपका धन्यवाद करता हुआ अपना स्थान लेता हू।

श्री कैला ा चन्द्र भार्मा (नारनौल): आदरणीय सभापति जी, आपका धन्यवाद कि आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया। वर्श 1999–2000 का बजट इस महान् सदन के सामने हमारे वित मंत्री जी ने पे ा किया है। इस बजट मे उन्होने विभिन्न योजनओ, चाहे व बाढ की हो, सिचाई की हो, ि ाक्षा विभाग की हो या बिजली उत्पादन की हो, के बारे मे बताया है। उन्होने पूरे वर्श का अनुमान सदन के सामने रखा है। सरकार का यह दायित्व भी है जिसको उसने पूरा किया है लेकिन हमारे जो विपक्षी भाई है उनका भी यह दायित्व बनता था कि अगर इस बजट के अंदर कोई कमी रह गयी है, उसके बारे मे वे अपने अपने सुझाव देते, लेकिन उन्होने ऐसा नही किया जबकि यह उनकी जिम्मेदारी थी। वे सदन से बाहर चले गए। हमारे अध्यक्ष महोदय, ने उनको बार

बार कहा था कि आपको इस बजट पर बोलना चाहिए वरना बाहर जाकर आप हल्के के लोगो को क्या बताओगे, लेकिन उसके बावजूद भी वे चले गए। मै इस बजट का समर्थन करते हुए एक दो सुझाव रखना चाहता हू। हमारे झज्जर, रोहतक या सिरसा के इलाको मे बाढ का पानी भरा हुआ है। यहां के लोग बाढ के पानी से दुखी है। महेन्द्रगढ, दादरी और रिवाडी के लोग पानी ने होने के कारण दुखी है। **(इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए)** अध्यक्ष महोदय, मेरा एक सुझाव है कि जो बडी बडी नहरे नारनौल तक पहुचाई हुई है और झज्जर की तरफ जो भी बाढ का पानी रोहतक मे खडा हुआ है उसके लिए बजट मे कोई प्रावधान नही रखा गया है। अगर इस कार्य पर सिर्फ 4–5 करोड रूपया खर्च कर दिया जाए और नारनौल, महेन्द्रगढ मे जो दो नदिया कृश्णावती और दोहान बहती है उस सारे बाढ के पानी को इन नदियो मे डाल दिया जाए तो उधर के लोग बाढ के पानी से बच सकते है और इधर वर्श ऋतु मे दो महीने ये नदिया बहती रहे तो उससे दो सौ गांवो का जल स्तर ऊपर आ सकता है वहां नहरे देने की जरूरत नही है। वहां पर जो कुंए इस समय आठ घंटे चलते है वे 16 घंटे चलते सकते है और किसान की फसल को 2–3 या 4 पानी फालतू मिल सकते है इसलिए मेरा सुझाव है कि इस बात के ऊपर ज्यादा ध्यान दिया जाए। इसके साथ ही मै यह भी कहना चाहूंगा कि कृश्णावती नदी से सिर्फ पांच किलोमीटर आगे हरियाणा राजस्थान बार्डर के साथ एक सोता नही बहतीहै, उसका पानी एक किलोमीटर आगे सीधा मसानी बांध मे जाता है। वह मसानी बांध

बाढ के पानी से भर सकता है और रिवाडी जिले को उससे फायदा हो सकता है। जितना इस कार्य को करने मे देरी हा जाएगी, उतना ही जो बाढग्रस्त एरिया है वह डबूता रहेगा और महेन्द्रगढ, रिवाडी जो सूखाग्रस्त क्षेत्र है वह सूखा ही मरता रहेगा। इस कार्य का कर दिए जाने से दोनो तरफ से फायदा हो सकता है। यहां के लोग बाढ से मुक्ति भी पा सकते है और महेन्द्रगढ, रिवाडी व दादरी के लोग इस पानी को यूज मे लेकर फसल भी पैदा कर सकते है। अध्यक्ष महोदय, इस बजट मे जो पैसा बिजली उत्पादन के लिए रखा गया है, उसके लिए मै सरकार का धन्यवाद करता हू। आने वाले समय मे बिजली, किसान व आम आदमी की मूलभूत आव यकता हो गई है। अगर बिजली 24 घंटे मिल जाती है तो इससे हमारी ज्यादा से ज्यादा आव यकता की पूर्ति हो सकती है इसके लिए मै सरकार का बहुत बहुत धन्यवाद करता हू। स्पीकर साहब, जो खाद की व्यवस्था के बारे मे बताया गया है जिस खाद की ऐडजमस्टमैट की वजह से कमी हुई बताई गई है वह डी0ए0पी0 खाद साल मे एक बार यूज होती है, मेरा कहने का तात्पर्य है कि गेहू की फसल मे एक बार यूज होती है। यूरिया खाद 2, 3 या 4 बार डाली जाती है। इसलिए इसकी एक नि चत तिथि होती है जब नवम्बर दिसम्बर मे गेहू की फसल बोर्ड जाती है क्योकि हर साल इसकी नि चत डेट होती है, इसलिए उस समय इस पर थोडा सा ध्यान अव य देना चाहिए। उस समय मे मुताबिक यदि इसे स्टोर कर दिया जाए तो किसी प्रकार की खाद की कमी नही होगी। इसी प्रकार जो हमारी बाजरे की फसल होती

है, बाजरे की फसल बोने के लिए जो बीज होता है, उसकी कई बार कमी हो जाती है। उसकी बिजाई का समय अनि चत होता है, गेहू चने की बिजाई का समय नि चत होता है लेकिन बाजरे की फसल वर्शा के मुताबिक बोई जाती है। यदि वर्शा एक महीने पहले हो जाती है तो बिजाई भी पहले हो जाती है। यदि वर्शा लेट हो जाती है तो बिजाई भी लेट हो जाती है।

17.00 बजे

इसलिये इन बातो की तरफ ध्यान देकर हमे समय पर कर्यवाही करनी चाहिए। इसके साथ ही ि ाक्षा के क्षेत्र मे जो उन्नति हुई है नये नये स्कूल, कालेज खोले गये है, उसके लिए मै सरकार का धन्यवाद करता हू। परन्तु प्राईवेट स्कूलो मे जो बच्चे पढते है वे सरकारी स्कूलो मे पढनें वाले बच्चो की अपेक्षा ज्यादा इटैलीजेंट होते है। इस तरफ भी सरकार को ध्यान देना पडेगा और इस कमी को पूरा करना होगा। अगर पढाई इसी तरह से होती रहे तो हमारी जो सरकारी संस्थाये है वे पीछे हटती जायेगी और प्राईवेट संस्थाये आगे बढती जायेगी। इसलिए इसमे सुधार की और ज्यादा से ज्यादा ध्यान देना होगा। इसके साथ ही विभिन्न प्रकार के कार्यो पर जो बजट अनुमान दिखाया गया है, उनको मजूंर करने से लेकर, जंहा पर पैसा लगता है उसे वहां तक पहुचाने की व्यवस्था पर हमे थोडा बहुत ध्यान देना पडेगा। जहा पर उस पैसे को लगना है अगर हम उसे सही तरीके से पहुंचाने मे कामयाब हो जायैगे तो उस दिन भारतवर्श मे ऐसा

कोई काम नही रहेगा जो कि अधूरा रह जायेगा। परिणामस्वरूप हमे विदे ाो से किसी चीज को मांगना नही पडेगा। जिस दिन यह व्यवस्था ठीक हो जायेगी उस दिन हमारे अपने कार्य पूरे होने लगेगे और हम दूसरे दे ाो से पैसा लेने की जरूरत नही होगी। हमने ि ाक्षा के क्षेत्र मे जो उन्नति ही है, बिजली के क्षेत्र मे जो उन्नति की है, कृशि के क्षेत्र मे जो उन्नति की है उसके लिए मै सरकार का धन्यवाद करता हू। जो बजट इस हाउस मे पढा गया है उसका समर्थना करते हुए मै एक बार फिर आपका धन्यवाद करता हू। जय हिन्द।

श्री ओमप्रका ा जैन पानीपतः अध्यक्ष महोदय, बजट पर बोलने के लिए जो आपने मुझें समय दिया है, इसके लिए मै आपका अभारी हू। इसके साथ साथ मे वित मंत्री श्री चरण दास भाोरेवाला जी का भी आभार प्रकट करता हू जिन्होने एक बहुत बढिया बजट हरियाणा की जनता के सामने पे ा किया है जिससे हर वर्ग को चाहे वह किसान हो, व्यापारी हो, या मजदूर हो, सभी वर्गा को लाभ मिलेगा। यह बजट हरियाणा की प्रगति मे बडा भारी काम देगा। लेकिन दुर्भाग्य इस बात का है कि अपोजि ान के भाई इस बजट सै ान मे पहले से ही अपना मन बनाकर आये थे कि उन्होन सदन से वाक आउट करना है।

श्री अध्यक्षः जैन साहब इसलिए तो आपको बोलने का पूरा समय मिल गया है।

श्री ओम प्रका ा नैनः अध्यक्ष महोदय, अपोजि ान के भाई सदन मे नही बैठे है लेकिन हमारे प्रैस के भाई तो बैठे होगे। मै उनसे प्रैस के माध्यम से पूछना चाहूगा कि क्या जनता ने उन्हे इस बात के लिए चुनाव जितकर भेजा था कि वे हर बात के लिए बाईकाट करे, सदन से बाहर उठकर चले जाये ? बल्कि उनके हितो की रक्षा के बारे मे सदन मे अपनी बात कहने के लिए जनता ने उन्हे यहां भेजा था। अपोजी ान के भाइयो को चाहिये कि वे अच्छे तरीके से बजट पर बहस करते और सरकारी पक्ष की तरफ से यदि कोई कमी होती तो उसके बारे मे भी कुछ सुझाव देते। लेकिन चलो वह तो उनके और जनता के भाग्य की बात है। अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी हरियाणा कें निर्माता है। उन्होने राज्य का मुख्यमंत्री बनते ही हरियाणा की जनता के हितो के लिए जो कार्य करना भुरू किया वह असत्या सराहनीय है। कोई भी इन्सान ऐसे काम नही कर सकता है। इन्होने मंत्री बनते ही जो ड्रैनज का कार्य किया, हर टेल तक पानी पहुचाया, हर ड्रैन को साफ किया, ये प्र ांसनीय कार्य है। हरियाणा मे पहले कितनी बाढे आया करती थी, फसलो को कितना नुकसान हुआ करता था, आप जानते है कि 1995 मे बाढ आया करती थी, फसलो का कितना भारी नुकसान हुआ था। लेकिन 1996 मे चौधरी बसी लाल जी की सरकार आते ही एक एक ड्रैन की सफाई का कार्य इन्होने खुद अपने सामने करवाया है, उसके बाद हरियाणा मे बाढ की वजह से कोई खास नुकसान नही हुआ है। इसी प्रकार चौधरी बसी लाल जी ने नहरो के टेल तक पानी पहुचाने का कार्य किया।

वे मेरे हल्के पानीपत मे गए थे तथा खुद नहरो के टेल तक पानी पहुंचाने का कार्य किया। वे मेरे हल्के पानीपत मे गए थे तथा खुद नहरो के टेल पर भी गए थे। पिछले 18–20 सालो से आज तक किसी ने एक ईट भी नही लगाई थी, नहरो मे गाद भरी पडी थी। मेरे हल्के के बिजोल गांव का एक पुल टूटा पडा था जो चौधरी बंसी लाल जी ने केवल 3 महीने मे बनवाया तथा टेल तक पानी पंहुचाने का कार्य भी किया। अब मै सहकारिता विभाग के बारे मे कुछ कहना चाहता हू। आप जानते है कि हरियाणा भुगर मिलों का कितना बुरा हाल था। पानीपत भुगर मिल भी अगर हमारी सरकार नही आती, तो बंद हो जानी थी। चौधरी बसी लाल जी ने मुख्यमंत्री बनते ही भुगर मिलो की हालत देखा व खुद मौके पर जाकर लोगो को उनकी पेमैंट देने का वि वास दिलाया। 3–4 सालो से लोगो की पेमैंट रूकी पडी थी, जिसकी वजह से किसानो की बुरी हालत थी, वे पैसे के बिना न कोई भाादी वगैरहा परिवार के अंदर कर सकते थे और न अपनी जमीन की देखभाल कर सकते थे।

सारे हरियाणा के किसानो का कुल 55 करोड रूपये बकाया था तथा अकेले पानीपत भुगर मिल का 13 करोड रूपये का बकाया था, जो कि इस सरकार ने आते ही अंदा कर दिया। सभी भुगर मिलों की मुरम्मत करवाई व पानीपत भुगर मिल जो बंद पडी थी, उसको चालू करवाया तथा अब गन्ने की नकद पेमैंट की जा रही है। अध्यक्ष महोदय, हमारे विपक्ष के भाई कह रहे थे

कि यू0पी0 से गन्ना क्यो खरीद रहे है? विपक्ष के भाईयो को यह नही मालूम कि इन्होने भुगर मिलो की इतनी हालत खराब कर दी थी कि किसान भाइयो ने गन्ने की बिजाई बंद कर दी थी। इस प्रकार से गन्ने की बिजाई बंद होने की वजह से गन्ने की प्रदे ा के अंदर कमी हो गई तथा गन्ने की कमी के कारण यदि भुगर मिल बंद करेगे तो भी उचित नही होगा। इसलिए गन्ने की प्रदे ा के अंदर कमी की वजह से हमे अपने साथ लगते राज्य उतर प्रदे ा से मजबूत गन्ना खरीदना पडा ताकि हमारी भुगर मिले सुचारू रूप से चल सके। अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से चौधरी बसी लाल जी ने हरियाणा के अंदर दो नए जिले बनाए है। जिले तो पिछली सरकारो ने भी बनाए थे लेकिन किसी ने भी इस बात के लिए कभी नही सोचा कि हर जिले के अंदर एक लघु सचिवालय भी होना चाहिए। बहुत सालो मे जिलो मे लुघ सचिवालय निर्माण का कार्य रूका हुआ था। इन्होने आते ही हर जिले के अंदर एक लघु सचिवालय बनाने का एलान किया। एलान ही नही, ये जो कहते है, वही करते भी है। हर जिले के अंदर लघु सचिवालय निर्माण का कार्य चल रहा है। लेकिन किसी वजह से, मालूम नही, मेरा पानीपत हल्का, जो कि एक नया जिला है, उस मे लघु सचिवालय नही बनाया जा रहा है। हरियाणा मे 19 जिले है तथा 18 जिलो मे तो लघु सचिवालय बनाए जा रहे है तथा कुछ ही दिनो मे उनका कार्य भी पूर्ण हो जाएगा, लेकिन मै आपके माध्यम से दरखास्त करूगां कि हमारे पानीपत जिले मे अभी तक लघु सचिवालय बनाने का कार्य नही हुआ है। चौधरी भजन

लाल ने इसके लिए एक झूठा पत्थर जरूर रख दिया था, तथा वह जमीन डिफैस की थी। वह डिफैस की जमीन कनवर्ट नही हुई। अध्यक्ष महोदय, मेरी माननीय मुख्यमंत्री महोदय से प्रार्थना है कि वे पानीपत मे जमीन लेकर एक मिनी सचिवालय बनवा दे तो बडी मेहरबानी होगी। अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से ि ाक्षा के क्षेत्र मे भी हमारी सरकार ने सता मे आने के बाद बहुत अच्छे काम किये है, बहुत से स्कूलो को अपग्रेड किया है, कई जगहो पर कालेज बनाये है। मेरी प्रार्थना यह है कि पानीपत बहुत बडा भाहर है, वहां की आबादी लगभग 5 लाख है और वहां पर गवर्नमैंट कालेज नही है इसलिए वहां पर एक गवर्नमैंट कालेज बनाया दिया जाये। चौधरी बंसी लाल जी के सता सभांलने के बाद हरियाणा प्रदे ा के हर क्षेत्र मे विकास हुआ है। उनसे पहले की सरकार द्वारा जो भी सहायता दी जाती थी, वह समय पर नही मिलती थी, लेकिन हमारी सरकार के बनते ही हर किसी को जो भी सुविधा दी जाती हे, वह समय पर मिल जाती है। पुरानी सरकार के समय मे वृद्धावस्था पैं ान समय पर नही मिलती थी लेकिन हमारी सरकार के समय मे सही टाईम पर हर महीने वृद्धावस्था पै ांन मिल जाती है। इतना ही नही हर किसान को समय पर खाद और बीज भी मिल जाता है। इस प्रकार से चौधरी बंसी लाल जी ने हर क्षेंत्र मे सराहनीया काम किया है। कई जगह बिजली के नये प्लांट लगाये है और पानीपत मे भी बिजली की छठी यूनिट का काम भुरू हो गया है और जल्दी ही पूदा हो जायेगा। इसके अतिरिक्त, अध्यक्ष महोदय, फरीदाबाद मे भी एक प्लांट लगाया गया और छोटे छोटे

प्लांट कई जगह लगाये है। अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी बडे ही दूरद र्ीं व्यक्ति है, ये आगामी बीस साल की स्कीम बनाकर चलते है। चौधरी बंसी लाल जी यमुनानगर और हिसार मे भी बिजली का प्लांट लगाने के बारे मे सोच रहे है। 6 महीने के बाद हरियाणा प्रदे ा मे 24 के 24 घंटे बिजली लोगो को मिलनी लगेगी। उसके बाद हमारे विपक्ष के भाई बिजली के बारे कुछ भी नही कर सकेग। अध्यक्ष महोदय, जिस समय हरियाणा प्रदे ा मे किसानो, उधोगपतियो और व्यापारियो को 24 घण्टे बिजली मिलने लगेगी तो इन सभी क्षेत्रो मे काफी विकास होगा। इतना ही नही इससे बेरोजगारो को भी रोजगार मिलेगा व सब लोग खु ाहाला होगे। मै समझता हू कि हमारे विरोधी भाइयो के पेट दर्द इसलिए हो रहा है कि जब सब काम हम ही कर देगे तो वे जनता को क्या वायदा करेगे? अध्यक्ष महोदय, कल मेरे विरोधी भाई कह रहे थे कि आपको कुर्सी पर नही बैठना चाहिए। यह बहुत ही गलत बात है, उनको ऐसा नही करना चाहिए था। इस बात मे बिल्कुल भी दम नही है। उन्होन हाउस से बाहर जाने के लिए ही यह तरीका ढूंढा है। अध्यक्ष महोदय, भाुरू के दो दिन सै ान बडे ही भाांतिपूर्ण ढंग से चला था और मेरे विपक्ष के भाईयो ने देखा कि सै ान इतनी अच्छी तरह से चल रहा है, कोई मुद्दा तो उनके पास उठाने के लिए था नही, क्योकि मुद्दा बनाने के लिए कोई बात चाहिए लेकिन उन्होने बगैर किसी बात के अध्यक्ष महोदय, आप को कुर्सी पर से उठाने का मुद्दा बना दिया। अध्यक्ष महोदय आज चौधरी बसी लाल जी की सरकार के खिलाफ किसी भी

व्यक्ति के पास कोई मुद्दा नही है क्योकि चौधरी बंसी लाल जी कोई ऐसी बात नही करते जिससे जनता को परे ाानी हो, वे तो रात के बारह बजे तक जनता की भलाई के लिए काम करते रहते है। चौधरी बंसी लाल जी रात को तब तक नही सोते जब तक वे हरियाणा प्रदे ा के हर जिले मे हर महकमे की रिपोर्ट नही ले लेते। अध्यक्ष महोदय मै आपको बताना चाहता हू कि चौधरी बंसी लाल जी कर्मठ, मेहतनी और विकास पुरूश है, ऐसा मुख्यमंत्री भाायद ही किसी दूसरे स्टेट मे हो। जिस तरह से चौधरी बसी लाल जी हरियाणा प्रदे ा के विकास के लिए मेहनत कर रहे है, उसके लिए हरियाणा की जनता भी उनकी तारीफ करती है। अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार के सभी सदस्यगण मेहनती है तथा अपना कार्य को पूरी इमानदारी के साथ करते है। अध्यक्ष महोदय, मै मुख्यमंत्री महोदय सहित हरियाणा के सभी मंत्रियो का धन्यवादी हू तथा खासतौर से वितमंत्री, श्री चरण दास भाोरेवाला जी का आभारी हू क्योकि उन्होने इस साल का जो बजट प्रस्तुत किया है उसमे हर सैक्टर के लोगो को खु ा किया है, उन्होने इस साल का बिल्कुल कर रहित बजट पस्तुत किया है। हालांकि पिछली बार भी भाराबबन्दी के समय कोई खास टैक्स नही लगाये गये थे लेकिन हमारे विपक्ष के भाई फिजूल मे ही कहने लगे थे कि सरकार ने दुनिया भर के टैक्स लगा दिये। उन भाईयो ने यह भी बहुत कहा कि जीरी की फसल लुटती फिरी। खाद एवम आपूर्ति मंत्री जी भी यहां बैठे है। मै बताना चांहूगा कि यह रिकार्ड की बात है कि जीरी की फसल के रेट जो इस सरकार ने दिये है वह

अपने आप मे एक रिकार्ड है और आज तक किसी भी सरकार ने इतने रेट नही दिये। 2300–2400 रूपये प्रति क्विंटल तक जीरी बिकी है। फिजूल मे ही विपक्षी सदस्य यह मुद्दा उठाते थे। हमारी सरकार और वित मंत्री जी ने इस बजट मे हर बात का ख्याल रखा है। इस बजट मे मजदूर, किसान और व्यापारी सभी का ध्यान रखा गया है। आप देखगे कि इस बढिया बजट की वजह से हमारे प्रदे ा के अन्दर आने वाले समय मे तरक्की होगी। यह बजट हमारी जनता के लिये हितकारी एवम लाभकारी है। अन्त मे, मै एक बात फिर वित मंत्री जी और मुख्यमंत्री जी का आभार प्रकट करता हू। अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया, इसके लिए मै आपका भी धन्यवाद करता हू।

पर्यटन राज्य मंत्री (श्री राम भजन अग्रवाल): आदरणीय अध्यक्ष महोदय, आज वित मंत्री ने जो बजट इस सदन मे पे ा किया है वह एक सराहनीय बजट है। बजट के अन्दर कोई भी टैक्स नही लगाये गये है। बगैर टैक्स लगाये ही आज हरियाणा प्रान्त के अन्दर इनते अधिक विकास कार्य हो रहे है जिनकी गणना करना भी मु कल है। चौधरी बसी लाल जी एक ऐसे मुख्यमंत्री है जिन्हे न तो खाने का भौक है और न पहनने का भौक है। अगर उन्हे किसी चीज का भौक है तो वह केवल स्टेट के अन्दर डिवैल्पमैंट के कार्य कराने का है। अध्यक्ष महोदय, इस सरकार ने पिछले दिनो बिजली के उत्पादन के लिये नये नये कारखानो को जन्म दिया वे चाहे फरीदाबाद मे हो या पानीपत मे हो। कितनी

भारी इन्वैस्टमैन्ट और लगन से इन मे काम चल रहा है, आप जानते है। जैसे कि पहले भी बताया जा चुका है कि जून माह तक सारे प्रांत को 24 घण्टे बिजली मिलने लगेगी। इसके अलावा जंहा तक सडको की बात है, सडको मे अभी कुछ कमी है। जैसे कि मुख्यमंत्री जी ने कल भी बताया था कुछ सडकों को नै ानल हाइवे मे बदल दिया गया है और बाकी सडको के निर्माण के लिए सरकार काफी प्रयत्न ील है। इन सडको के निर्माण का काम युद्धस्तर पर भुरू कर दिया गया है। पिछले दिनो मौसम अनुकूल नही रहा क्योकि पहले जब गर्मी थी तो बेमौसमी बारि ा आती रही फिर जब सर्दी आई तो धुन्ध की वजह से बी0एंड0आर0 वाले काम नही कर पाये, फिर भी वे सडको के निर्माण कार्य मे जुट हुये है। आप देखगे कि आने वाले कुछ महीने मे सडको का बहुत तेजी से निर्माण होगा। प्रदे ा के अन्दर बिजली एवम सडको का जाल बिछ जायेगा। जब ये दोनो व्यवस्थाए सुचारू रूप से चलने लगेगी तब इन विपक्ष के भाईयो के भाइयो के पास कहने के लिए कोई मुद्दा ही नही रहेगा। अध्यक्ष महोदय, स्टेट के अन्दर अन्य क्षेत्रो मे भी काफी उन्नति हो रही है। कितने ही स्कूलो और अस्पतालो का काम चल रहा है, कितने ही स्कूल अपग्रेड हो गये है, किनते ही इंजीनियरिंग कालेज तथा दूसरे हाई लैवल के कालेज सरकारी एवम गैर सरकारी क्षेत्रो मे स्थापित किये गये है। आज हमारी स्टेट के अन्दर ि ाक्षा के क्षेत्र मे अत्याधिक उन्नति हो रही है। इसी तरह से अस्पतालो को अपग्रेड किया गया है और कई जगह नये नये 50–50 बैड के अस्पताल या दूसरे छोटे छोटे

अस्पताल खोले जा रहे है इसके अलावा इस स्टेट के अन्दर पोलियो उन्मूलन तथा दूसरी कई बिमारियो की रोकथाम अथवा उपचार के लिये काम हो रहा है। चुनावो के दौरान हमारे मुख्यमंत्री जी ने कहा था कि हर सात तारीख को बुढापा पैं ान देगे जो कि हर सात तारीख को मिल रही है। इसके अलावा चुनावो के दौरान और भी जो वायदे जनता से किये गये थे उन्हे ज्यादा से ज्यादा पूर्ण किया जा रहा है चाहे वह बुढाप पै ांन का वायदा हो, चाहे औधोगिकरण का वायदा हो, चाहे नहरो के विकास का वायदा हो या खेती बाडी से सबंधित वायदा हो। 24 घण्टे बिजली देने का वायदा हम 30 जून तक पूरा करने जा रहे है। इसके अलावा नहरो की टेल तक पानी पहुचा दिया गया है। नहरो के अन्दर जो घास वहैरह जमा हुआ था उसे पिछले दो सालो मे साफ कर के नहरो का सुधार किया गया है तथा आने वाले समय जो घास वहैरह जमा हुआ था उसे पिछले दो सालो मे साफ कर के नहरो का सुधार किया गया है तथा आने वाले समय मे और भी सुधार किया जाना है। कई क्षेत्रो मे नई नहरे बनाई जा रही है, कई नये रजबाहे और माईनर भी बनाये जा रहे है। मेरे विरोधी पक्ष के भाई यहा हाउस मे नही है। पिछले दिनो उन्होने सदन को गुमराह करने की कोि ा ा की थी कि यह सरकार कोई विकास का काम नही कर रही है। अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार विकास के इतने काम कर रही है कि आने वाले समय मे जनता विपक्षी भाइयो को गावों मे नही घुसने देगी और वे यहां हाउस के अन्दर बैठने के लायक नही रहेगे। हमारी सरकार

प्रदे ा के अन्दर विकास के कार्य बहुत तेजी से कर रही है। मेरे विरोधी पक्ष के भाइयो को केवल एक ही मकसद है कि यहां हाउस मे भाोर मचांए और हाउस को ठीक ढग से न चलने दे ताकि उनका नाम अखबारो मे आ जाए। स्पीकर साहब, कहा जाता है कि बदनाम होगे तो क्या, नाम तो कमाते है चाहे वह बदनामी से कमाते है। उनकी भी यही हालत है। जहां तक कानून एवम व्यवस्था की बात है मै उन लोगो को बताना चाहता हू कि प्रदे ा के अन्दर कानून एवम व्यवस्था की स्थिति पहले से बहुंत ठीक होती जा रही है। पिछले दिनो बहादुरगढ मे जो बेबी किल्लर था उसको हमारे पुलिस ने पकड लिया। पुलिस ने सही आदमी को पकडा, जिसने सारे गुनाह स्वीकार कर लिए। इस मामले मे जो पहले नकदी आदमी पकडा गया था, उसकी हत्या कर दी गई थी। आज आप देख रहे है कि प्रदे ा के अन्दर हर दि ाा मे तरक्की हो रही है, यह बात मेरे विरोधी पक्ष के भाइयो को बर्दा त नही हो रही है। सरकार पर गलत इल्जाम लगाना उनका काम है। हमारे आदरणीय मुख्यमंत्री दिन रात अपनी योजनाओ को पूरा करने मे लगे रहते है। ज्यादातर योजनांए अभी बन रही है जिनके क्रियान्वित होने पर आप देखगे कि हरियाणा चमकने लग जाएगा। सभी कहते कि हरियाणा स्टेट के निर्माता चौधरी बंसी लाल जी है। चौधरी बंसी लाल ने स्टेट के निर्माण मे पहले भी दिन रात एक कर दिया था और अब भी दिन रात प्रदे ा के विकास कार्यो मे वे लगे रहते है मेरे विरोधी भाइयों की पार्टी का जब राज रहा तो स्टेट के अन्दर चाहे सडको की मुरम्म्त हो, चाहे किसी बिल्डिंग

की मुरम्मत हो और चाहे कोई दूसरे काम हो, वे नही हो पाए। यह सरकार टूटी पडी हुई सडको पर एक थेकली भी नही लगा पाई। हमारे आदरणीय मुख्यमंत्री चौधरी बंसी लाल जी स्टेट की डिवैल्पमैंट के कार्यो मे अपना पूरा समय लगा रहे है। वे अधिकारियों से सम्पर्क करते रहते है और दिन रात योजनांए बनाते रहते है कि प्रदे ा के किस क्षेत्र मे किसी चीज की कमी है? वे हर काम को मुकम्मल करने के लिए तत्पर है। जौ नै ानल हाईवे है, उन पर भारत सरकार का पैसा लगेगा तथा उनकी मुरम्मत बहुत जल्दी हो जाएगी। जो स्टेट हाईवे और दूसरे लिंक रोडज है उनकी मुरम्मत का काम पिछले एक डेढ महीने से भुरू कर दिया गया है। सडको की मुरम्मत के काम मे पूरी तवजो दी जा रही है। अगर मौसम अनुकूल रहेगा तो यह काम 6 महीने मे पूरा हो जाएगा। आप देख रहे है कि प्रदे ा के अन्दर विकास के कार्य बहुत तीव्र गति से हो रहे है। चौधरी बसी लाल जी को हरियाणा का निर्माता कहा जाता है, वे ही हरियाणा को दोबारा से चमका देगे। मेरे विरोधी भाइयो को तो अपने घर भरने के अलावा कोई दूसरा काम नजर नही आता है। उनको तो केवल अपना घर भरना, अपने रि तेदारो को ऊपर उठाना और अपने होटल बनाना इस तरह के कामो की चिन्ता रहती है, उनको स्टेट से क्या लेना देना। जब मां बाप को दुखी देखती है तो लेकिन चौधरी बसी लाल जी हरियाणा प्रदे ा को अपने समझते है। अगर हरियाणा की जनता को कोई तकलीफ होती हे तो उनको उसका दुख होता है और ये सोचते हे कि मेरे हरियाणा की जनता को तकलीफ क्यों

है? बदकिस्मती से प्रदे ा का भाासन कांग्रेस पार्टी के हाथ मे रहा उनको इस बात का कोई ख्याल नही था कि जनता की दुर्द ाा क्यो है और जनता को क्या तकलीफ है? इस बात का उनको कतई ख्याल नही था। उनको तो अपने रि तेदारो और अपने घर भरने का ही ख्याल रहता था। पिछले दिनो जो पुलिस की भर्ती हुई उसमे मैरिट के आधार पर भर्ती की गई। दूसरी नौकरियो के लिए जो भर्ती की गई वह भी मैरिट के आधार पर की गई। पिछली सरकार के समय मे रि वत के आधार पर भर्ती होती थी, जैसा कि इसको ले लो, इसको निकाल दो। इस सरकार के समय मे मैरिट के आधार पर भर्ती हुई है तथा आगे भी होगी जिसके कारण आने वाले समय मे अधिकारी भी ठीक होगे। पीछे जो नियुक्तियों होती थी वे मैरिट के आधार पर नही होती थी। उस वक्त न मैरिट का सवाल था और न क्वालिफिके ान का कोई सवाल होता था। वे तो ऐसे ही काम करते रहते थे। पिछले 15–20 साल से स्टेट का ढांचा बिगडा हुआ था उसको सुधारने मे वक्त तो लगना ही है। जैसे कोई नई बिल्डिंग बनानी हो तो वह बहुत जल्दी बन कर तैयार हो जाती है लेकिन यदि किसी पुरानी बिल्डिंग को या किसी खण्डहर को तोडकर उसे बिल्डिंग का रूप देना हो तो उसमे नई बिल्डिंग बनाने मे जो समय लगना होता है अपेक्षाकृत, उससे अधिक समय लगता है। यही हालत आज प्रदें ा की है। 15–20 साल से जो इस प्रदे ा की हालत बनी हुई है उसे ठीक करने मे समय लगेगा। हमारे मुख्यमंत्री अपने पद्रे ा की भलाई के लिए दिन रात लगे रहते है क्योंकि उनको अपने प्रदे ा

से बहुत प्यार है। अध्यक्ष महोदय, जो बात हम कह रहे है, उसे कहने मे मजा नही आ रहा है क्योकि हमारे विरोधी पक्ष के भाई आज हमारे बीच मे नही बैठे है। उनको यहां पर बैठना चाहिए था। वे अपना कीमती सुझाव सरकार को देते। उनका तो सिर्फ नोक झौंक करने का काम रहता है। वे तो चाहते है कि आप उन्हे किसी तरह से यहा से निकाल दे, उनको सस्पैड कर दे। जैसे काम न करने वाल अधिकारी यह चाहता है कि मुझे सस्पैड कर दो ताकि मै घर बैठी आधी पे लेता रहू, ये भी इसी तरह चाहते है कि उन्हे स्टेट की, अपने जिले की या अपने हल्के की भलाई की बात न करनी पडे तथा झगडा करे और उन्हे सदन से बाहर निकाल दिया जाये। वे तो कोई न कोई बहाना करके यहां से जाना चाहते हैं। वे प्रदे ा के विकास की बात करना ही नही चाहते तथा न ही कोई तर्क की बात करना चाहते है। ऐसी हालत मे हमारे मुख्यमंत्री पर बहुत अधिक बोझ है। वे सारी जनता का बोझ अपना समझते है। हमारे विरोधी भाई अपने हल्के की, जिले की कोई अच्छी बात कहे, बजाए इसके उनका सिर्फ एक ही उद्दे ाय रहता है कि किस तरह से सदन की कार्यवाही मे बाधा उत्पन्न करे ताकि सरकार का ध्यान विकास कार्यो की तरफ से हटकर उनकी तरफ लगा रहे। सरकार सारे हरियाणा के विकास की बात सोच रही है। हमारे मंत्रीगण व सदस्यगण चाहते है कि हरियाणा प्रदे ा का अधिक से अधिक विकास हो और भला हो। हरियाणा को चौधरी बसी लाल जी ने अपने हाथो से बनाया है और आगे बढाया है। मै बताना चाहूंगा कि चौधरी बसी लाल जी के नेतृत्व मे आने वाले

दो सालो मे हरियाणा मे इतनी अधिक उन्नीत हो जायेगी कि इन भाईयो को सरकार के विरूद्ध बोलने के लिए कोई भाब्द नही मिल पायेगा। यहा पर बिजली पानी की पूरी व्यवस्था हो जायेगी। पीने के पानी के लिए हमने अनेक नये वाटरवर्कस बनाए है और बना रहे है। हम हर खेत को पानी देगे। पीने के पानी की व्यवस्था के लिए हमने 3–4 गावों के साथ एक बूस्टर लगा दिया है ताकि पानी की ठीक ढंग से सप्लाई हो सके। इसी प्रकार से स्टेट के अंदर जो ग्रामीण व भाहरी सडके टूटी हुई थी, उनको रिपेयर किया गया है और जो सडके रह गई है उनकी मुरम्मत का काम भी जल्दी ही पूरा कर देगे। हमारी सरकार स्टेट के अन्दर पीने के पानी की व्यवस्था को पूरा कर देगी और साथ ही सारी सडको की रिपेयर भी बहुत ही जल्दी करने जा रही है। अब हमारे अपोजि ान के भाइयो के पास भाोर मचाने के अलावा कोई मुद्दा ही नही है। आदरणीय अध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से मै यह बताना चाहूंगा कि यह प्रान्त चौधरी बंसी लाल जी का अपना प्रान्त है। जैसे हिन्दूस्तान को सोने की चिडिया कहा जाता था उस तरह से इस दे ा के अन्दर इस स्टेट को सोने की चिडिया कहा जाता है तथा यह स्टेट भर मे जो आज जो दूसरे या तीसरे नम्बर पर है इसको वे पहले नम्बर की स्टेट बना देगे। प्रत्येक व्यक्ति की आमदनी बढा कर हमारी सरकार यह दिखा देगी कि हरियाणा एक छोटा सा प्रान्त होते हुए भी दे ा का एक अग्रणी बढा उन्नत प्रान्त है। आदरणीय वित मंत्री जी ने जो बजट पे ा किया है उसमे जो रूपरेखा उन्होने बताई है वह सराहनीय हैं कोई भी वित

मंत्री बगैर टैक्स लगाए डिवैल्पमैंट की बात नही कर सकता लेकिन हमारे वित मंत्री ने आदरणीय मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व मे जनता पर बगैर कोई टैक्स का बोझ डाले एक भाानदार डिवैल्पमैंट करने वाला बजट प्रस्तुत किया है। अध्यक्ष महोदय, आपने देखा है कि महामहिम आदरणीय राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाशण मे बताया है कि प्रदे ा के अन्दर क्या क्या होने जा रहे है और कौन कौन सी स्कीम भाुरू की जा रही है? कोई भी काम होती है तो वह पैसे से ही होता है। अध्यक्ष महोदय, पिछले दो सालो मे भाराबबन्दी की वजह से हमारी अर्थ व्यवस्था चरमरा गई थी और हमारे पास फण्डज नही थे। फण्डज ने होते हुए भी आदरणीय मुख्यमंत्री जी ने चाहे कही से और कैसे भी पैसे को अरेंज किया, चाहे वर्ल्ड बैंक से लोन लिया और चाहे कही दूसरी तरफ से पैसे का इन्तजाम किया लेकिन डिवैल्पमैंट के काम भाुरू किए। आज भाराबबन्दी खत्म होने के बाद कुझ सांस आया है। लेकिन इसके साथ ही साथ फिफ्थ पे कमी ान को लागू करने से बहुत भारी बोझ हम पर आ गया है। अध्यक्ष महोदय, पैसे का अभाव होतें हुए भी हमने फिफ्थ पे कमी ान लागू कर कर्मचारियों की तनख्वाहे और भते बढाए है। अध्यक्ष महोदय, आज प्रान्त के किसी भी हिस्से मे चले जाए हर तरफ उन्नति और चहुमुखी विकास हो रहा है। इस चहुमुखी उन्नति को देखते हुए मै समझता हू कि आदरणीय मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व मे यह प्रान्त दे ा का पहले नम्बर का प्रान्त होगा और लोगो को यह दिखाई देगा कि डिवैल्पमैट किस तरह होती है और विकास कार्य किस प्रकार से होते है। अध्यक्ष

महोदय, चारो तरफ रि वत का बोलबोला था, थाने बिकते थे और नौकरियां बिकती थी लेकिन यह सरकार वह सब खत्म करके प्रान्त को हर क्षेत्र मे आने ले जा रही है।

श्री अध्यक्षः मंत्री जी, क्या आपकी कोई ऐसी योजना है, जिसके तहत गांवो मे पर्यटन केन्द्र स्थापित किये जो रहे है।?

श्री राम भजन अग्रवालः अध्यक्ष महोदय, हमारे प्रदे ा के अन्दर अभी 44 पर्यटन केन्द्र है और कई नये पर्यटन केन्द्र हर राई, हांसी, सिवानी मे खोलने जा रहे है। पेहवा मे भी एक नया पर्यटन केन्द्र खोलने जा रहे है। जहां तक ग्रामीण क्षेत्रो की बात है तो हांसी मे बहुत जल्दी ही पर्यटन चालू होने वाले है इसके साथ ही साथ रोहतक मे फास्ट फूड केन्द्र बनाया जा रहा है। इसके अन्दर छः बडे कमरे बनाए गए है। अब जब आप उस और जाएगे तो आपको सैनी साहब के गांव मे रूकने की भी सुविधा मिलेगी। इसके साथ ही हमने एक नयी स्कीम चालू की है। (विघ्न) स्पीकर साहब, गावों मे भी कई तरह की स्कीमे हम चला रहे है। गावों के अन्दर हम ज्वांयट वैंचर इण्ट्रोडयूस कर रहे है। हरियाणा के पास कोई ऐसा स्थान नही है, ऐसा कोई रीवर नही है, ऐसा कोई पहाड नही है परन्तु ये सब न होते हुए भी आज जब हम आंल इण्डिया लैवल पर टूरिज्म की मीटिगों मे जाते है तो सभी लोग इस बात को सराहते है कि टूरिज्म के क्षेत्र मे हरियाणा सबसे आगे है। अध्यक्ष महोदय, हमने ज्वायंट वैंचर भी भाुरू किया है और प्राइवेट सैक्टर मे भी हम इस को बढावा देने जा रहे है।

ज्वायंट वैचंर के लिए आप सभी लोगो से मेरा आग्रह है कि आप लोगो को बताइये कि ज्वांयट वैचर मे कोई पार्क बनाना हो या कोई होटल बनाना हो तो हम उसके लिए 33 साल तक जमीन फ्री देते है और उसके टर्न ओवर का मामूली हिस्सा लेते है। मुरथल मे ज्वांयट वैयर के लिए आज भी मेरे पास एक दो पार्टियो आई थी। हमने इसके लिए एडवरटाईज किया है और नै ानल हाईव पर हम तीन गावो को चुनेगे। मै यह भी कहना चाहूंगा कि वहां पर उन गावों के लोगो को ही काम देगे, उन्ही को सर्विस देगे और वे ही टूरिज्म कम्पलैक्सिज चलाएगे। इन टूरिज्म कम्पलैक्सिज मे ट्रेन्ड स्आंफ होगा। अगर उन गावों मे 2–4 बच्चे होटल मैनेजमैंट का कोर्स किए होगे तो वे ही वहां पर काम करेगे। हम जल्दी ही गांवो फास्ट फूड सैंटर खोलकर गावों के अन्दर टूरिज्म योजना को आने ले जा रहे है। जंहा तक खाने की सिस्टम की बात है, हमारा विभाग केवल तीन रूपए मे चाय देता है और फाईव स्टार होटल मे भी हाफ सैट चाय केवल आठ रूपये मे दे रहे है। अध्यक्ष महोदय, आप जानते है कि जितनी चीनी डालेगे उतना ही मीठा होगा। हम तीन रूपए की चाय फास्ट फूड मे देते है और दूसरी जगहो पर चाय 4–5 रूपए मे दी जाती है। अगर कोई पटरी पर हजामत करवाएगा तो 25 पैसे मे वह हजामत हो जाती है और अगर कोई सैलून मे जाएगा तो दो रूपए लगते है। हम इतने सुसज्जित कम्पलैक्सिज मे खाने की और दूसरी सुविधांए भी देते है इसलिए वहां पर कुछ रेट अधिक हो जाता है। हम वहां पर 3 रूपये की चाय, 8–10 रूपए का कोल्ड ड्रिक और 25–30 रूपए की

खाने की थाली देते है। इस थाली मे दो सब्जियां, दही और चपतियां वगैरह होती है। अध्यक्ष महोदय, आज टूरिज्म विभाग हरियाणा के अन्दर और अपना नाम रो ान कर रहा है जबकि हमारे पास साधन कम है। अध्यक्ष महोदय, जल्दी ही विदे ा मे एक कांफ्रेस होने वाली है, हम वहां पर भी हरियाणा के टूरिज्म विभाग का नाम रो ान करेगे।

श्री अध्यक्षः आप मुढांल मे भी टूरिज्म कम्पलैक्स बनवा दे।

श्री राम भजन अग्रवालः अध्यक्ष महोदय, मै मुख्यमंत्री जी से भी आग्रह करूंगा कि विलेजिज में भी टूरिज्म को बढावा दे और जैसा कि अध्यक्ष महोदय, ने मुढांल के बारे मे सुझाव दिया है, वहां पर भी टूरिज्म कम्पलैक्स बनवाया जाए। मुख्यमंत्री जी ने बताया था कि हम नै ानल हाईवे को बढावा दे रहे है मै मुख्यमंत्री जी से कहूगा कि नारनौल से दादरी, भिवानी, जीन्द, कैथल होते हुए नै ानल हाईवे पहले से ही परपोज्ड था। मुझे नही पता कि यह नै ानल हाईव मे क्यो कन्वर्ट नही किया गया। मै आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी से प्रार्थना करूंगा कि यह नै ानल हाईवे जरूर बनाया जाए क्योकि इससे दो फायदे होगे। एक फायदा तो यह होगा कि भिवानी से चण्डीगढ की दूरी कम हो जाएगी। दूसरा फायदा यह होगा कि मुढांल भी इस नै ानल हाईवे के बीच मे आ जाएगा। अध्यक्ष महोदय, अगर आप इसमे मेरे मदद करेगे तथा अगर यह नै ानल हाइवे बन जाएगा तो काफी

फायदा हो जाएगा। अध्यक्ष महोदय, स्टेट के पास सीमित फड्ज होते है और नै ानल हाइवे पर भारत सरकार का पैसा लगता है। जब वह नै ानल हाइवे बन जाएगा तो वहां की सडको की मुरम्मत भी हो जाएगी। अत मे, मै आपका अभार प्रकट करता हू कि आपने मुझे बोलने का समय दिया। धन्यवाद।

खाद्य एवम आपूर्ति मंत्री श्री गणे ी लालः अध्यक्ष महोदय, मै माननीय वित मंत्री जी को हरियाणा की जनता की तरफ से साधुवाद, और बधाई देने के लिए उपस्थित हुआ हू कि उन्होने एक कर मुक्त बजट हरियाणा की जनता को देकर राहत प्रदान की है। मुझे लगता है कि इस बजट के अंदर जो बोनान्जा है उसके माध्यम से जो नयी भाताब्दी आने वाली है, उसमे हरियाणा प्रवे ा करेगा। एक उल्लास भरा हरियाणा, एक समृद्ध ाली हरियाणा और एक ऐसा हरियाणा जिसमे पर कैपिटा इन्कम पूरे हिन्दुस्तान मे सबसे ज्यादा होगी और चौधरी बसी लाल जी के नेतृत्व मे पूरे हिन्दुस्तान मे हरियाणा नम्बर एक का प्रांत बनेगा। अध्यक्ष महोदय, मै इस बजट के अंदर फिग्र्ज के ऊपर नही जाऊगा लेकिन प्र ान उपस्थित होता है कि यह बजट किसके हाथो मे है, कौन सी सरकार का है, और उसका नेता कैसा है? स्वाभाविक रूप मे अगर ऐसा नेता हो, जिसके पास एक मि ान हो, जिसके पास एक विजन हो, जिसकी पूरी सरकार ट्रास्पेरेट, करप्ान फ्री और आनेस्ट हो तो स्वाभाविक रूप से उस सरकार के बजट मे अगर कम पैसा भी होता है तो उसकी आउटकम,

उसका परिणाम बहुत अच्छा होता है। अध्यक्ष महोदय, जंहा तक विपक्ष के माननीय सदस्यो का सबंध है, स्वाभाविक रूप से अब डेमोक्रेसी के अंदर यह लगने लगा है कि जैसे अखबारो को पढा और ग्लेरिंग फैक्ट्स भी ऐसा ही बताते है कि हर दल यह कहने लगा है कि वह दोनो दल मिले हुए है। जैसे यहां पर तीन दल वि ोश रूप से है और यहां पर हरियाणा विकास पार्टी और बी0जे0पी0 की गठबंधन सरकार है तो हर दल दूसरे दलो के बारे मे कहता हू कि साहब ये दल मिले हुए है। सैंटर मे भी कुल मिलाकर ऐसी ही पिक्चर है लेकिन प्र ान उपस्थित होता है कि अगर ट्रायंगल के तीनो वरटैक्स एक दूसरे को खींच रहे है तो झगडा फिर कहां पर है? फिर यह सं ो ान और यह फयूरोर और इस प्रकार की डिसरप् ान और Holding the House to ranson इस सबका अर्थ क्या है ? मुझे यह लगता है कि डेमोक्रेसी का अर्थ यह हो गया है कि किसी तरह उसके सिंहासन पर बैठने के लिए यह हुआ है। परमूटे ान और कम्बीने ान इस प्रकार की यहां कहानी चलती रहती है। वास्तव मे सिहांसन पर बैठने के लिए यह आव यक है तथा डेमोक्रेसी का भी यह तकाजा होना चाहिए जैसे कि वित मंत्री जी ने भी फरमाया है कि नीचे से नीचे की सीढी पर खडा हुआ विकलांग व्यक्ति भी अगर कोई है तो उसमे उसका अश्टावक्र नजर आना चाहिए तभी कोई स्टेट या कोई राश्ट्र तरक्की की तरफ चलता है। ऐसा लगता है कि आज डेमोक्रेसी का अर्थ यह हो गया है कि naturally those who are losing the wickets under some pretext or the other, they will leave the

pavilion and go out without accepting a healthy criticism. वे कोई स्वस्थ परिचर्चा, कोई रचनात्मक सुझाव न देते हुए पत्रकारिता जगत के माध्यम से अपनी ऐसी छवि बनाकर रखना चाहते है कि जैसे इस समय यह सरकार जो भी काम कर रही है, वह सारे हरियाणा की जनता के हितों के विपरीत है और केवल वे ही ऐसे है जो हरियाणा के हितो के लिए जमीन आसमान एक कर सकते है। ये लोग पहले सरकार मे रहे थे, उस समय तो कुछ करते, कुछ करके दिखाते लेकिन इन्होने कुछ नही किया। ये प्राईवेट टांक्स मे कहेगे कि साहब, हम कुछ नही कर पाए तभी हमारी यह दुर्द ाा है और इसलिए अगर कोई करना चाहता है तो वह न करे। इस तरह की इन्होने डेमोक्रेसी बनायी हुई है। मुझे लगता है कि विपक्ष कुछ कहना चाहता है तो वह न करे। इस तरह की इन्होने, डेमोक्रेसी बनायी हुई है। मुझे लगता है कि विपक्ष के जो माननीय सदस्य बाहर चले जाते है, अगर मै उन सबका चित्र प्रस्तुत करूं जैसे श्री जगन नाथ जी और श्री राम बिलास भार्मा जी, उनके प्र ानो के उतर दे रहे थे लेकिन वे गणवार भाब्द के ऊपर भी आपति कर रहे थे जैसे Splitting the healthy questions is always welcomed in democracy and that creates helathy democracy of course but splitting the hearsay वातावरण मे तनाव उपस्थित कर इस प्रकार बनना कि मुझको लगाता है कि डेमोक्रेसी का अर्थ नही है। अध्यक्ष महोदय, मै फिर उसी बात पर आता हू । माननीय वित मंत्री जी ने जो बजट यहां पर प्रस्तुत किया है। Transparency of the decision at official level curbs

corputions. That is what the Government has been doing. मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व मे यह सरकार जो है इसने जितनी पारदर्ि ाता से काम किया है, जितनी ईमानदारी से काम किया है, उतना पिछली सरकारो ने नही किया क्योकि पिछली सरकारो ने अपने समय मे जो भी नियुक्तियो की थी, उनमे से बहुत सारे लोग बाद मे नौकरियों से हटाए गए। चाहे आप पुलिस का नाम लेवे, चाहे आप पटवारियो का नाम ले लेवे, चाहे आप ऐक्साइज इंसपैक्टर का नाम ले लेवे, चाहे आप एस0डी0एम0 का नाम ले लेवे या चाहे आप बिजली बोर्ड के कर्मचारियो का नाम ले लेवे। ये सभी अपनी अपनी नौकरियों से वापस आ गये। इनमे से मेरेे भी कुछ विधार्थी थे तो पता नही कैसे कैसे करके नौकरियों पर लगे थे। अगर अर्स्टव्हाइल गवर्नमैंट ईमानदार होती, ट्रांस्पेरेंट होती या अपने ओफिसर्ज को बाकायदा कोफिडैन्स मे रखकर काम करती और इसने जेबो मे अप्लायंटमैन्ट्स लैटर रखकर, अप्वायटमैन्ट्स न की होती तथा यदि उन्होने सर्विसेज का कम्प्यूटाइजे ान करके मैरिट के आधार पर, योग्यता के आधर पर नियुक्तिया की होती तो ऐसा नही होता। कई बार कहा जाता है। कि गरीबी है जिसकी फ्रस्ट्रे ान की वजह से आजकल ये कत्ल और ला एंड आर्डर की समस्या हो रही है। लां एण्ड आर्डर की समस्या का खराब होना भी योग्याता के आधार पर, मैरिट के आधार पर, लोगो को नियुक्तियो न देना कहा जा सकता है। इसी कारण भी इंटेलेक्चुअल फ्रेस्ट्रेट होता है। सर, आप पूरे हिन्दुस्तान का चित्र देखिए हर प्रांत के अंदर एक वि ोश प्रकार का ऐसा

इनटैलिजैसिंया, इटेलेक्चुअल ग्रुप खडा होता है जो फ्रेस्ट्रेट होकर इस प्रकार के डिजाईन मे भाग लेता है। अध्यक्ष महोदय, this Government is purely transparent, hundred per cent corrpuption free and honest. अध्यक्ष महोदय, इसके साथ साथ इस सरकार के पास एक मि ान है और एक विजन है। मै माननीय विपक्ष के नेता श्री बीरेन्द्र सिंह जी का बहुत सम्मान करता हू, वे पार्लियामैन्ट के मैम्बर भी रहे है, हम तो नये नये है, उतना कुछ जानते भी नही है और इधर भी बहुत से ऐसे लोग है जो 4–4,5–5 बार मंत्री रह चुके है और संसद मे भी रहे होगे, उन्होने भी बोलते हुए कहा था कि हमारी सरकार कुछ नही कर रही है। हमने कहा कि your Government was laying the foundations and we are erecting an edifice out of it. आपने ये पत्थर लगाए लेकिन हमने उसके हथनीकुंज बैराज पैदा कर दिया। अभी बोलेगे कि हथनीकुण्ड बैराज पैदा कर दिया तो कौन सा अहसान कर दिया। This was nothing else but a replacement of Tajwala works. अरे भाई ताजेवाला हैड वर्क्स तो 124 साल पुराना है। यमुना मे पानी आ जाए तो संभाल नही सकते, वा ा आफ हो जाए और दुनिया मर जाए तौ कौन जिम्मेवार लेगा? अगर 70 हजार क्यूसिक पानी यमुना कैनाल मे आता है ताजेवाला का, निश्कासन से , 30 हजार क्यूसिक पानी जो जायेगा और 4 महीने मे जो इरीगे ान होगी, उससे दुनिया भर को पानी जो मिलेगा, वह इनको समझ मे नही आता। वे सब बात कर सकते थे कि आपने बहुत अच्छा काम किया साहब, हम नही कर पाए थे, आपने

219 करोड रूपया खर्च करके, हथनी कुण्ड बैराज का निर्माण करके, हरियाणा मे भुश्क खेतो को और किसान को रिच करने का, जो पानी का प्रबन्ध किया है। आप इसके लिए प्रं ांसा के पात्र है, लेकिन वे ऐसा नही बोलेगे। बोलेगे कि 1858 करोड रूपये का प्रोजैक्ट था और हर्श जी से कहते है कि आपने इस्टैब्लि ामैंट पर 450 करोड रूपया खर्च कर दिया । हर्श जी ने कहा कि भाई साहब, हमने तो पंजी का खर्च नही की। अध्यक्ष महोदय, वे 450 करोड रूपया बोल रहे है कि इस्टैब्लि ामैंट पर खर्च कर दिया और हर्श जी कह रहे है कि चुनौती देती हू यदि पांच पैसा भी खर्च किया हो तो मै रिजाइन कर दुंगा या आप रिजाइन कर देना। फिर ये सब्जैक्ट को बदल देते है, क्यो कि डेमोक्रेसी है न। मै कहता हू कि कंप्रीहैसिंव 1858 करोड रूपये का अध्ययन कर लीजिए और फिर देखिए कि 1858 करोड रूपया कैसे खर्च किया गया ? अपनी बात से जो एक छोटी सी बात चली चिडी की आंख पर जो चिडी का आख को छोडकर पूरे का पूरा दरख्त और उसमे बैठा हुआ चिडा, उसकी बात करना प्रारम्भ कर देते है। अध्यक्ष महोदय, वह है हथनीकुण्ड बैराज, इसके बारे मे मै विपद्वा के साथियों से पूछना चाहता हू जो समय उपस्थित नही है कि You put the scraf on the psyche of Haryana. आपने हरियाणा के अंदर पानीपत की छठी यूनिट लगाने के लिए 78 करोड की म ाीनरी को लाकर डस्टबिन मे डाल दिया और अब पूछते हो कि यह सरकार क्या कर रही है? हमने उस 78 करोड को डस्टबिन से निकालकर उस पर 634 करोड रूपया लगाकर पानीपत का छठा

थर्मल प्लांट बना रहे है और आज जो हम 634 करोड रूपया लगा रहे है उस समय यदि ये बनाते तो 238 करोड रूपये ही लगते। This is Government under the benign leadership of Chaudhary Bansi Lal is a Government with a mission and a Government with a vision इसलिए मै कहता हू कि अर्स्टवहाइल गवर्नमैंट जो भी थी, उन्होने जो स्कार्फ हरियाणा के ऊपर डाल थे या उन्होनें जो पत्थर रखने का काम किया था, उससे परे हटकर उन पत्थरो को सुंदर इमारत मे बदलने का काम और हरियाणा की जनता पर जो धब्बे लगे थे उनको मिटाने का काम this Government is doing becasue this Government is transparent, this Government is honest and corrpution free. This Government has a mission and the Government has a vision and that is what the Budget is speaking truly as far as these facts are concerned. हरियाणा के माननीय वित मंत्री महोदय पूरे हरियाणा का ऐसा कौन सा सैक ान है जिसको कवर न किया हो। हरियाणा के मुख्यमंत्री चौधरी बसी लाल जी के नेतृत्व मे उन्होने ऐसा बजट प्रस्तुत किया है जिससे वृद्ध, विधवा, बेसहारा, विकलांग इन सब का सम्मान बहाल हुआ है। पैं ान के लिए बजट मे लगभग 120 करोड रूपये का प्रावधान किया गया है। हरियाणा सरकार ने वित मंत्री के माध्यम से हरियाणा को स्वतंत्रता सेनानी जिसने हरियाणा के लिए, पूरे दे ा के लिए अपने प्राणो को हथेली पर रखकर न्यौछावर किया और भारत की एकता, अखंडता और सार्वभौम सता की जिसने रक्षा की है, उस स्वतंत्रता सेनानी की पें ान 500 रूपये से बढाकर 1400 रूपये प्लस 100 रूपये का मैडीकल भता दिया।

चौकीदार को जो एक एक घर से एक एक रूपया वसूलता था और अपना जीवन निर्वाह करता था उसको 400 रूपये प्रति मास का भता दिया। इसके अलावा, जितना भी समाज का अनुसूचित वर्ग है, विमुक्त वर्ग है उसके लिए दूंनिया भर की छात्रवृति प्रदान की है। छात्रवृति के बारे मे 6 पम्फलेट्स के माध्यम से बहन कमला वर्मा जी भी बता रही थी, जिसको मै आज पढना उचित नही समझता। हरियाणा के जो 27–28 परसैंट व्यक्ति है अगर उनके साथ बैकवर्ड क्लासिज के सब लोगो को जोड दू तो सब लौगो को 100–150 और 250 रूपये प्रति मास पें ान से लेकर छात्रवृति के रूप मे 4 हजार रूपये सालाना तक बच्चो की पढाई की सुविधा के लिए पोस्ट ग्रेजुएट डिग्री के लिए माननीय वित मंत्री जी ने इस बजट के अंदर देने का प्रावधान किया है। इसके साथ साथ हरियाणा के स्मालैस्ट सफाई कर्मचारी से लेकर हरियाणा के उच्चतम अधिकारी एफ0सी0आर0 तक जो यहां पर बैठे है, सबाके पाचंवे वेतन आयोग से हरियाणा सरकार ने इंजैक्ट करके 1792 करोड रूपया उनका जी0पी0एफ0 मे डालकर उनको लाभान्वित किया है और इसके साथ ही अगर कहीं कोई एनामंली रहती है अगर कहीं थोडी बहुत गडबड लगती है तो उसके लिए कमेटी बनाई है कोई भी आदमी आए, उसका स्वागत है और उस एनंामंली को भी दूर करने का प्रयास किया है कई बार बार चलती है कि हरियाणा मे रोजगार नही है बेरोजगारी बहुत ज्यादा है। हरियाणा के माननीय विंत मंत्री जी ने जो बजट प्रस्तुत किया है उसमे बेरोजगारी को समाप्त करने के लिए ऐसा प्रावधान किया गया है। यह सच है। अध्यक्ष

महोदय, पिछली बार के बजट के माध्यम से हरियाणा के अन्दर 157 बडे उधोग और 11617 छोटे छोटे उधोग लगाकर 76600 लोगो को नौकरी प्रदान की गई है। इसी प्रकार इस बजट के माध्यम से मानेसर के अंदर इडस्ट्रियल मांडल टाऊन मे 810 उधोग लगाकर 30000 लोगो को रोजगार दिया जायेगा। सलैक ान की जो प्रक्रिया है वह चाहे राज्य कर्मचारी चयन आयोग के माध्यम से हो या हरियाणा पब्लिक सर्विस कमी ान के माध्यम से हो, इस सरकार ने जो भी चयन किये है वह मैरिट के आधर पर किये है और स्कूल अध्यापको, कालेज प्राध्यापको, इजीनियर्स आदि की दुनिया भर की लगभग 8–9 हजार रिक्तियों को इस सरकार ने भरा है। इसके अलावा बेरोजगारो नवयुवाको को 5780 के करीब मैक्सी कैब के परमिट दिये जाने का प्रावधान किया गया है। और 699 के लगभग रूट परमिट देगे और 118 मार्गो पर बसे चलायेगे। इससे भी काफी बेरोजगारी युवको को रोजगार मिलेगा। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ साथ माननीय वित मंत्री जी ने जो बजट पढा है उसमे उधोग पर जितना निवे ा किया उसके माध्यम से सर्विसेज मे ज्यादा जनरे ान होगा और मुझे लगता है कि आने वाले समय मे हरियाणा के अन्दर बेरोजगार नाम की समस्या नही रहेगी। कई बार लोग कह देते है कि बेरोजगारी बहुत अधिक है एक स्थान कही खाली हो तो दुनिया भर से ऐक्लीके ानज आ जाती है। यह सच है कि हर आदमी बैस्ट अल्टरनेटिव सोचा है वह चाहे पहली नौकरी मे भी हो फिर भी इधर उधर ऐप्लाई करता रहता है कि वंहा पर अच्छी नौकरी होगी। इस प्रकार हरियाणा मे

जैसे जैसे उधोग लगने प्रारम्भ होग वैसे वैसे सर्विसेज मे जरने ान होगा और वित मंत्री जी ने जो बजट मे प्रावधान यिका है उसके माध्यम से हरियाणा मे बेरोजगारी का समस्या दूर करने का प्रयास किया है और इससे हरियाणा की जनता खासकर नवयुवको को काफी लाभ होगा। अध्यक्ष महोदय, हमारे माननीय विपक्ष के सदस्य चौधरी वीरेन्द्र सिंह ने अपने भाशण मे बौद्धिक वर्ग से संबधित प्रवचन किये कि हरियाणा की खु ाहाली के लिये हरियाणा के किसान को पूरा सम्मान मिलना चाहिये ओर उसको पूरा पूरा पानी मिलना चाहिए और पूरी बिजली मिलनी चाहिये। अध्यक्ष महोदय, इस बजट के अन्दर माननीय वित मंत्री जी ने बिजली पानी के लिए काफी पैसे की व्यवस्था की है और वैसे हम सभी जानते है कि यह सरकार 2 साल 8 महीने पहले जब सता में आई थी उस समय माननीय मुख्यमंत्री जी ने यह कहा था कि मेरी सरकार के अन्दर किसानो की पगडी पर कोई आंच नही आने दी जायेगी और उनका मस्तक नीचे नही झुकने दूंगा। इस सरकार ने आज तक कर्जे के लिए किसी किसान को अण्डर सैक ान 67 के तहत गिरफतार नही किया है और हरियाणा के किसानो के पूरे सम्मान की गारन्टी दी है। महामहिम राज्यपाल जी के अभिभाशण की चर्चा का जवाब देते समय उन्होने किसानो को 24 घण्टे बिजली देने की बात अपने वकतव्य मे कही है जिसकी डिटेल उन्होने अपने वकतव्य के दौरान आधे पौने घण्टे तक पढकर बताई है कि हम हरियाणा के अन्दर इतनी बिजली पैदा कर देगे कि हमारे लिये यह समस्या होने वाली है कि हरियाणा की सरप्लस

बिजली को किसको बेचे ? दुनिया भर के प्रोजैक्ट आज चौधरी बंसीलाल जी के नेतृत्व वाली सरकार के हरियाणा को दिये है। 30 जून, 1999 के बाद हरियाणा मे 24 घण्टे बिजली देने के लिए हमने ट्रैलर के तौर पर तीन दिन तक इस प्रदे ा को 24 घण्टे दी थी और उसमे यह पता लगा कि हमे इनते लाख यूनिट बिजली को लेना पडा था और इतनी लाख यूनिट पजांब और हिमाचल प्रदे ा से लेकर तथा अपने प्लांट से अरेज करके हम पूरी कर देगे। माननीय मुख्यमंत्री जी ने जिस दिन हरियाणा के मुख्यमंत्री जी के पद पर भापथ ली थी तो लोगो को 24 घण्टे बिजली देने का जो संकल्प और प्रतिज्ञा की थी उसको मुख्यमंत्री जी अब पूरा करने जा रहे है। चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी कभी हाईड्रो इलैक्ट्रिक प्रोजैक्ट का तो कभी यमुना का पानी रोकने की बात कहते है और कहते है कि तभी हरियाणा के किसानो को पूरा पानी मिलेगा। वे इस बातो को अपने हर वक्तव्य मे कहते है। मै हर सै ांन मे उनके भाशण को सुनता हू और उससे सम्मोहित हो जाता हू। आज हरियाणा प्रदे ा के मुख्यमंत्री जी को सब मालूम है कि किसानो को कैसे पानी मिल सकता है। लेकिन कुछ राजनीतिक कंप्ल ांज होती है और दूसरे प्रान्तो के साथ अनेक प्रकार के समझौते होते है, राश्ट्रीय दल जिसकी भी सरकार होती है उनके बीच कुछ न कुछ होता है इस कारण से भाायद हर बार सब चीजे अमल मे लाना थोडा मु कल होता है। लेकिन इसका मतलब यह तो नही कि वे उनके कांस्ट्रक्टिव सुझावो के लिए विपक्ष के सहारे बैठे रहे। हरियाणा सरकार ने बिजली के अनेक ऐसे प्रोजैक्टस

तुरन्त प्रारम्भ करने की बात कही है इसके लिए हमे पैसा कही से मिले, हम इन्हे पूरा करेगे। इस सरकार को तो हैडीकेप्ड, क्रिपल्ड और बैक्रप्ंट हरियाणा मिला था। उस हरियाणा के लिए हमने वि व बैक से 2400 करोड रूपये का ऋण मंजूर करवाया है तथा जर्मनी की ए0बी0बी0 कम्पनी से समझौता करके हम हरियाणा की जनता को 24 घंटे बिजली देने की अपनी प्रतिबद्धता को पूरा करने जा रहे है। उस सकंल्प को जो हम ने हरियाणा की जनता के सामने किया था, हम 30 जून, 1999 से पहले पहले पूरा कर लेगे। इसके साथ साथ, अध्यक्ष महोदय, यहां पर अनेक बाते चली। मै बताना चाहता हू कि हरियाणा के किसानो की जमीन मे जो पानी भरा हुआ है, उसके लिए भी हम काम करने वाले है। **(इस समय सभापतियो की सूची मे से माननीय सदस्य श्री नृपेन्द्र सिंह पदासीन हुए।)** हमारे माननीय वितं मंत्री महोदय ने अपने बजट भाशण मे साफ साफ भाब्दो मे कहा है कि किसानो को मिल रही सबसिडी चाहे वह पेस्टीसाईड्स पर हो या किसी और वस्तु पर हो, यह यथावत चालू रहेगी। सभापति महोदय, किसानो को दिए जा रहे है ऋणो पर ब्याज की दर 16 प्रति ात से घटाकर 14 प्रति ात कर दी गई है तथा उन्हे गन्ने का भाव 95 रूपये क्विंटल दिया गया है। विपक्ष के भाईयों का यह कहना कि किसानो को डी0ए0पी0 खाद नही मिला है, ठीक नही है। हां, इसकी सप्लाई मे कही कही थोडी बहुत देरी जरूर हुई है, लेकिन यह बात बिल्कुल असत्या है कि किसानो को डी0ए0सी0 खाद मिली ही नही है। मै सदन को बताना चाहता हू कि हम ने 1.98 लाख टन यूनिया की

मांगी के विरूद्ध 2.12 लाख टन यूनिया प्रस्तुत किया अर्थात खपत मे भी ज्यादा यरिया हम ने प्रस्तुत किया। हमने किसानो की हर आव यकता को पूर्ण किया क्योंकि ये हरियाणा की एनर्जी सिक्योरिटी है, राश्ट्र की एनर्जी सिक्योरिटी है, उस एनर्जी को जनरेट करने के लिए हम ने आफिसर्ज के माण्ध्य से पूरी भाक्ति का प्रयोग किया है। सभापति महोदय, हथनीकुण्ड बैराज का भी यहां पर जिकर हुआ है। मै बताना चाहता हू कि पिछले दिनो मै पटौदी मे नारयण सिह जी के साथ था, वहां पर मुख्यमंत्री जी भी रिवाडी लिफट योजना का उद्घाटन करने के लिए गए थे, जिसके तहत नाबार्ड से लगभग 40 करोड रूपये लेकर 78.900 एकड भूमि को सिचिंत करने का प्रबंध किया गया है। इसके साथ साथ भारत सरकार ने 200 करोड रूपये लेकर मेवात को विकसित करने का काम भी इस सरकार ने किया है। हरियाणा का जो बिल्कुल भाुश्कतम हिस्सा होता था तथा जहां पर कभी खु ाहाली और हरियाली नही होती थी, उस क्षेत्र मे भी एक नई चेतना, नया जीवन, नया चेतत्य और उल्लास भरने के लिए माननीय वित्त मंत्री जी ने अपने बजट का प्रावधान करके दिखाया है। यह बजट हरियाणा को सुंदरतम, सौम्य व खु ाहाल बनाने के हमारे संकल्प के दृश्टिगत प्रस्तुत किया गया है। मै समझता हू कि हरियाणा मे जो इस प्रकार से विकास कार्य चौधरी बसी लाल जी के नेतृत्व मे हो रहे है, उनके लिए चौधरी बंसी लाल जी साधुवाद व प्र ांसा के पात्र है। सभापति महोदय, इसके साथ ही साथ सदन मे यह बात भी चली कि हरियाणा प्रदे ा के अंदर कानून एवम व्यवस्था

की स्थिति गंभीर है, खतरनाक है व अच्छी नही है। मै मानता हू कि प्रदे ा के अंदन कानून एवम व्यवस्था की स्थिति ठीक नही है। लेकिन कानून एवम व्यवस्था की स्थिति के सबंध मे अगर हम टाटा इंस्टीच्यूट आफ सो ाल सांईसिज का सर्वे देख, नै ानल क्राइम रिकार्ड्स ब्यूरो का सर्वे देखे, बम्बई वे चेन्नई के पुलिस आयुक्तो की रिपोर्ट्स देखे तथा दुनिया के अंदर जितने भी क्राईम क्षेत्र के मनौवैज्ञानिक व दा ार्निक है, चाहे व पाईन है, केलहेकर है, या हैमलवेट है, जिन्होने लेटैस्ट विज्ञान के हिसाब से बताया है कि It is run and chase. कुछ लोग कत्ल कर देते है और सभी कहते है और सभी कहते है कि मै हत्यारे को पकडूंगा, मेरी सरकार उसको पकड लेगी लेकिन वास्तव मे ऐसा नही होता है। उदाहरण के तौर पर गाजियाबाद का एक ''बेबी किलर'' था पिछली सरकार ने उसके स्थान पर एक नकली आदमी ला कर खडा कर दिया जिस प्रकार से ''प्रतिंबध'' फिल्म मे दिखाया गया है कि एक बुढे व्यक्ति जिसको रोटी नही मिली थी, उसको जेल के अंदर डाल दिया गया था कि इस व्यक्ति ने ही कत्ल किया है। सभापति महोदय, मै बताना चाहूंगा कि असली आदमी को हमारी सरकार के गृह मंत्री महोदय ने पकडा है, जिसके लिए ये साधुवाद के पात्र है। लेकिन क्राईम की थ्यूरी यह है कि– "It is universally proportional to the resistance." आपके पास कितने ही साधन क्यो न हो, तथा कैसे ही पर्यावरण मे पले हो, यह बात नही है। अभी नंदा और कपूर दोनो व्यक्तियो ने मिलकर 60 लाख रूपये की गाडी चुराई, वे बी0एम0डब्लयू0 व 5 पुलिस वालो को मारकर चले गए तथा

सैक ान 304 के अंदर गिरफतार होने के बाद अब दिल्ली की तिहाड जेल मे बैठे है। इसलिए सभापति महोदय, क्राईम की थ्यूरी है, It is universally proportional to the resistacne. मै बताना चाहता हू कि आज टेलीविजन व वीडियो की दुनिया ने ''एक्सेपिस्ट'' ही बनाए है। वास्तव मे इस माहौल मे आज सभी पढाई से व जीवन की वास्तविकता से भागने की इच्छा करते है व जिंदगी की वास्तविकता को जानने की भीघ्रता के कारण वे दुनिया भर के क्राइंम करते है। आज ऊपर से लेकन नीचे तक कोई भी दल हो, जिस प्रकार से वह आचरण करता है, उसके अनुसार वह किस कैटेगरी मे आयोग, उसके ऊपर विचार करना जरूरी है। दुनिया की एजैन्सी सी0आई0ए0 जिसका बजट साढे चार करोड रूपये से बढकर अब दो हजार करोड रूपये कर दिया गया है क्योंकि भारत के अंदर, हरियाणा के अंदर खलबली मचाने का उना प्रयत्न चल रहा है,

18.00 बजे

अंगर खलबली मचाने का उनका प्रयत्न चल रहा है, अगर इन सारी बातो पर हम विचार करे तो जितना मर्जी मै प्रयास करू जब तक दे ा के अंदर दे ाभक्ति, राश्ट्रीय चरित्र, समर्पण, बलिदान इत्यादि इन सबको लोग राजनीति और राजसता के तराजू मे तोलेगे, तब तक ये मर्डर्ज, ये डकैतिया कम नही होगी। सभापति महोदय, अगर हम हिन्दुस्तान के क्राईम के आकडे ले तो पता चलता है कि 16 साल से 30 साल की उम्र के लोगो ने 60

प्रति ात से ज्यादा अपराध किये है और ये सभी पहली बार अपराधा करने वाले है। इसलिए मै कहना चाहता हू कि जिस प्रकार की अपराध की थ्यूरी है, जिस प्रकार के अपराध बढ रहे है उसके लिए होम मिनिस्टर, मुख्यमंत्री या कोई मिनिस्टर इत्यादि जिम्मेवार है, ऐसा कोई कारण नही है। सभापति महोदय, अगर हम पूरे वि व आकडे ले तो पता चलता है कि रूस मे अपराधा मे 53 प्रति ात की बढोतरी हुई है, जापान मे 26 प्रति ात की बढोतरी हुई है, अमेरिका मे 11 प्रति ात की बढोतरी हुई है, जर्मनी मे 3 प्रति ात की बढोतरी हुई है और हिदुस्तान मे 22 प्रति ात की बढौतरी हुई है। इस तरह से ये क्रिमिनोलांजी के आकडे है, सभापति महोदय, मै कुछ बहुत ज्यादा न कहते हुए यह कहना चाहूंगा कि "Beauty lies in the eyes of the beholder in Democracy." प्रजातंत्र के अंदर देखने वालो की आखो मे सुंदरता होनी चाहिए। सभापति जी, चौधरी बंसी लाल जी हमारे नेता है, हरियाणा के निर्माता है और हरियाणा के विकास पुरूश के नाम से पहचाने जाते है। सभापति महोदय, मै ज्यादा कुछ न कहते हुए माननीय वित मंत्री महोदय को एक कर रहित बजट पे ा करने पर बधाई देता हू ओर विपक्ष के सम्माननीय सदस्यो को एक पम्फलैट के माध्यम से संदे ा देते हुए कहना चाहता हू कि ''माना कि हम तुम्हारी दीद के काबिल नही, पर हमारा भाोक देख और इंतजार कर'' इन्ही भाब्दो के साथ ही मै आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान लेता हू।

श्रम एवम रोजगार (श्री रमे ा चंद कौ ाक): सभापति महोदय, मै सबसे पहले वित मंत्री महोदय को चौधरी बंसी लाल के नेतृत्व मे कर रहित बजट पे ा करने के लिए बधाई देता हू। सभापति महोदय, मेरे विपक्ष के भाई सोचते थे कि इस साल के बजट मे हजारो करोड रूपये के टैक्स लगेगे लेकिन ऐसा नही हुआ और वे इसलिए इस हाउस को छोडकर चले गये। क्योकि जो कुछ वे सोचा करते थे बिल्कुल उसके उलट हो गया और वे ऐसी स्थिति को देख नही सकते थे। सभापति महोदय, चौधरी बसी लाल जी की सरकार बिजली के क्षेत्र मे भी बडा सरहानीय काम कर रही है। मेरे विपक्ष के भाइयो ने देखा कि हमारी सरकार ने हरियाणा की जनता को 24 घंटे बिजली देने का जो वायदे किया था, वह भी इस साल जून तक पूरा करने वाली है। मेरे कहने का मतलब यह है कि मेरे विपक्ष के भाइयो ने देखा कि बजट मे जो नये टैक्स लगने थे वे भी नही लगे और बिजली का काम भी चौधरी बंसी लाल जी सरकार पूरा करने वाली है इसीलिये मेरे विपक्ष के भाई यहां से उठकर चले गये, क्योकि अगर ये यहां बैठे होते तो उनको ये बाते सुनने पडती। सभापति महोदय, उनको यह भी सुनना पडता कि पानीपत का छठा यूनिट किसने लगवाया, फरीदाबाद का थर्मल प्लांट कौन बनवा रहा है और आयल रिफाइनरी, जिससे हरियाणा प्रदे ा को 330 मैगावाट बिजली मिलने लगेगी, वह कौन बनवा रहा है। सभापति महोदय, चौधरी बंसी लाल जी की सरकार इस साल के आखिर तक हरियाणा प्रदे ा की जनता को लगभग 1200 मैगावाट बिजली दे देगी

जिससे किसानो को बहुत ज्यादा रहित मिलेगी। यह बात मेरे विपक्ष के भाई सुन और देख नही सकते थे। यह भी एक कारण है कि वे इस हाउस मे बगैर किसी बात के वाक आउट कर गये। सभापति महोदय, जब से हरियाणा प्रदे ा मे हरियाणा विकास पार्टी और भारतीय जनता पार्टी की मिली जुली सरकार बनी थी तब से लोगो की नजर विकास की और लगी हुई है तथा चारो और हरियाणा प्रदे ा मे विकास कार्य हो रहे है। सभापति महोदय, जब हरियाणा प्रदे ा मे 24 घण्टे बिजली मिलने लगेगी, तब हरियाणा प्रदे ा भारत का पहला ऐसा राज्य बन जायेगा जहा पर लोगो को 24 घंटे बिजली मिलती हो। इसके अतिरिक्त, मेरे विपक्ष के भाई यह प्रचार कर रहे थे कि चौधरी बंसी लाल जी की सरकार बिजली का प्राईवेटाइजे ान नही कर रहे है बल्कि बिजली मे सुधार कर रहे है कि तो उनकी यह बात भी झूठी साबित हो रही थी और उनको सुननी पडती इसलिए मेरे विपक्ष के भाई इस सदन को ही छोड कर चले गये। सभापति महोदय, मै आपको बताना चाहता हू कि सोनीपत जिले मे 220 के0वी0 का कोई भी सब स्टे ान बिजली का नही था लेकिन अब हमारी सरकार 220 के0वी0 का सब स्टे ान सोनीपत मे लगाने जा रही है जिससे किसानो की बिजली की प्रौब्लम भी दूर हो जायेगी, इस सब स्टे ान के पूरे हो जाने पर सेानीपत जिले की बिजली की समस्या दूर हो जायेगी। सभापति महोदय, 1995–96 मे आपने भी देखा था कि किस तरह से हरियाणा प्रदे ा के अंदर भयानक बाढ आई थी। लेकिन जब से हमारी सरकार हरियाणा प्रदे ा के अंदर आई

है तब से हमने हरियाणा प्रदे ा की हर नहर और ड्रैनज आदि की खुदवाई का काम करवाया है, जो पेड बीस साल से ड्रैनज के अदर खडे थे उनको खुदवाया है। यही कारण है कि पिछले साल पहले से ज्यादा बरसात होने के बावजूद भी हरियाणा प्रदे ा मे बाढ नही आई ओर इससे किसानो को काफी फायदा हुआ है। इसलिये आज चारो तरफ हरियाणा प्रदे ा के बाढ नही आई और इससे किसानो को काफी विपक्ष के भाई हमारे इन कामो की वजह से जनता के सामने जाने का लायक नही रहे। क्योकि अब वे जनता को कोई भी झूठा वायदा नही कर सकते। सभापति महोदय, इसके अतिरिक्त मै आपको और आज इस हाउस को हथनीकुण्ड बैराज के बारे मे कुछ बताना चाहूंगा। इस बारे मे मेरे कांग्रेस के भाई कर रहे थे कि इस बैराज पर कार्य उन्होने भुरू करवाया था। सभापति महोदय, जब चौधरी बंसी लाल जी ने हथनी कुण्ड पर जाकर देखा तो वहां पर उद्घाटन का एक टूटा हुआ पत्थर लगा हुआ था। मेरे कांग्रेस के भाईयो ने सिर्फ इस बैराज का उद्घाटन करके छोड दिया। लेकिन हमारी सरकार ने उस पर आगे काम भुरू करवाया है और इस साल जून महीने तक हथनीकुण्ड बैराज बनकर तैयार हो जायेगा। सभापति महोदय, मेरे विपक्ष के भाई जहां तक किसानो के हित की बात करते है उस बारे मै आपका धन्यवाद करना चाहूंगा कि हमारी सरकार किसानो को 50 पैसे पर यूनिट के हिसाब से बिजली दे रही है और इस मद मे सरकार हर साल लगभग 700 करोड रूपये की सबसिडी दे रही है। हमारे विपक्ष के साथी ये कहते रहते थे कि सरकार

बिजली के रेट 5 रूपये यूनिट या 6 रूपये यूनिट कर देगा लेकिन इस सरकार ने कोई रेट नही बढाये है और अब उनको यह अहसास हो रहा है कि चौधरी बंसी लाल जी जो कहते है, वही करते है। सभापति महोदय, कृशि के क्षेत्र मे भी हरियाणा उन्नति की ओर अग्रसर हो रहा है और आज हमारी सरकार बधाई के पात्र है जिसने गन्ने का सबसे अच्छा रेट दिया गया है और यह 95 रूपये प्रति क्विंटल के हिसाब से दिया गया है जो कि पूरे दे ा मे सबसे ज्यादा है। सभापति महोदय, सडको के निर्माण की बात आती है तो हरियाणा प्रदे ा की जनता चौधरी बंसी लाल जी की ओर ही देखती है जो कि हरियाणा के निर्माता है और यही सरकार सडको का निर्माण कार्य पूरा कर सकती है। सडको के निर्माण के लिये बजट मे पूरा प्रावधान है और लगभग 165 करोड रूपये रखे गये है जिससे सडको के निर्माण कार्य पूरा हो जायेगा। इसके अलावा हरियाणा प्रदे ा मे चारो और स्कूल के कमरो, आंगनवाडी सैन्टरो, अस्पतालो आदि के विकास कार्य बडी तेजी से चल रहे है। हमारे विपक्ष के साथियों को यहां बैठकर यह सब सुनना मु कल हो रहा था कि यह सरकार सब काम इतनी तेजी से कैसे करती जा रही है इसीलिये वे बहाना बनाकर उठकर चले गये। सभापति महोदय, चौधरी बसी लाल सरकार अपने वायदे के मुताबिक हर महीने की सात तारीख को बुढापा पै ान दे रही है उसका भी बजट मे पूरा प्रावधान है। चौधरी बंसी लाल जी ने चुनावो से पहले कहा था कि हम पचायतो मे जो चौकीदार होते है उन्हे 500 रूपये प्रति माह देगे और अब वायदे के मुताबिक 500

रूपये प्रति माह उन्हे दिये जा रहे है सभापति महोदय, वर्तमान सरकार ने कर्मचारियो को पांचवा वेतन आयोग भी दिया है और 550 करोड रूपये सरका पर अतिरिक्त बोझ पडा है और कर्मचारियों की ने केवल पाचंवे वेतन आयोग की मांग पूरी की है बल्कि चौथा वेतन आयोग भी चौधरी बसी लाल जी ने दिया था और अब कर्मचारियों की समझ मे आ जायेगा कि विपक्ष के जो लोग है वे हमे ा बहकाते है और झूठ मूठ बोलकर केवल जात पात की राजनीति करना चाहते है। सभापति महोदय, हरियाणा मे आज उधोग मे श्रमिक भाान्ति है जबकि चौटाला सरकार मे कितने ही उधोग उठकर जाने लगे थे। उस समय एटलस वालों ने हमारे यहां एक और फैक्टरी, लगनी थी जो एटलस ने नोएडा मे लगाई। आज पूरे हरियाणा मे कोई भी श्रम आंदोलन नही है । यहां की जनता को पता है कि दिल्ली को छोडकर पूरे दे ा मे सबसे ज्यादा वेजिज हरियाणा मे दियो जा रहे है और हमारे मुख्यमंत्री जी ने कहा है कि दिल्ली के बराबर हरियाणा मे मिनिमम वेजिज हरियाणा मे दिये जा रहे है और हमारे मुख्यमंत्री जी ने कहा है कि दिल्ली के बराबर हरियाणा मे मिनिमम वेजिज देगे। मुझे यह घोशणा करते लगने जा रहे है। हरियाणा प्रदे ा तेजी से उधोग की प्रगति की और बढ रहा है और उधोग के लिए मानेसर तथा कुण्डली के पास 500–500 एकड जमीन एक्वायर कर ली गई है और उधोग के विकास से ही हरियाणा का सही विकास संभव है और हमारे मुख्यमंत्री जी इस और वि ोश ध्यान दे रहे है कि हरियाणा मे ज्यादा से ज्यादा उधोग पनपे। सभापति जी, विपक्ष के

भाई कहते है कि वर्तमान सरकार ने हरियाणा मे नौकरियों नही दी। मै आपके माध्यम से हाउस मे यह बताना चाहूगा कि जब से हमारी सरकार बनी है तक से लगभग 40000 नवयूवको को सार्वनजनिक ओर निजी क्षेत्रो मे नौकरियो मिली है और ये सारी नौकरियों केवल रोजगार कार्यालयों के माध्यम से दी गई है। अन्त मे, मै अपने वित मंत्री जी एवम चौधरी बसी लाल जी को बधाई देना चाहता हू कि उनके द्वारा कर रहित बजट पे ा किया गया है और हरियाणा अब उस विका की गति से आगे बढ रहा है जिस स्थिति मे चौधरी बंसी लाल जी छोडकर गये थे और अब ज्यादा से ज्यादा विकास के काम हो रहे है। इसके अलावा आखिर मे, मै एक बात और कहना चाहता हू कि बहुत दिनो से श्रमिको की मांग चली आ रही थी कि ई0एस0आईज0 जो कि स्वास्थ्य विभाग मे है, वह लेबर डिपार्टमैंट के पास होनी चाहिये। उनकी यह मांग भी पूरी कर दी गई है और इससे श्रमिको को दवाइया वगैरहा आसीनी से मिलेगी एवम उन्हे इसका पूरा लाभ पहुचेगा। सभापति महोदय, एक बार फिर मै मुख्यमंत्री जी को बधाई देता हू कि उन्होने हरियाणा प्रदे ा की जनता के लिये कर रहित बजट पे ा किया।

वास्तुकला राज्य मंत्री (श्री राज कुमार सैनी): सभापति महोदय, मुझे अपने बजट परिचर्चा मे भाग लेने का मौका दिया उसके लिए मै आपका धन्यवाद करता हू। वैसे तो मेरे से पूर्व भाई गणे ाी लाल जी ने हर एक सैक्टर मे बजट परिचर्चा का इतना

व्याख्यान कर दिया कि हमारे लिए बोलने का कोई ज्यादा औचित्य नही बनता। लेकिन फिर भी यह बजट पूरे भारतवर्श के सभी प्रदे ाो मे अपनी मिसाल कायम करेगा जिसके लिए हम अपने वित मंत्री जी को बधाई देते है और मुख्यमंत्री जी को बजट के बारे मे दी गई सलाह और उनके नियमो का पालन करने के लिए उनका भाुक्रिया अदा करते है, धन्यवाद करते है। सभापति महोदय, इस बजट के अन्दर हर सैक्टर मे चहुमूखी विकास करने का वि ोश ध्यान दिया गया है क्योंकि बजट के अन्दर कोई भी नया कर नही लगाया गया है। सभापति महोदय, इस प्रकार से इस बजट के अन्दर दुरदर्िाता झलकती है कि बिना पैसे किसी भी घर का, किसी भी प्रदे ा का और किसी भी दे ा का किसी प्रकार से अच्छी तरह से श्रृंगार किया जाए और कम से कम पैसा खर्च करके दूरदर्िाता और पादर्िाता उसके बीच मे रख करके भी किसी काम को सिरे लगाया जाये लेनिक प्रदे ा का विकास किया जाये। इस बजट का यह एक सही उदाहरण है मै यह कहूगा कि िाक्षा के बारे मे हमारे विपक्ष के भाई यहां पर कह रहे थे कि आज स्कूलो मे बच्चो का बस्ता बहुत भारी हो गया है और स्कूलो मे मास्टन रही है। स्कूलो के अन्दर यह कमी है, वह कमी है। सभापति महोदय मै आपके माध्यम से यह बात बताना चाहूंगा कि पूरे प्रदे ा के अन्दर पिछले साल भी 375 स्कूल अपग्रेड किए गए थे और इस साल 414 स्कूल अपग्रेड करने का सरकार का प्रावधान है, जिसके लिए प्रदे ा का कितना भारी बजट खर्च होगा ? किसी भी प्रकार के टैक्स का बोझ जनता पर न डाल करके यह

बजट पे ा किया गया है, यह कोई छोटी बात नही है। सभापति महोदय, मेरे क्षेत्र मे एक कालेज पिछले 20 वर्शो से चल रहा है, उसके अन्दर इस साल मैडीकल की क्लासिज स्टार्ट की गई है और एम0ए0 की क्लासिज स्टार्ट की गई है और नए जे0बी0टी0 सैंटर खोले गए है। पिछले साल मेरे क्षेत्र मे 7 स्कूल अपग्रेड किए गए थे और इस साल भी 8 या 10 स्कूल अपग्रेड किए जाएगे। बिना बजट के ये काम कैसे सम्भव हो सकते है। हम इसके लिए आदरणीय मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करेगे कि उन्होने पता नही कौन सा सिस्टम अपना रखा है जिससे जनता पर कोई बोझ भी न पडे विकास के कार्य भी ज्यादा से ज्यादा हो, इसके लिए हम उनका वि ोश धन्यवाद करते है। सभापति महोदय, मै कहूंगा कि इस प्रदे ा के अन्दर चौधरी बसी लाल जी एक ऐसा नेता है जिनकी कोई मिसाल नही है क्योकि वह तो प्रदे ा के वि वकर्मा है और उनको केवल प्रदे ा का वि वकर्मा न कह करके यदि पूरे दे ा का वि वकर्मा कहा जाए तो कोई अति योक्ति नही होगी। जिस भी ओहदे पर ये रहे है, उस पर इन्होने एक पारदि ता और कु ालता की मिसाल छोडी है, उदाहरण छोडे है। इस प्रदे ा के अन्दर आज से 25 वर्श पहले इन्होने सडको का, पीने के पानी का, और बिजली का जाल बिछाया था। ये 20 वर्श के अन्दर इस बगिया को, इस चमन को, उजडे हुए देख कर आंसू बहाते रहे लेकिन जनता के बीच मे इनको वि वास नही मिला। सभापति महोदय, 1996 मे इस प्रदे ा के अन्दर चौधरी बसी लाल जी ने कार्यभार सम्भाला। इस प्रदे ा का कार्यभार सम्भालते ही

प्रदे ा का जो ढांचा टूटा फूटा था। और प्रदे ा का जो खजाना खाली पडा था उस खाली खजाने को भरने का और खाली खजाने के माध्यम से ही जैसे तैसे छोटी मोटी योजनाओ को चलाने का कार्यक्रम भाुरू किया। जंहा पर पिछले 20 वर्शो के अन्दर ऐसी स्थिति आ गई कि कोई भी व्यक्ति प्रदे ा के अन्दर अपने गुलछरे उडाने की नीयत तो रखता था लेकिन उसको प्रदे ा के श्रृगार के प्रति कोई चिन्ता नही थी। न कोई मनन करता, न कोई नीति बनाता न कोई उसकी योजना होती और न कोई विकास होता था। जैसे पिछले दिनो मुख्यमंत्री जी ने अपने वायदे के मुताबिक भाराब बंदी की थी तो एक किसान का भाराब घोरा भाराब बंदी लागू होते ही बेकार हो गया। वह लोगो को कहने लगा कि मैने इलैक ांन लडना है तुम मुझे वोट देना। वहा गांव के बुजुर्गो को कहने लगा कि मुझे वोट अव य देना। बुजुर्ग कहने लगा कि तू इलैक ान जीत कर क्या करेगा। वह कहने लगा कि जो तू कहेगा, वही करूंगा और भाराब जो बंद की हुई है उसे खोल दूंगा। लोग उससे पूछने लगे कि तेरी नीतियां क्या होगी उसने फिर वही कहा कि जो जो तुम कहोगे वही करूंगा। बुजुर्ग सोचने लगा कि इसने कहा का इलैक ान लडना है। फिर भी वह उससे कहने लगा कि यदि तू चुनाव जी गया तो हमारे गांव मे भाम ाान घाट बनवा देना। वह लडका कहने लगा कि यदि मै जीत गया तो घर घर मे भाम ाान घाट बनवा दूंगा। मेरे कहने का मतलब यह है कि पिछले 20 सालो मे जिनका राज रहा उन्होने सारे हरियाणा को एक तरह से भाम ाान घाट बना करके छोड

दिया। उन्होने प्रदे ा के हित की कभी बात सोची ही नही थी। सभापति महोदय, पिछले 15–20 सालो मे बस एक ही काम रहा कि किसी तरह एम0एल0एज0 को खु ा रखो। इसका परिणाम यह हुआ कि पूरे प्रदे ा के अन्दर एक सोच यह बन गई कि किसी तरह एम0एल0एज0 बन जाओ। इस का नतीजा यह हुआ कि एक बातर जो एम0एल0एज0 बन गया तो उसको करोडो रूपये के महल खडे हो गए जिसके कारण हमारे यहां पर एम0एल0एज0 से, राजनीतिक नेताओ से वि वास उठना स्वाभाविक ही था। चौधरी बसी लाल जी के हाथो मे पुन सता आई। तो उन्होने इस बुराई को खत्म करने के लिए लोकपाल की नियुक्ति की। यह एक बहुत ही सराहनीय काम है। लोकपाल की नियुक्ति के पहले जो लोग उच्च पदों पर बैठे हुए थे वे गिरफ्त मे नही आते थे, वे भी अब लौकपाल की गिरफ्त म आ जायेगे। इससे हमारे प्र ाासन मे पारदि ार्ता आयेगी। हमारी प्रदे ा मे अच्छे अच्छे लोगो का बोलबाला होगा, प्रदे ा मे खु ाहाली होगी ओर चारो तरफ विकास होगा।

सभापति महोदय, किसी भी प्रदे ा की तरक्की के लिए ि ाक्षा ओर स्वास्थय का उचित प्रबंध बहुत अनिवार्य है। मै बताना चाहूगा कि सरकार प्रदे ा के विकास के लिए और लोगो के स्वास्थय को ध्यान मे रखते हुए प्रदे ा के अन्दर 8 अस्पताल, 22 सी0एच0सीज0 और 9 पी0एच0सीज0 बनाने जा रही है। मै अपने

हल्के की बाबत कहना चाहूंगा कि मेरा यहा पर भी एक दो सी0एच0सी व पी0एच0सी0 बनायी जानी अनिवार्य है।

सभापति महोदय, जैसे भारिर क अन्दर रक्त संचार के लिये रक्त धमनियों का होना आव यक है, वैसे ही किसी भी राज्य के विकास के लिए सडको का जाल बिछा होना अति आव यक है। जहां पर सडको का जाल बिछा होगा वहां पर विकास कार्य अधिक हो सकेगे। आज जनमानस इस बात के प्रति सचेत है कि हमारी जो टूटी सडके है उनकी तुरन्त रिपेयर हो। सभी को पता है कि पिछले 2 वर्श मे कभी भी 15 दिन से अधिक का समय मौसम के हिसाब से अच्छा नही रहा। किसी भी प्रदे ा के विकास के लिए वहां पर सडको और पुलों का बनाया जाना अति आव यक है। मै सरकार का ध्यान दिलान चाहूंगा कि मेरा इलाका ि ावालिक की पहाडियों मे आता है और वह नदियो मे जडा हुआ है। इसलिए हमारे यहां पर सडके और पुल अधिक बनाये जाने की आव यकता है। हमारे एरिया मे नदियों का तो पानी लगता ही नही।

हमारे यहां सिचाई का साधन केवल टयूबवैल्ज है और आवगमन के साधन सडके है। एक गांव से दूसरे गांव जाने के लिए 20–30 किलोमीटर घूम कर आना पडता है क्योकि हमारे इलके मे पुल कम है इस आने जाने मे डीजल भी अधिक खर्च होता है म ाीनरी भी टूटती है तथा सडके टूटती है। इसलिए मेरा निवेदन है कि जिन सडको पर पुलो की जरूरत है, उन पर पुल

बनाए जाए ताकि लोगो को आने जाने मे सुविधा हो सके और उनको चक्कट काट कर न आना पडे। सभापति महोदय, आज पूरे प्रदे ा मे बाढ बचाव कार्य चल रहे है, सडको का काम भी चल रहा है और बाईपास व ओवर ब्रिजो का काम भी चल रहा है, अगर हमारे इलको मे भी ज्यादा से ज्यादा सडको और पुलो का इन्तजाम हो जाए तो बहुत अच्छा रहेगा। वित मंत्री जी ने जा कर मुक्त बजट पे ा किया है, उसके लिये मै उनका आभार प्रकट करता हू। सभापति जी, आदरणीय मुख्यमंत्री जी ने 30 जून तक सारे प्रदे ा के अन्दर पूरी बिजली देने का ऐलान कर दिया है। पूरे प्रदे ा के अन्दर अब 24 घण्टे बिजली उपलब्ध होगी, यह बात विपक्ष के भाइयो को हजम नही हो रहीहै। विपक्ष कभी अवि वास प्रस्ताव लेकर आता है, कभी छीटाक ाी करके इस हाउस से प्रकार से चला गया है मानो वे कभी इस सदन के सदस्य ही नही थे। हमारे मुख्यमंत्री जी ने आज 25 वर्श पहले विकास का यह ढांचा खडा किया था। तक मै बहुत छोटा था, जब यह बात सुनी जाती थी कि सारे प्रदे ा के अन्दर सडको और बिजली का विकास हो रहा है। उस वक्त मेरी उम्र मात्र 20 वर्श रही होगी, जब यह बात सुनने मे आई तो सबसे पहले मैने अपने गांव मे अन्दर सिर्फ एक बल्ब लगावाया था और केवल एक बल्ब लगाने के लिए उस वक्त बिजली का जो इतना बढा आदरणीय मुख्यमंत्री जी द्वारा तैयार किया गया था और आज यदि 25 वर्श प चात् जितनी बिजली मिल रही है उसको देखे तो पता लगेगा कि यदि उस वक्त 5 यूनिट प्रति व्यक्ति बिजली की खपत होती थी तो वहां

आज 500 यूनिट प्रति व्यक्ति खपत होती है। जहां तक इस बढी हुई खपत का सवाल है इसके लिए विपक्ष के इन भाईयो ने कोई प्रयास नही किया। इन 25 वर्शो मे जिनके हाथ मे हुकूमत रही, वे विपक्ष के साथी पता नही क्या करते रहे। सभापति महोदय, इन लोगो की सोच और समझ प्रदे ा मे विकास के काम करने की नही थी, इनकी नीयत साफ नही थी इन्होने तो सिर्फ अपने एल0एल0एज0 को खु ा करके इस प्रदे ा को लूटने का ओर इस प्रदे ा के अन्दर हुकूमत करने का नजरिया ही रखा, लेकिन 25 वर्श के अन्दर विपक्ष के हमारे भाइयो ने कुछ नही किया। सभापति महोदय, नारायणगढ मे सारी सिचाई सिर्फ ट्यूबवैल्ज से होती है। वहां का हमारा किसान तभी खु ाहाल हो सकता है यदि ट्यूबवैल्ज को पूरी बिजली मिले। वहां पर बिजली की तीन सब डिवीजन्ज है– भाहजातपुर, नारायणगढ और बरवाला। इन तीनो सब डिवीजनो के अन्दर क्रम ाः 6–10 और 8 एम0बी0ए0 के ट्रांसफार्मरज लगे हुए है। उन ट्रांसफार्मरज की क्षमता को दुगुना किये जाने की आज बहुत जरूरत है क्योकि जब 24 घण्टे बिजली देने लगेगे तो हमारे पास यदि उसके मुताबिक क्षमता के ट्रांसफार्मरज नही होगे तो हम यह बात कहने मे चूक करेगे और अपनी बात से नीचे रहेगे। जो 37 सब डिवीजन आगमैंट किये गये है, उसमे नारायणगढ का नाम आया या नही, मुझे यह पता नही है लेकिन मै बिजली मंत्री जी से निवेदन करूंगा कि यह भी उसमे ऐड करने की कृपा करे। सभापति महोदय, इस महान सदन के माध्यम से मै यह जरूर कहूंगा कि बिजली की सप्लाई पूरी होने से

लोड बहुत ज्यादा हो जायेगा और उस ज्यादा लोड को बीयर करने के लिए जो इन्फ्रस्ट्रक्चर जरूरी है, वह जरूर लगाया जाए, लेकिन ये भाई किसानो के नाम पर, बिरादरी के नाम पर और जातपात के नाम पर बटोरते रहे है। उन्होने तो हमे ाा सता हथियानो का ही काम किया है। **(इस समय श्री अध्यक्ष महोदय पदासीन हुए)** अध्यक्ष महोदय, आज वित मंत्री जी ने मुख्य मंत्री जी के नेतृत्व मे यह जो बजट पे ा किया है, यह बात ही अच्छा और कर मुक्त बजट है। इस बजट मे प्रदे ा मे चहुमूंखी विकास का काम करने हेतू एक अच्छा माहौल कायम किया है। जिससे आज पूरे प्रदे ा की जनता सुख का सांस ले रही है। मै मुख्यमंत्री जी का, वित मंत्री जी का और सभी सदस्यगण को इस कर मुक्त बजट पे ा करने के लिए बधाई देता हू और धन्यवाद करता हू। जय हिन्द।

Mr. Speaker: Now the House stands adjorned till 10.00 A.M on the Friday, the 5th February, 1999.

***18.26 Hrs.**

(The Sabha then *adjourned till 10.00 A.M on Friday, the 5th February, 1999.)